



Viksit Bharat - Guarantee for Rozgar and Ajeevika Mission (Gramin) : VB - G RAM G

(विकसित भारत - जी राम जी) Act, 2025



125 दिन

की रोजगार गारंटी

अब बनेंगे जलाशय,

मुनिश्रित होगी जल सुरक्षा

cbc 35101/13/0070/2526



विकसित ग्राम पंचायत से विकसित भारत की ओर

संक्षिप्त समाचार

बच्चे को न्यूड कर लटकाया, पीटा

रामगढ़(नबिटा ब्यूरो)। जिले के पतरातू डीजल कॉलोनी में चोरी के मामूली आरोप में एक मासूम बच्चे को निर्बस्त्र कर पेड़ से लटकाने के बाद उसकी बेरहमी से पिटाई की गई। इस क्रूरता का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि नवबिहार टाइम्स इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। घटना के बाद पीड़ित बच्चे के बड़े भाई अनुराग कुमार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई जिसके आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

महिला की संदिग्ध परिस्थिति में मौत

कोडरमा (नबिटा ब्यूरो)। जिले के चंदवारा थाना अंतर्गत करौंजिया गांव में एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतका की पहचान 37 वर्षीय स्वीटी देवी के रूप में हुई है। शनिवार की रात स्वीटी देवी घर पर अपनी सौतेली राह के साथ मौजूद थीं। इसी दौरान किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। विवाद के कुछ समय बाद स्वीटी देवी की अचानक तबीयत बिगड़ गई। परिजनों और ग्रामीणों के अनुसार हालत गंभीर होने पर स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें इलाज के लिए झुमरितिलैया स्थित एक निजी क्लिनिक ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

धुर्वा बंद का दिखा व्यापक असर

रांची(नबिटा ब्यूरो)। दो मासूम भाई-बहनों को खोज पाने में रांची पुलिस लगातार विफल दिख रही है। इसके खिलाफ अब जनआक्रोश सामने आने लगा है। रविवार को दोनों मासूम बच्चों के रहस्यमय रूप से गायब होने के विरोध में स्थानीय लोगों ने धुर्वा बंद रखा जिसका व्यापक असर देखने को मिला। दरअसल, दो मासूम भाई-बहन अंश और अंशिका को रहस्यमय परिस्थितियों में गायब होने और पुलिस द्वारा 9 दिन बीत जाने के बाद भी दोनों का कोई सुराग नहीं मिलने से अब जनता के बांध का सब्र टूटने लगा है। इसे लेकर जगह-जगह आंदोलन हो रहे हैं। इसी कड़ी में रविवार को धुर्वा बंद का एलान भी पूर्णतः सफल नजर आया।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर सेमिनार 30 को

देवघर(नबिटा ब्यूरो)। भाजपा के वरिष्ठ सांसद निशिकांत दुबे देवघर पहुंचे। एयरपोर्ट पर उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आज की तारीख में लोगों के लिए सबसे ज्यादा जिज्ञासा का विषय है। आने वाली 30 जनवरी को देवघर में इसे लेकर दुनिया के 25 से 30 देशों के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवघर पहुंचेंगे और एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन होगा। निशिकांत दुबे ने कहा कि विदेश से आने वाले राष्ट्रीय अध्यक्षों के साथ देवघर में एक बहुत बड़े सेमिनार का आयोजन होगा।

अगवा युवक बरामद

पटना(नबिटा ब्यूरो)। राजधानी पटना के कंकड़बाग थाना क्षेत्र में चाय को लेकर हुआ एक मामूली विवाद देखते ही देखते गंभीर आपराधिक घटना में बदल गया। विवाद के बाद पांच युवकों ने एक युवक का अपहरण कर लिया, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। अपहरण की सूचना मिलते ही कंकड़बाग थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंच चले की जांच शुरू की। पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए महज दो घंटे के भीतर अपहृत युवक को बहादुरपुर इलाके से सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस के अनुसार युवक की हालत पूरी तरह सुरक्षित है।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन की जयंती पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का भावुक नमन, कहा गुरु जी से सीखी सादगी, साहस और जनसेवा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो
रांची। आदिवासी अस्मिता के सबसे बुलंद चेहरे, तीन बार झारखंड के मुख्यमंत्री और झामुमो संस्थापक शिबू सोरेन की जयंती पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पिता को सिर्फ नेता नहीं, जीवन-मार्गदर्शक और संघर्ष की मिसाल बताते हुए भावुक श्रद्धांजलि दी। सीएम हेमंत सोरेन ने बाबा को सिर्फ एक महान जननेता नहीं बल्कि ऐसा पिता बताया, जिसने उन्हें जीवन जीने की कला, संघर्ष का साहस और हर परिस्थिति में गरिमा एवं सच्चाई पर अडिग रहना सिखाया। मुख्यमंत्री ने अपने पिता के साथ ली गई

कुछ तस्वीरों के जरिए अपने स्मृति को साझा किया है। मुख्यमंत्री ने भावुक शब्दों में कहा कि उन्होंने बाबा को कई बार थका हुआ देखा पर टूटा हुआ कभी नहीं देखा और यही अटूट इच्छाशक्ति आज भी उनके भीतर जिंदा है। हेमंत ने दो टूक संदेश दिया कि सत्ता उनके लिए सिर्फ जन सेवा का माध्यम है और पिता के दिखाए रास्ते और आदर्शों से वह जीवन भर नहीं हटेंगे, चाहे सामने कितनी भी चुनौतियां क्यों न आ जाएं। शिबू सोरेन को झारखंड और देश भर में जल, जंगल, जमीन की लड़ाई और आदिवासी अस्मिता के सबसे बड़े योद्धा के तौर पर याद किया



फाइल फोटो

जाता है। उन्होंने 1970 के दशक में झारखंड मुक्ति मोर्चा की स्थापना कर अलग राज्य की मांग को संगठित स्वर दिया और आदिवासी व वंचित समुदायों

के अधिकारों के लिए लंबे समय तक संघर्ष किया। साल 2000 में झारखंड राज्य के गठन के पीछे झामुमो और शिबू सोरेन की आंदोलनकारी भूमिका को निर्णायक माना जाता है, जिसने आंदोलन को सड़क से संसद तक पहुंचाया। राज्य गठन के बाद भी उन्होंने लगातार आदिवासी समाज, किसानों, श्रमिकों और जंगल-पहाड़ में बसे समुदायों की आवाज को राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में रखने का काम किया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के संदेश का सबसे मजबूत पक्ष व्यक्तिगत भावनाओं और राजनीतिक विरासत का अनोखा संयोजन है, जो इसे

महज औपचारिक श्रद्धांजलि से आगे ले जाता है। उन्होंने माना कि एक बेटे के रूप में उन्होंने पिता से सादगी, मुश्किलों से कभी पीठ न दिखाने का साहस और सत्ता को जनसेवा का माध्यम मानने का संस्कार सीखा, जिसे वह शासन और राजनीति में व्यवहारिक रूप देने की कोशिश कर रहे हैं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जयंती पर दोहराया कि दिशोम गुरु की अडिग इच्छाशक्ति, संघर्ष की परंपरा और आदिवासी अस्मिता की रक्षा का जो रास्ता बाबा ने दिखाया, उसी पथ पर चलना उनके जीवन का मूल उद्देश्य रहेगा।

गुरुजी क्रेडिट कार्ड योजना भविष्य की मजबूत नींव : हेमंत सोरेन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। दिशोम गुरु शिबू सोरेन की जयंती के मौके पर रविवार को खेलगांव स्थित टाना भगत स्टेडियम में आयोजित विशेष संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य के पांच हजार से अधिक छात्रों से सीधा संवाद किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 10वीं से 12वीं कक्षा में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना समेत राज्य सरकार की विभिन्न शिक्षा आधारित योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी और उनके प्रभावी क्रियाव्ययन पर जोर दिया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने संबोधन में कहा कि आज का दिन झारखंड के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि इसी दिन दिशोम गुरु शिबू सोरेन का जन्म हुआ था। उन्होंने कहा कि भले ही गुरुजी



आज हमारे बीच शारीरिक रूप से उपस्थित नहीं हैं लेकिन उनके विचार, संघर्ष और आदर्श आज भी जीवित हैं और समाज को दिशा दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पावन अवसर पर जब वे हजारों युवाओं और नई पीढ़ी के विद्यार्थियों से संवाद कर रहे हैं तो यह स्पष्ट रूप से महसूस होता है कि झारखंड

अब पीछे छूटने वाला राज्य नहीं रहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय झारखंड को पिछड़ा राज्य कहा जाता था लेकिन आज यह राज्य विकास की सही पटरी पर लौट चुका है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे झारखंड के निर्माण और संरक्षण में अपनी भूमिका को समझे। हेमंत सोरेन ने कहा कि जैसे

देश की आजादी के लिए स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया उसी तरह झारखंड की पहचान, अधिकार और अस्तित्व के लिए दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने अपना जीवन संघर्ष में समर्पित किया। उन्होंने कहा कि झारखंड को बचाने, संवारने और आगे बढ़ाने में गुरुजी की भूमिका ऐतिहासिक रही है। आज राज्य सरकार उन्हीं विचारों को आगे बढ़ाते हुए शिक्षा, युवाओं और वंचित वर्ग के उत्थान के लिए लगातार काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नई पीढ़ी में गुरुजी के विचारों को जीवित रखना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। इस अवसर पर मंत्री सुदीप्य कुमार, राज्यसभा सांसद महोदय माजी, शिक्षा विभाग के वरिष्ठ पदाधिकारी, जिला प्रशासन के अधिकारी और शिक्षकगण मौजूद रहे।

रेलवे पुल के क्षतिग्रस्त होने के मामले में आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

लोहरदगा। जिले में लोहरदगा-रांची रेलखंड के कोयल नदी पर रेलवे ब्रिज के पिलर नंबर 115 में दरार आ गई। इसके बाद रेलवे प्रशासन और जिला प्रशासन एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। रेलवे अधिकारियों ने इसे बालू उठाव की वजह से पिलर को नुकसान पहुंचाने का सब्र टूटने लगा है। जबकि जिला प्रशासन इस मामले में कुछ और ही कह रहा है। मामले को लेकर रेलवे और खनन विभाग एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं।

पदाधिकारियों का कहना है कि एक-दूसरे की गलती की वजह से ऐसा हुआ है। विगत 6 जनवरी को ब्रिज के निरीक्षण के दौरान दक्षिण पूर्व रेलवे के जीएम अनिल कुमार मिश्र ने कहा था कि ब्रिज के पिलर को बालू उठाव और पानी के कारण हुए कटाव से नुकसान पहुंचा है। वहीं, अब मामले में जिला खनन पदाधिकारी राजाराम प्रसाद ने कहा है कि बालू उठाव के कारण नहीं बल्कि घटिया निर्माण के कारण पिलर को नुकसान पहुंचा है।

साइबर ठगी गिरोह का भंडाफोड़

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गिरिडीह। गिरिडीह पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। बेंगाबाद थाना क्षेत्र के महदैया और शहरपुरा गांव के आसपास सक्रिय एक साइबर ठगी गिरोह का जीएम अनिल कुमार मिश्र ने कहा था कि ब्रिज के पिलर को बालू उठाव और पानी के कारण हुए कटाव से नुकसान पहुंचा है। वहीं, अब मामले में जिला खनन पदाधिकारी राजाराम प्रसाद ने कहा है कि बालू उठाव के कारण नहीं बल्कि घटिया निर्माण के कारण पिलर को नुकसान पहुंचा है।

प्रतिबिम्ब पोर्टल के माध्यम से सूचना मिली थी कि बेंगाबाद थाना क्षेत्र में साइबर अपराधी सक्रिय हैं, जो फोन विशेष अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। बेंगाबाद थाना क्षेत्र के महदैया और शहरपुरा गांव के आसपास सक्रिय एक साइबर ठगी गिरोह का जीएम अनिल कुमार मिश्र ने कहा था कि ब्रिज के पिलर को बालू उठाव और पानी के कारण हुए कटाव से नुकसान पहुंचा है। वहीं, अब मामले में जिला खनन पदाधिकारी राजाराम प्रसाद ने कहा है कि बालू उठाव के कारण नहीं बल्कि घटिया निर्माण के कारण पिलर को नुकसान पहुंचा है।

और श्रीराम फाइनेंस के नाम पर एपीके फाइल भेजते थे। इसके बाद फर्जी चालान या ईएमआई बकाया होने का डर दिखाकर ऑनलाइन पैसे ट्रांसफर करा लेते थे। इस तरीके से उन्होंने कई लोगों को अपना शिकार बनाया। इस मामले में साइबर थाना गिरिडीह में कांड संख्या 01/2026, दिनांक 10 जनवरी 2026 के तहत

प्राथमिकी दर्ज की गई है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पंकज कुमार मंडल (28 वर्ष) और राजेंद्र कुमार उर्फ राजू अंसारी (25 वर्ष) के रूप में हुई है। दोनों महदैया गांव के निवासी हैं। जांच में सामने आया है कि पंकज कुमार मंडल का पूर्व अपराधिक इतिहास रहा है और वह पहले भी जेल जा चुका है।

पलामू रेंज से होगा नक्सलियों का खात्मा : डीआईजी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। पलामू रेंज में बचे हुए नक्सलियों का संपूर्ण रूप से सफाया होगा। पुलिस नक्सलियों से आत्मसमर्पण की अपील भी कर रही है और अभियान भी चला रही है। पुलिस एक साथ सामाजिक अपराध रोकने और अफीम की खेती के खिलाफ कार्रवाई समेत कई बिंदुओं पर कार्रवाई कर रही है। पलामू रेंज के अंतर्गत आने वाले पलामू, गढ़वा एवं लातेहार का इलाका नक्सल हिंसा, अपराध एवं सामाजिक अपराध के लिए पूरे देश भर में चर्चित रहा है। पलामू रेंज की कमान संभालने के बाद आईपीएस किशोर कौशल ने नक्सल अपराध, सामाजिक अपराध, अफीम की खेती और पुलिस की पहल को लेकर कई बातें कही हैं। उन्होंने कहा कि पलामू का इलाका शुरू से ही नक्सल हिंसा एवं



अपराध के लिए चुनौती रही है। पिछले कुछ वर्षों में पुलिस एवं सुरक्षा बलों ने बेहतर तरीके से काम करते हुए नक्सल एवं अपराध पर नकेल कसा है। पलामू, गढ़वा और लातेहार के इलाके में नक्सलियों की छिटपुट गतिविधि रह गई है और अब इनके केवल छोटे दस्ते ही बचे हुए हैं। जिस प्रकार पहले अभियान चलाया गया था उसी प्रकार इस अभियान

की निरंतरता बनी रहेगी। पुलिस नक्सलियों से संरेड करने की अपील कर रही है। पुलिस का लक्ष्य की नक्सलियों को पूर्ण रूप से खत्म करना है। डीआईजी ने कहा कि जिस प्रकार नक्सलियों के खिलाफ अभियान चलाया गया है, आत्मसमर्पण नीति तैयार की गई है उसका प्रतिफल है कि आज नक्सलियों को कैद नहीं मिल रहे हैं और बड़ी संख्या में संरेड भी हुए हैं। डीआईजी ने कहा कि 2025 में पलामू और लातेहार में अफीम की खेती के खिलाफ बड़ी कार्रवाई हुई है। यह कार्रवाई अभी भी जारी है। डीजीपी के निर्देश के आलोक में तत्काल और अफीम की खेती करने वालों के खिलाफ संपत्ति जब्त करने की भी प्रक्रिया शुरू की गई है। लातेहार जिला से प्रस्ताव भी आए हैं। अन्य जिलों में भी प्रस्ताव तैयार किए जा

रहे हैं। डीआईजी ने कहा कि अफीम की खेती के खिलाफ लोगों को जागरूक भी किया जा रहा है और पुलिस कार्रवाई भी कर रही है। अफीम की खेती एवं ट्रांसपोर्टेशन को लेकर कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अफीम की खेती को पूरी तरह से खत्म करने के लिए सघन नीति के तहत कार्रवाई कर रही है। डीआईजी ने कहा है कि अफीम की खेती को रोकने के लिए इंटेलिजेंस बेस्ड सूचनाओं को भी इकट्ठा किया जा रहा है। अफीम की खेती करने वालों के खिलाफ पुलिस सख्त कार्रवाई करेगी। डीआईजी ने पलामू के लोगों से अपील की है कि पुलिस सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था कायम करने के लिए हर जरूरी कदम उठा रही है। पुलिस अधिकारियों को यह निर्देश दिया गया है कि आम लोगों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनें और उसका निराकरण करें।

THE EASTERN VOICE

Another Launching from

NAVBIHAR TIMES GROUP

THE EASTERN VOICE

'English Daily Newspaper

Regional Newspaper in whole Bihar & Jharkhand

Email Id-theeasternv@gmail.com

Bihar Office:-Satyendra Nagar,Aurangabad (Bihar,Jharkhand)
Office:-31-Co-operative Colony,Bokaro Steel City, Bokaro (Jharkhand)

Contact:- 6206165107, 7295863300

झारखंड पुलिस की बड़ी कामयाबी : हजारीबाग के जय प्रकाश नारायण केन्द्रीय कारा से फरार तीन कैदी महाराष्ट्र से गिरफ्तार

नवीन सिन्हा

हजारीबाग। जय प्रकाश नारायण केन्द्रीय कारा, हजारीबाग से 31 दिसंबर 2025 की रात फरार हुए तीन सजायाफ्ता कैदियों को झारखंड पुलिस ने त्वरित और सटीक कार्रवाई करते हुए महाराष्ट्र के सोलापुर जिले के करमाला थाना क्षेत्र से विधिवत गिरफ्तार कर लिया है। इस सफल कार्रवाई से हजारीबाग पुलिस ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि जिले में अपराध नियंत्रण, अपराधियों की पहचान और उनकी त्वरित गिरफ्तारी को लेकर पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है।

फरारी की घटना और पुलिस की त्वरित प्रतिक्रिया

पुलिस अधीक्षक कार्यालय, हजारीबाग से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 31 दिसंबर 2025 की सुबह करीब 7 बजे सूचना मिली कि जय प्रकाश नारायण केन्द्रीय कारा से तीन कैदी रात करीब 1:30 बजे फरार हो गए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक, उपायुक्त की अध्यक्षता में अनुमंडल पदाधिकारी सदर, अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय), अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर, पुलिस उपाधीक्षक (सीसीआर) सहित अन्य वरीय अधिकारी एवं पुलिस बल घटनास्थल



पर पहुंचे और पूरे मामले की गहन जांच की। जांच में पाया गया कि तीनों कैदियों ने वार्ड की खिड़की के लोहे के रॉड को काटकर बेडशीट की रस्सी बनाई, जिसके सहारे वे नीचे उतरे। इसके बाद आंतरिक दीवार को पार कर गोशाला तक पहुंचे, कुछ देर वहां ठहरे और फिर लोहे के हुक, चादर व लकड़ी के डंडे की मदद से बाहरी दीवार फांदकर जेल परिसर से फरार हो गए।

तीन विशेष जांच दल (SIT) का गठन

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने इसे चुनौती के रूप में लिया और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर के नेतृत्व में तीन

विशेष जांच दल (SIT) गठित किए गए। एक टीम तकनीकी साक्ष्यों व मोबाइल लोकेशन के आधार पर काम कर रही थी। दूसरी टीम कैदियों के संभावित भागने के मार्ग का ट्रैक कर रही थी। तीसरी टीम विभिन्न जिलों और राज्यों में लगातार छपेमारी कर रही थी।

फरारी के बाद का पूरा रूट

जांच में यह भी सामने आया कि जेल से भागने के बाद तीनों कैदी पहले सिंदूर चौक पहुंचे। वहां से टोटे पकड़कर ईचाक थाना क्षेत्र के कुरहा गांव गए, जहां देवा भुईया अपने रिश्तेदार के यहां रुका। इसके बाद पिकअप वाहन से बरकटा, बरही होते हुए कोडरमा पहुंचे।

कोडरमा से लोकल ट्रेन पकड़कर गया गए और फिर गया से ट्रेन पकड़कर क्यूल होते हुए जसीडीह पहुंचे। जसीडीह में तीनों ने पुणे जाने वाली ट्रेन का करीब दो दिन तक इंतजार किया और 4 जनवरी 2026 को जसीडीह-पुणे एक्सप्रेस से महाराष्ट्र रवाना हुए। 6 जनवरी की सुबह वे दौंड जंक्शन उतरे और वहां से बस व पैदल यात्रा कर सोलापुर जिले के करमाला थाना क्षेत्र स्थित कोरटी पहुंचे, जहां एक ईट-भट्ठे पर मजदूरी करने लगे।

महाराष्ट्र से गिरफ्तारी

लगातार तकनीकी निगरानी, मानवीय सूचना और ट्रेलिंग के आधार पर पुलिस ने महाराष्ट्र के

सोलापुर जिले में छपेमारी कर तीनों फरार कैदियों को गिरफ्तार किया। इसके बाद ग्रांजिट रिमांड पर उन्हें हजारीबाग लाया गया।

गिरफ्तार कैदियों का विवरण

गिरफ्तार किए गए कैदियों में— देवा भुईयाँ उर्फ देव कुमार भुईयाँ (धनबाद), राहुल रजवार (धनबाद), जितेन्द्र खानी (धनबाद) शामिल हैं। तीनों कैदी अलग-अलग गंभीर मामलों, जिनमें पोक्सो जैसे संगीन अपराध भी शामिल हैं, में सजा काट रहे थे।

पूर्व में भी दिखा चुका है पुलिस का तेज पकड़ना

उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व हजारीबाग स्थित होल्डिंग फॉरेंस कैप से फरार हुए बांग्लादेशी नागरिकों को भी हजारीबाग पुलिस ने 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया था। इस ताजा मामले में भी पुलिस की तत्परता और पेशेवर कार्रवाई की हर ओर सराहना हो रही है।

पुलिस का संदेश

हजारीबाग पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिले में किसी भी प्रकार के अपराध की रोकथाम और अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। फरार कैदियों की यह गिरफ्तारी इसी प्रतिबद्धता का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

समकालीन अभियान के तहत दो गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी /कटिहार। मनिहारी पुलिस ने समकालीन अभियान के तहत विशेष छपेमारी कर गैर जमानतीय धारा में फरार चल रहे वांछित वांटी दिलारपुर निवासी राजा राम सिंह को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। मनिहारी थाना कांड संख्या 140/24 के अप्राथमिक आरोपी साहेबगंज थाना क्षेत्र के लालबथानी निवासी अशोक मजहोर को गिरफ्तारकर जेल भेज दिया है। इस पर जमीनी विवाद में हत्या का प्रयास का आरोप लगाया गया है। इस अभियान में थानाध्यक्ष पंकज आनंद, एसआई अंजनी कुमार, मनोज पासवान की सक्रिय भूमिका रही।

झारखंड छात्र मोर्चा के द्वारा एबीवीपी को चेतावनी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। झारखंड छात्र मोर्चा के द्वारा एबीवीपी को चेताया गया की जिस तरह से उनके पदाधिकारी गिरिडीह में आके बयान बाजी किए हैं पहले वह अपने गिरिबन में झांक लें इसी छोटी मानसिकता वाला पार्टी हेमंत सोरेन के मुख्यमंत्री बनेपर 20 साल पीछे चली हो गई है, और इस रवैया से वह पूरे झारखंड से साफ हो जाएगी, झारखंड छात्र मोर्चा ने बोला कि जिस तरह गढ़वा से आए हुए नेता ने बोला कि हमारे मंत्री के बारे में उन्हें बता देना चाहता हूं कि ये गिरिडीह है जरा सोच समझ कर यहां कुछ बयानबाजी करे अगर तुम शेर या हीरो होगे तो तुम्हारा मैं जाके दिखाएँ ये गिरिडीह है यहां मंत्री के लोकप्रियता चलती है जनता के दिलों में, और



गिरिडीह में मंत्री 2029 में भी फुल बहुमत से आ रहे हैं , जरा देख ले

विधायक रोशन ने पीड़ित परिवार से की मुलाकात सीताराम की मौत की निष्पक्ष जांच की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

करेडारी (हजारीबाग)। बेंगुरी गांव निवासी सीताराम साव (उम्र लगभग 54 वर्ष) की संदिग्ध मौत का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। 6 दिसंबर 2025 को हुई इस घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। परिजनों के अनुसार, सीताराम साव 5

दिसंबर की रात से लापता थे, जिसके बाद उनका शव एक कुएं से बरामद किया गया। घटना की परिस्थितियां इतनी संदिग्ध हैं कि अब तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि यह हत्या है, आत्महत्या या फिर कोई दुर्घटना।

मामले को लेकर इलाके में आक्रोश का माहौल है और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग तेज होती जा रही है। इसी क्रम में रोशन लाल चौधरी 11 जनवरी 2026 को दोपहर 1 बजे बेंगुरी गांव पहुंचे और पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उन्हें



हर संभव न्याय दिलाने का भरोसा दिया। विधायक रोशन लाल चौधरी ने गांव पहुंचकर पुलिस अधिकारियों से भी सीधी बातचीत की। उन्होंने थाना प्रभारी विवेक कुमार, केस आईओ हैदर अली एवं टिंकू सिंह से पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। विधायक ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी और तेज जांच सुनिश्चित करने की मांग की। विधायक ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जब तक सीताराम साव की मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा नहीं होता, तब तक

पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिल सकता। उन्होंने यह भी कहा कि इस मामले में किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा और सच्चाई सामने लाने के लिए हर जरूरी कदम उठाया जाएगा। इस मौके पर बड़ी संख्या में सामाजिक व स्थानीय लोग उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से कर्मचारी साव, पंकज साहा, कंचन यादव, लीलाधन साव, रामकृत साव, रामवृक्ष साव, टिकेश्वर साव, उपेंद्र सिंह (पूर्व मंडल अध्यक्ष), बद्री नारायण सिंह सहित सैकड़ों भाजपाई कार्यकर्ता मौजूद थे।

फोन के माध्यम से ठगी करते दो साइबर अपराधियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। पुलिस अधीक्षक, गिरिडीह को प्रतिबिम्ब पोर्टल के आम लोगों के साथ साइबर ठगी करते हैं।

इस संदर्भ में साइबर थाना कांड सं0-01/2026

10.01.2026 दर्ज किया गया है गिरफ्तार अभियुक्तों का नाम एवं पता निम्न प्रकार है पंकज कुं० मंडल उम्र करीब 28 वर्ष पिता-दुधेश्वर मंडल ग्राम-महदेया थाना-बेंगाबाद जिला-गिरिडीह राजेंद्र कुमार उर्फ राजू अंसारी उम्र करीब 25 वर्ष पिता-मनी मंडल ग्राम- महदेया थाना-बेंगाबाद जिला-गिरिडीह बरामद सामानों का विवरण मोबाइल 03 05 सिम-

आरटीओ चालान, श्री राम फाइनंस का ऐपक फाइल भेज कर, चालान एवं इएमआई जमा करने के नाम पर आम लोगों के साथ साइबर ठगी करते हैं।

ऑनलाइन शिकयत सं0-33301260000512 दर्ज है छापामारी दल में शामिल पुलिस कर्मी आबिद खॉं पुलिस उपाधीक्षक साईबर क्राईम गिरिडीह पु०नि० रामेश्वर भगत साइबर थाना प्रभारी पु०नि० पुनित गौतम, पु०नि० गुजन कुमार, सं०अ०नि० संजय मुखियावर ह० तेजनारायण प्रसाद, आ० 140 भुपाल मंडल, पुलिस लाइन से प्राप्त सशस्त्र बल।

अदानी फाउंडेशन की पहल से दूर हुआ विद्यालय का पेयजल संकट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बड़कागांव (हजारीबाग)। बड़कागांव प्रखंड स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय लंबे समय से गंभीर पेयजल संकट से जूझ रहा था। पानी की कमी के कारण छात्राओं की पढ़ाई के साथ-साथ उनकी दैनिक दिनचर्या भी प्रभावित हो रही थी। इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए अदानी फाउंडेशन ने गोंदुलपारा खनन परियोजना के अंतर्गत विद्यालय परिसर में डीप बोरवेल का निर्माण कराया।

डीप बोरवेल से मिली बड़ी राहत

डीप बोरवेल चालू होने के बाद अब विद्यालय की 430 से अधिक छात्राओं को नियमित रूप से शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो रहा है। पहले जहां छात्राओं को पानी के लिए संघर्ष करना पड़ता था, वहीं अब वही समय पढ़ाई और रचनात्मक गतिविधियों में उपयोग हो रहा है। शिक्षकों और अभिभावकों ने इस पहल को छात्राओं के स्वास्थ्य और शिक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया है।

शिक्षा के साथ सुविधाओं का भी विस्तार

अदानी फाउंडेशन की पहल केवल पेयजल तक सीमित नहीं रही। विद्यालय में सोलर लाइट की व्यवस्था कराई गई है, ताकि बिजली की समस्या पढ़ाई में बाधा न बने। इसके साथ ही बच्चियों को सिलाई मशीन

430 से अधिक छात्राओं को शुद्ध पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य में मिला संबल



उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। पूर्व वर्षों में छात्राओं को जूते भी प्रदान किए गए, जिससे उनकी दैनिक जरूरतों का ध्यान रखा जा सके।

स्वास्थ्य जांच पर विशेष ध्यान

विद्यालय में नियमित रूप से छात्राओं का ब्लड टेस्ट, सामान्य स्वास्थ्य जांच और चिकित्सकीय परामर्श दिया जा रहा है। आंखों की जांच कर जरूरतमंद छात्राओं को समय पर सलाह दी जाती है। साथ ही बच्चियों को उनके ब्लड ग्रुप की जानकारी भी दी गई है, जिससे स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ी है। शिक्षक वी कमी हुई दूर परिणामों में सुधार विद्यालय में लंबे समय से

इकोनॉमिक्स शिक्षक की कमी छात्राओं के लिए एक बड़ी समस्या बनी हुई थी, जिसका असर उनके अंकों पर साफ दिख रहा था। इस कमी को समझते हुए अदानी फाउंडेशन ने पिछले दो वर्षों से वित्तीय सहयोग के माध्यम से इकोनॉमिक्स शिक्षक की व्यवस्था कराई। इसका सकारात्मक परिणाम सामने आया है और छात्राओं के इकोनॉमिक्स विषय में अंक लगातार बेहतर हो रहे हैं। कुल मिलाकर, अदानी फाउंडेशन की इस बहुआयामी पहल से कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की छात्राओं को न सिर्फ शुद्ध पेयजल मिला है, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में भी नया संबल प्राप्त हुआ है।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन की जयंती मनी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। आज गिरिडीह कॉलेज परिसर में झारखंड छात्र मोर्चा ने शिबू सोरेन की जयंती मनाया गया झारखंड छात्र मोर्चा के द्वारा सब छात्राओं ने मिलकर शिबू सोरेन की जयंती मनाया झारखंड छात्र मोर्चा के साथियों ने कहा कि झारखंड के निमाती, झारखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री झारखण्ड मुक्ति मोर्चा को अपने पूरा जीवन समर्पित कर अपना तन मन धन से सींचने वाले दिशोम गुरु शिबू सोरेन की जयंती मनाया जिसमें मुख्य रूप से छात्र नेता अभय कुमार, सोनबद मुखिया चंद्रकांत मंडल, छात्र नेताओं बड़ी यादव, सुमेर वर्मा, रोहित मंडल आदित्य यादव पंकज कुमार अंकित राज, आशीष सिंह विशाल झा रंजन वर्मा ,आर्यन वर्मा राहुल राजदेव छोटलाल विनय शिवम देव कुंदनसिंह करण यादव आदि।



दिशोम गुरु शीबू सोरेन की जयंती पर गिरिडीह में कम्बल वितरण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। झारखंड के महानायक झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक दिशोम गुरु शीबू सोरेन की 83वीं जयंती के अवसर पर रविवार को झामुमो कार्यालय गिरिडीह में गरीबों के बीच कम्बल और भोजन का वितरण किया गया। सबसे पहले झामुमो नेताओं ने गुरुजी की तस्वीर पर माल्यार्पण किया और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

जयंती समारोह में गिरिडीह जिला के विभिन्न प्रखंडों से आने वाले कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए राज्यसभा सांसद डॉ. सरफराज अहमद ने कहा कि दिशोम गुरु शीबू सोरेन आजोवन अन्याय के खिलाफ लड़ते रहे। गुरुजी के पिताजी भी महाजनो के खिलाफ लड़े और शहीद हो गए। जिला अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि गुरुजी ने जल जंगल जमीन और

जयंती पर गुरुजी के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प



आदिवासी अस्मिता की लड़ाई में अपना जीवन न्यौछावर कर दिया। गुरुजी केवल झारखंड के निमाती ही नहीं बल्कि शोषित पीड़ित समाज की आवाज भी थे। झारखंडी अस्मिता के प्रतीक थे। उन्होंने महाजनी प्रथा और सूदखोरी के खिलाफ

अन्याय के खिलाफ आजीवन लड़े गुरुजी : सरफराज अहमद

शिखा पर बहुत जोर था। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इसको आगे बढ़ाया। हर जिला में सीएम एससीलें स्कूल खोला जा रहा है और गरीब बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिया जा रहा है। झामुमो नेता प्रणव वर्मा ने कहा कि शीबू सोरेन अलग राज्य की लड़ाई के महानायक थे। जिला उपाध्यक्ष अजीत कुमार पपु और जिला प्रवक्ता कृष्ण मुरारी शर्मा ने भारत सरकार से दिशोम गुरु शीबू सोरेन को भारत रत्न देने की मांग की। कहा कि वे इसका हकदार हैं। अविलंब शीबू सोरेन को भारत रत्न मिलना चाहिए जयंती समारोह

में दिलीप मंडल, नुरुराम किस्कू उर्फ. टांडर, राकेश सिंह, प्रमिला मेहरा, फरदीन अहमद, राकेश कुमार सिंह, सुमित कुमार, मोनू सिंह, अभय सिंह, नूर अहमद, रामजी यादव, राकेश रंजन, मेहाबल मिर्जा, हरिहर कंधेव, जाकिर हुसैन, सईद अख्तर, खुशीद अन्वर हादी, चंदमल मुर्मू, शम्बीर अंसारी, मजीद अंसारी, बिरजू मरांडी, तुलान, चिन्ना खान, प्रधान मुर्मू, दिलीप मुर्मू, कासिम अंसारी, मुस्लिम अंसारी, फैय वर्मा, आदिल रसीद, बहादुर कुशवाहा, हसनैन अली, संजय वर्मा, पवन सिंह, संजय कंधेव, आनंद मिश्रा, ज्योति सोरेन , प्रियंका कुमारी, अनामिका मुर्मू, अंजली किस्कू, चंदमल मुर्मू, किस्कू, पानमुनी किस्कू, माला देवी, शांति मुर्मू सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे जयंती समारोह में लगभग एक हजार गरीबों के बीच भोजन और कम्बल का वितरण किया गया।

लड़ाई लड़ी। और गरीबों को महाजनी प्रथा से मुक्ति दिलाई। पूर्व विधायक व झामुमो के वरिष्ठ नेता केदार हाजरा ने कहा कि उनके बताए मार्ग और आदर्शों पर हम सबों को चलना है। जिला सचिव महालाल सोरेन ने कहा कि गुरुजी का

सात सूत्री मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा : आरती



भी निर्णय लिया गया कि जब तक हमारी मानदेय वृद्धि सहित सभी सात सूत्री मांग पुरा नहीं किया जायेगा तब

तक आंदोलन जारी रहेगा। इस बैठक में मुख्य रूप से महेंद्र राम पासवान , अनीता देवी, आरती वर्मा, नमिता

देवी, पूनम देवी, रेशमी देवी सहित बैठक में दर्जनों रसोईया, संयोजिका एवं अध्यक्ष शामिल थे।

तीर-धनुष के साथ माइंस में उतरे योगेन्द्र, तीन घंटे तक सीबीसीएमपी कोल प्रोजेक्ट ठप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

करेडारी। सीबीसीएमपी (CBCMP) कोल प्रोजेक्ट में एक बार फिर आंदोलन तेज हो गया। योगेन्द्र साव आज तीर-धनुष लेकर अपने समर्थकों और रैयतों के साथ माइंस में उतर गए और काम बंद करवा दिया। अचानक हुए इस विरोध के कारण माइंस का उत्पादन लगभग तीन घंटे तक पूरी तरह ठप रहा।

आंदोलनकारियों का कहना है कि जमीन मुआवजा, घर मुआवजा और विस्थापितों के अधिकारों को लेकर कंपनी अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं ले रही है। कई बार वार्ता के बावजूद समाधान नहीं निकलने से रैयतों में भारी नाराजगी है। इसी नाराजगी के चलते योगेन्द्र साव के नेतृत्व में लोग माइंस के अंदर पहुंच



गए और काम रुकवा दिया। स्थिति बिगड़ती देख पगार ओपी प्रभारी दिनेश मंडल मौके पर पहुंचे और आंदोलन किया जाएगा। दूसरी ओर कंपनी प्रबंधन की ओर से इस मामले में फिलहाल कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

आंदोलनकारियों ने साफ कहा है कि अगर जल्द ही उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो आगे और उग्र आंदोलन किया जाएगा।

नवबिहार टाइम्स

होटल और रिसॉर्ट बनाने वालों पर चला प्रशासन का चाबुक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता लातेहार। नेतरहाट में आदिवासियों की जमीन पर होटल और रिसॉर्ट बनाने वाले लोगों पर प्रशासन का चाबुक चला है। एसडीएम ने लगभग 100 ऐसे लोगों को नोटिस जारी किया है, जिन्होंने नेतरहाट में होटल, रिसॉर्ट बना रहे हैं। एसडीएम ने कागज की जांच पूरी होने तक सभी प्रकार के निर्माण कार्य पर भी रोक लगा दी है। एसडीएम की इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया है।

दरअसल नेतरहाट झारखंड का सबसे बेहतरीन पर्यटन स्थलों में से एक है। यहां प्रत्येक वर्ष पर्यटकों की भारी भीड़ लगती है। नेतरहाट में अधिकांश भूमि आदिवासियों की है। पिछले 10 से 15 वर्षों के अंतराल में नेतरहाट में बड़े पैमाने पर होटल और रिसॉर्ट का निर्माण किया जा रहा है। आरोप है कि आदिवासियों की जमीन को गलत तरीके से एग्रीमेंट करवाकर बाहर के पूंजीपति लोग नेतरहाट में होटल का निर्माण कर रहे हैं। इसके



बदले आदिवासी समुदाय के लोगों को मात्र कुछ पैसे ही दिए जा रहे हैं और उनके जमीन को अपने नाम कर लिया जा रहा है।

एसडीएम ने 100 लोगों को भेजा नोटिस

पूरे मामले में सीएनटी एक्ट का खुल्लम-खुल्ला उल्लंघन किया जा रहा है। इसके अलावा नेतरहाट का एक बड़ा परिया पलामू टाइगर रिजर्व के अंतर्गत आता है। यह पूरी

तरह इको सेंसेटिव जोन की श्रेणी में रखा गया है। इसके बावजूद यहां इको सेंसेटिव जोन के नियमों का उल्लंघन करते हुए धड़ल्ले से जमीन की खरीद बिक्री और निर्माण कार्य आरंभ कर दिया गया है।

आदिवासियों की 1 इंच जमीन किसी को लूटने नहीं देंगे: एसडीएम एसडीएम विपिन दुबे ने बताया कि नेतरहाट में आदिवासियों की जमीन

को गलत तरीके से एग्रीमेंट किया जा रहा है। जिसके बाद उसपर अवैध रूप से कब्जा जमाने के आरोप का मामला उनके संज्ञान में आया है। इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए नेतरहाट में जो भी होटल या रिसॉर्ट निर्माण किया जा रहा है या किया गया है, उन सभी को नोटिस भेज कर जवाब मांगा गया है। सभी से जमीन की कागजात की भी मांग की गई है। इसके अलावा जिन लोगों ने एग्रीमेंट के आधार पर जमीन लेकर होटल का निर्माण किया है, उनके एग्रीमेंट की कॉपी की भी मांग की गई है।

एसडीएम ने कहा कि यदि आदिवासियों की जमीन पर कोई होटल बन रहा है तो उसमें संबंधित आदिवासी व्यक्ति का ही मालिकाना हक रहेगा। यदि इसमें गड़बड़ी पाई गई तो निश्चित तौर पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि आदिवासियों की 1 इंच जमीन भी किसी को गलत तरीके से लेने नहीं दिया जाएगा। इसके अलावा जो भी

निर्माण कार्य चल रहे हैं, उन सभी को इको सेंसेटिव जोन का क्लीयरेंस सर्टिफिकेट भी लाना होगा। जब तक इको सेंसेटिव क्लीयरेंस नहीं रहेगा, तब तक निर्माण कार्य को अवैध माना जाएगा।

नेतरहाट की खूबसूरती पर भी लगा ग्रहण

बता दें कि नेतरहाट की खूबसूरती इसकी प्राकृतिक वादियां ही है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों के अंतराल में जिस प्रकार नेतरहाट में कोयल व्यू प्वाइंट, सनसेट पॉइंट और अन्य महत्वपूर्ण स्थान पर व्यावसायिक दृष्टिकोण से होटल और रिसॉर्ट का निर्माण किया जा रहा है। इससे इसकी खूबसूरती पर भी ग्रहण लग गया है। इसके अलावा आदिवासियों की जमीन भूमि दलालों के माध्यम से एक तरह से लूटा जा रहा है। ऐसे में अधिकारियों को मामले का संज्ञान लेते हुए आदिवासियों की जमीन और उनके अधिकार को संरक्षण करने की जरूरत है।

रांची में केजी से 6वीं तक की कक्षाएं तीन दिनों तक बंद
नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। जिला में लगातर बढ़ती ठंड और शीतलहर के प्रकोप को देखते हुए जिला प्रशासन ने स्कूली बच्चों की सूरक्षा के लिए अहम फैसला लिया है। मौसम विभाग द्वारा जारी चेतावनी के बाद उपयुक्त सह जिला दंडाधिकारी, रांची मंजूनाथ भर्जनी के निर्देश पर जिला के सभी विद्यालयों में कक्षा संचालन को लेकर आदेश जारी किया गया है। जारी आदेश के अनुसार रांची जिला अंतर्गत संचालित सभी सरकारी, गैर सरकारी सहाया प्रांत, गैर सहाया प्रांत (अल्पसंख्यक सहित) एवं सभी निजी विद्यालयों में वां केजी से लेकर वां 6 तक की कक्षाएं 12 जनवरी 2026 से 14 जनवरी 2026 तक पूर्णतः बंद रहेंगी। यह निर्णय छोटे बच्चों पर पड़ने वाले ठंड और शीतलहर के प्रतिकूल प्रभाव को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

नशापान से जिंदगियां होती हैं तबाह, किसी भी हाल में नहीं करना हैं नशा : एलएडीसी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता मेदिनीनगर (पलामू)। नालसा व झालसा के दिशा निर्देश व पलामू के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीराम शर्मा के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वावधान में रविवार को केंद्रीय कारा मेदिनीनगर में नशा उन्मूलन को



करें। उन्होंने कहा कि तंबाकू व गुटखा खाने से कैंसर होता है। वहीं सिगरेट पीने से लंग खराब होता है। उन्होंने बर्दिया को नशापान से बचने की सलाह दी। कहा कि क्षेत्र में कोई अफीम या पोस्ते की खेती कर रहा हो तो उसकी खबर अविलंब पुलिस को दें। मौके पर एलएडीसीएस के नशा मुक्ति डॉन अभियान के तहत भारतीय संविधान के अनुच्छेद 47 के तहत नशीले पदार्थों के सेवन को खत्म करने का प्रावधान है। उन्होंने बर्दिया को ड्रग्स के दुष्प्रभाव, कानूनी परिणाम व पुनर्वास की जानकारी दी। मौके पर सैकड़ों की संख्या में बंदी उपस्थित थे।

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। लोगों को अक्सर पता नहीं होता कि वे जो हवा सांस ले रहे हैं, वह कितनी शुद्ध है। प्रदूषित हवा हमारे शरीर में गंभीर बीमारियां पैदा करती है। हमारे लिए यह जानना बहुत जरूरी है कि हमारे आस-पास की हवा साफ है या नहीं। यह पता लगाने के लिए हमें मंहंगी मशीनें लगाने की जरूरत नहीं है। कोयलांचल के दो बाल वैज्ञानिकों ने एक ऐसा पेंट बनाया है जो सिर्फ दीवार पर लगाने से ही हवा में प्रदूषण का पता लगा सकता है। पर्यावरण को बचाने और हवा को पहचानने के लिए ये सार्थक पहल धनबाद के दो बाल वैज्ञानिक स्वरा और अय्या ने की है। डिगवाडीह की इन दोनों छात्राओं ने एक ऐसी नागब चीज बनाई है। जिससे कम खर्च में हवा में फैले प्रदूषण को आसानी से पहचाना जा सकता है। छात्रों ने इसका नाम रखा है - बायोसिग्नल पेंट। डिगवाडीह डीगोबिली स्कूल की छठी क्लास की छात्रा स्वरा और



अय्या ने यह बायोसिग्नल पेंट बनाया है। इस पेंट को दीवार पर लगाने से हवा में प्रदूषण के बढ़ते और घटते स्तर के बारे में आसानी से जानकारी मिलती है। प्रदूषण का स्तर बढ़ने पर पेंट का रंग बदल जाता है। दीवार पर लगा पेंट शुरू में बैंगनी रंग का होता है, लेकिन हवा में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा बढ़ने पर यह हरा हो जाता है। इसी तरह, जब हवा में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा कम होती है, तो पेंट वापस अपने बैंगनी रंग में

आ जाता है।

कैसे करता है बायोसिग्नल पेंट काम?

छात्रा स्वरा एस। राव ने बताया कि बायोसिग्नल पेंट प्रदूषण का स्तर बढ़ने पर रंग बदलता है। यह लाल पत्तागोभी(रेड कैबैज) के जूस और जिलेटिन पाउडर से बना है। अय्या ने बताया कि लाल पत्तागोभी pH सेंसिटिव होती है। इसमें एंथोसायनिन होता है, जो इस बात पर निर्भर करता है कि घोल या सॉल्यूशन एसिडिक है या क्षारीय। उसके अनुसार रंग बदलता है। इसके कारण यह काफी अच्छा प्राकृतिक pH सूचक (indicator) का काम करता है।

बाद यह अपने मूल बैंगनी रंग में लौट आता है।

स्वरा ने बताया कि माइनिंग एरिया में कोयला खनन के दौरान पूरा आस-पास का इलाका धूल के कणों से प्रदूषित हो चुका है। ऐसे एरिया में सांस लेना भी मुश्किल हो जाता है। जब उन्होंने इस स्थिति को देखा तभी उन्हें यह आइडिया आया। स्वरा ने बताया कि उनके पिता एक वैज्ञानिक हैं, और उनकी मदद से वह इसे बनाने में कामयाब हुई।

इको-फ्रेंडली है बायोसिग्नल पेंट छात्रा अय्या साहू ने बताया कि बायोसिग्नल पेंट इको-फ्रेंडली है। यह लाल पत्तागोभी (रेड कैबैज) के जूस और जिलेटिन पाउडर से बना है। अय्या ने बताया कि लाल पत्तागोभी pH सेंसिटिव होती है। इसमें एंथोसायनिन होता है, जो इस बात पर निर्भर करता है कि घोल या सॉल्यूशन एसिडिक है या क्षारीय। उसके अनुसार रंग बदलता है। इसके कारण यह काफी अच्छा प्राकृतिक pH सूचक (indicator) का काम करता है।

सरकारी कर्मियों की टीम ने जीता फ्रेंडली क्रिकेट मैच

नवबिहार टाइम्स संवाददाता नगरनौसा (नालंदा)। दाहा बिगहा मैदान रविवार को खेल और सौहार्द का साक्षी बना, जब सरकारी एवं गैर-सरकारी कर्मियों के बीच एक फ्रेंडली क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। प्रतिस्पर्धा भले ही मैत्रीपूर्ण थी, लेकिन मैदान पर जुनून, अनुशासन और खेलभावना पूरी शिद्दत से नजर आई। मुकाबले में सरकारी कर्मियों की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 22 रनों से जीत दर्ज की। टॉस के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए गैर-सरकारी कर्मियों की टीम ने 20 ओवर में 156 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सरकारी कर्मियों की टीम ने संघे हुए खेल और आक्रामक स्ट्रोक्स के साथ 20 ओवर में 178 रन बनाकर मुक़ाबला अपने नाम कर लिया।

टूर्नामेंट का उद्घाटन नगरनौसा प्रमुख रंजू कुमारी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया और खेल को आपसी समन्वय व सकारात्मक ऊर्जा का माध्यम बताया। सरकारी कर्मियों की टीम में कप्तान जयप्रकाश कुमार सिंह के साथ पप्पू कुमार, रमेश कुमार, राकेश कुमार भारती, मुकेश कुमार भारती, चंदन कुमार भारती, हरि पंडित, श्रवण कुमार, रवि कुमार रंजन और वरुण कुमार शामिल रहे। वहीं, गैर-सरकारी कर्मियों की टीम का नेतृत्व अनुज कुमार



परिचय प्राप्त कर किया और खेल को आपसी समन्वय व सकारात्मक ऊर्जा का माध्यम बताया। सरकारी कर्मियों की टीम में कप्तान जयप्रकाश कुमार सिंह के साथ पप्पू कुमार, रमेश कुमार, राकेश कुमार भारती, मुकेश कुमार भारती, चंदन कुमार भारती, हरि पंडित, श्रवण कुमार, रवि कुमार रंजन और वरुण कुमार शामिल रहे। वहीं, गैर-सरकारी कर्मियों की टीम का नेतृत्व अनुज कुमार

ने किया, जिनके साथ सुमन कुमार सिंह, ललित कुमार, मनीष कुमार, उषेंद्र कुमार, नीरज कुमार, टुल्लू कुमार, जीतू कुमार, राहुल कुमार, अजय कुमार, संतोष कुमार, संजय कुमार और अमर्षद कुमार ने मैदान संभाला। मैच के अंत में खिलाड़ियों और दर्शकों ने खेलभावना की सराहना की और ऐसे आयोजनों को आपसी भाईचारे को मजबूत करने वाला बताया।

अनुकूल ठाकुर जी के सत्संग में उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हिलसा (नालंदा)। शहर के खाकी बाबा चौक स्थित डाक बंगला परिसर में प्रसिद्ध आध्यात्मिक संत अनुकूल ठाकुर जी के भव्य सत्संग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। भजन-कीर्तन, प्रवचन और गुरु वचनों से पूरा वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर रहा। सत्संग को संबोधित करते हुए ऋतविक दादा जी ने कहा कि मानव जीवन का वास्तविक उद्देश्य सेवा, सत्य और सदाचार के पथ पर चलना है। उन्होंने प्रेम, करुणा और आपसी भाईचारे को समाज की मजबूत नींव बताते हुए कहा कि वर्तमान समय में आध्यात्मिक चेतना ही समाज को सहिा दे सकती है। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं से नशा, हिंसा और भ्रष्टाचार से दूर रहकर शिक्षा, संस्कार और नैतिक मूल्यों को अपनाने की अपील की।

प्रवचनों के दौरान सामाजिक कुरीतियों पर भी प्रकाश डाला गया और लोगों से आपसी मतभेद भुलाकर एकजुट रहने का आह्वान किया गया। श्रद्धालुओं ने गुरुजी के संदेशों को गंभीरता से सुना और उन्हें जीवन में उतारने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के समापन पर अंततः बाजार में सभी भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। आयोजन समिति ने सफल आयोजन के लिए नवल प्रसाद, सुशश प्रसाद, रामचंद्र प्रसाद



सहित सभी सहयोगकर्ताओं और श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त किया। सत्संग के माध्यम से भक्तों में सकारात्मक सोच और आध्यात्मिक जागरूकता का प्रभाव स्पष्ट रूप से देखने को मिला।

शौचालय, मूत्रालय व यात्री शेड निर्माण करने के उद्देश्य से हुआ स्थलीय निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नारदीगंज, नवादा। बीडीओ सोनिया ढनढननिया ने शनिवार को नारदीगंज चौक पर पवन के समीप सार्वजनिक शौचालय, मूत्रालय व यात्रिशेड निर्माण करने के उद्देश्य से स्थलीय निरीक्षण की। निरीक्षण के उपरांत बीडीओ ने कहा उक्त स्थान पर सार्वजनिक शौचालय व यात्रिशेड निर्माण के लिए जिला में प्रस्ताव भेजा जाएगा। इसके लिए सीओ के द्वारा एनओसी मिलने के बाद सार्वजनिक

राकेश सिंह को झारखंड प्रदेश डीजल, सीएनजी, ई- रिक्शा ऑटो चालक महासंघ प्रदेश महासचिव बनाए जाने पर बधाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। झारखंड प्रदेश डीजल, सीएनजी, ई-रिक्शा ऑटो चालक महासंघ के तत्वावधान में मेदिनीनगर स्थित टेंपो स्टैंड के प्रांगण में सैकड़ों ऑटो चालकों ने महासंघ के निर्विरोध नवनिर्वाचित प्रदेश महासचिव राकेश कुमार सिंह, प्रदेश कार्यकारणी सदस्य भरत द्विवेदी व पलामू अध्यक्ष रामाकांत दुबे दूबे को बनाए जाने पर फूल मालाओं से स्वागत किया गया। मौके पर विशिष्ट अतिथि यातायात प्रभारी सत्येंद्र द्विवेदी का भी भव्य स्वागत किया। मौके पर यातायात प्रभारी ने ऑटो चालकों को यातायात व्यवस्था सुदृढ़ बनाने हेतु अपील की।

साथ ही यातायात से जुड़े नियमों से अवगत कराया। कहा कि कहीं भी दुर्घटना में शिकार व्यक्ति को छोड़कर के कोई भागे नहीं। वैसे व्यक्ति को



अस्पताल तक पहुंचाने का काम करें। डरने की बात नहीं है। किसी भी तरह का कानूनी लफड़ा में पहुंचने वाला व्यक्ति नहीं पड़ेगा। पहुंचाने के एवज में जिला प्रशासन एवं सरकार द्वारा पहुंचने वाला व्यक्ति को पांच हजार रुपए का पुरस्कार राशि दिया जाएगा। इस अवसर पर अमृत तेजस जन सेवा संस्थान ट्रस्ट एवं ऑटो चालक महासंघ के पहल पर कुछ दिनों पहले मंगरदहा घाटी में लेस्लीगंज प्रखंड के परशुराम खाप ग्राम निवासी ऑटो चालक विहू राम दुर्घटनाग्रस्त हो गए

थे। उनका इलाज डॉक्टर राहुल अग्रवाल के अस्पताल में चल रहा है। मौके पर ट्रस्ट व महासंघ द्वारा चालक कल्याण कोष से 51 सौ रुपए सहयोग राशि व अंगवस्त्र प्रदान किया गया। घोषणा की गई कि उक्त चालक के इंश्योरेंस एक्ट के तहत कानूनी संघर्ष के माध्यम से न्यायालय की कृपा से मुआवजा भुगतान कराने का भी काम महासंघ द्वारा किया जाएगा। न्यायालय में न्यायिक लड़ाई लड़ने में जो भी खर्च से आएगा उसकी भरपाई महासंघ के द्वारा किया जाएगा।

गांधी के पूर्णस्वराज विचार को पलामू के हर गांव तक पहुंचाएंगे : स्वराज अभियान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर (पलामू)। महात्मा गांधी जी के पलामू आगमन के शताब्दी वर्ष के अवसर पर झारखंड स्वराज अभियान ने विचार गोष्ठी आयोजन किया। इस अवसर पर गांधी जी के तत्सवर पर लोगों ने माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित किया। विचार गोष्ठी का संचालन झारखंड स्वराज अभियान के केंद्रीय सचिव गणेश रवि ने किया। इस अवसर पर बोलते हुए झारखंड स्वराज अभियान के केंद्रीय अध्यक्ष विनोद कुमार जी ने कहा कि 1927 में गांधी जी पलामू आए थे। गांधी जी को सच्चे मन से उनके लिए स्वदेशी जागरण के लिए लोगों को स्वालंबन बनाने के लिए और देश

की आजादी के लिए उनके योगदान को याद करना चाहिए। हम कह सकते हैं कि गांधी के साथ चलने वाले लोग बच्चे होंगे। आजकंपूजा के केंद्रीय सचिव चंद्रशेखर सिंह छोटा जी कहा कि आज महात्मा गांधी के पलामू आगमन की हमें भी जानकारी नहीं थी। महात्मा गांधी के पलामू आगमन की तिथि वर्ष स्थान बातों की जानकारी और गांधी जी के विचारों पर आधारित विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम किया जाएगा। गांधी विचार संवाद चलाए जाएगा। सतीश तिवारी, शिवशंकर प्रसाद, प्रमिला कुशवाहा, अखत जी, रमेश प्रसाद, सुरेश सिंह,भुनेश्वर प्रजापति, गुलाम सर्वर, राजीव पांडे, धुनू राज बैठा ने अपने विचार व्यक्त किए।

गुरुजी के योगदान को झारखंडवासी कभी भुला नहीं सकते : राजेन्द्र प्रसाद



नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर (पलामू)। पलामू ज़ामुंगो कमेटी के तत्वावधान में जिला कार्यालय में जिला अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद सिन्हा की अध्यक्षता में दिशाम गुरु शिबू सोरेन की जयंती धूमधाम से मनाई गई। मौके पर शिबू सोरेन की तत्सवर पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। नेताओं ने दिशाम गुरु अमर रहे, शिबू सोरेन अमर रहे के नारे लगाए। मौके पर पार्टी नेताओं ने गरीबों के बीच कम्बल व मिठाई वितरित किए। मौके पर अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद सिन्हा ने कहा कि ऐसा लग ही नहीं रहा कि बाबा आज भी हमारे बीच उपस्थित नहीं हैं। क्योंकि हम सब उनके जन्मदिन को हमेशा से बहुत उत्साह के साथ मनाने का काम किया है। आज उन्हीं के लिए बहुत उदासीनता के साथ नम भरी आंखों से जयंती मनाया गया जो की सहनীয় नहीं है। यह उन्के लिए महज एक महान नेता का जन्मदिन नहीं बल्कि उस पिता की याद है जिन्होंने उन्हें

जीवन जीने की कला व संघर्ष करना सिखाया। सबसे महत्वपूर्ण बिना झुके अपनी गरिमा, मूल्यों व सच्चाई पर अडिग रहना सिखाया। उनके योगदान को झारखंडवासी कभी भुला नहीं सकते हैं। कार्यक्रम में केंद्रीय समिति सदस्य संजीव कुमार तिवारी, सशू सिद्दीकी, सुशीला मिश्रा, सत्री शुक्ला, हाजी शमीम, सलोनी टोप्पो, चंदन सिन्हा, जिला सचिव रंजन चंद्रवंशी जिला उपअध्यक्ष राकेश कुमार सिन्हा, रमेश सिंह, संगठन सचिव देवानंद भारद्वाज, अनुराग सिंह, अखिरेश सिंह, अविनाश देव, प्रदीप सिंह, बबलू शाहनवाज, सुनील तिवारी, महिला मोर्चा से मंजू कुमारी, कांति चंद्रवंशी, व्कोमेंसी केरकेडा, युवा मोर्चा अध्यक्ष सूरज कुमार, कौशल किशोर, रिशू अग्रवाल, सुनील कुमार, शाकिब सिद्दीकी,व्यवसाय मोर्चा दीपू चौरसिया, आरफीन अली, अशोक गुप्ता, छात्र मोर्चा से सैयद फैजल, कौशल सिंह, आर्यन कुमार सहित सैकड़ों ज़ामुंगो के नेता, कार्यकर्ता शामिल थे।

ट्रेन से कटकर युवक की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। नवादा जिला अंतर्गत तिलैया राजगीर रेलखंड पर एक युवक की ट्रेन से कटकर मौत हो गई, जिसे हिंसुआ पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नवादा सदर अस्पताल भेजा है। यह घटना हिंसुआ थानाक्षेत्र अंतर्गत भेलु बिगहा गोमती के पास हुआ, जिसकी सूचना हिंसुआ थाना को मिली। एसआई परदेशी कुमार ने पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया, जिसके बाद शव का शिनाख्त हुआ। मृतक नारदीगंज थानाक्षेत्र के कहुआरा ग्राम निवासी 45 वर्षीय अर्जुन दास पिता सुबोध दास हैं। घटना के कारणों का पता नहीं चला है, पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए नवादा भेजकर अमेतर कार्रवाई में जुटी है।

रफ्तार पकड़ रहा जदयू का सदस्यता अभियान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। सदर विधायक विभा देवी के नेतृत्व में जनता दल (यूनाइटेड) का सदस्यता अभियान रफ्तार पकड़ने लगा है। नारदीगंज प्रखंड के बाद रविवार को नवादा प्रखंड जदयू कार्यकर्ताओं की बैठक रफ्तार विधायक के कार्यालय परिसर में आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष नवल चौहान ने की जबकि जिलाध्यक्ष मुकेश विद्यार्थी ने उपस्थित कार्यकर्ताओं का स्वागत किया । विधायक विभा

देवी ने स्वयं मेजबानी करते हुए कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि जिस तरह से चुनाव में आपलोगों ने निष्ठापूर्ण भागीदारी निभाई है उसी तरह सदस्यता अभियान को भी गंभीरता से लेते हुए सफल बनाना है । उन्होंने सदस्यता अभियान के महत्व को निर्देशित करते हुए कहा कि नवादा के सर्वांगीण विकास की जिम्मेदारी हम सबों को उठानी है लिहाजा हम सबको मुख्यमंत्री के आदर्शों और सिद्धांतों को आत्मसात करते हुए अपनी भूमिका सुनिश्चित करनी है। जिला अध्यक्ष मुकेश

विद्यार्थी ने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि प्रत्येक सक्रिय कार्यकर्ता ही पार्टी के विभिन्न पदों पर रहकर जनसेवा का वास्तविक भागीदार बन सकते हैं । उन्होंने दोहराया कि जिले में तीन लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है जिसे पूरा करने की जिम्मेदारी हम सबकी है । पार्टी के उपाध्यक्ष और प्रवक्ता जयशंकर चंद्रवंशी ने कहा कि जिस तरह हम सबने माननीय विधायक को भारी मतों से जिताया है उसी तरह अपनी चट्टानी एकता का परिचय देते हुए सदस्य

विद्यार्थी ने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि प्रत्येक सक्रिय कार्यकर्ता ही पार्टी के विभिन्न पदों पर रहकर जनसेवा का वास्तविक भागीदार बन सकते हैं । उन्होंने दोहराया कि जिले में तीन लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है जिसे पूरा करने की जिम्मेदारी हम सबकी है । पार्टी के उपाध्यक्ष और प्रवक्ता जयशंकर चंद्रवंशी ने कहा कि जिस तरह हम सबने माननीय विधायक को भारी मतों से जिताया है उसी तरह अपनी चट्टानी एकता का परिचय देते हुए सदस्य

शौचालय, मूत्रालय व यात्रिशेड का निर्माण कार्य शुरु किया जाएगा। उन्होंने कहा यहां पर सार्वजनिक शौचालय निर्माण के बाद एक कमीटी का गठन किया जाएगा। ताकि शौचालय, मूत्रालय का रख रखाव,साफ सफाई की व्यवस्था सही तरीके से हो सके। लोगों को परेशानी नहीं हो। यहां पर निर्माण होना जनहित के अति आवश्यक है। इस दौरान स्थानीय बुद्धिजीवियों, समाजसेवियों समेत लोगों ने कहा इस स्थान पर सार्वजनिक

शौचालय, मूत्रालय के साथ यात्रिशेड होना नितांत आवश्यक है। महिलाओं के साथ अन्य लोगों को शौचालय, मूत्रालय,यात्रिशेड के अभाव में भटकना पड़ता है। उक्त स्थान पर अस्थायी बस स्टैंड भी है। नारदीगंज बाजार के अलावा सुदूर इलाके के लोग गंतव्य स्थान जाने के बस पकड़ने के आते हैं। प्रखंड मुख्यालय होने के कारण कामकाज हेतु, बाजार में समाज खरीदारी के लिए पहुंचते हैं। यह बाजार बुद्ध सर्किट

मार्ग में है। आये दिन पर्यटक वाहन का भी आवागमन होता है। बहुत बड़ी आबादी है। जमाने बीत गए हैं लेकिन आज तक यहां पर सार्वजनिक शौचालय, मूत्रालय, व यात्रिशेड का निर्माण नहीं हो पाया है। जो चिंता का विषय है। बीडीओ ने मामले को गंभीरता से सुनने के बाद लोगों को आश्वासन दिलाया कि इसके लिए जिला में प्रस्ताव भेजा जाएगा। कहा कि सीओ के द्वारा एनओसी मिलते ही कार्य प्रारंभ किया जाएगा।



पटना पहुंचे चिराग, राज्यपाल को दी नये साल की शुभकामनाएं

नवबिहार टाइम्स संवाददाता पटना। केंद्रीय मंत्री व लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान नए साल में पहली बार पटना पहुंचे। रविवार सुबह उन्होंने राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खां व सीएम नीतीश कुमार से मुलाकात की। दोनों नेताओं को नए साल की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि जल्द आभार यात्रा पर निकलेंगे। 15 जनवरी को पार्टी कार्यालय में मकर संक्रांति के अवसर पर दही-चूड़ा भोज का आयोजन किया गया है। प्रेस कांफ्रेंस कर चिराग ने विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उनके निशाने पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी व राजद नेता सह नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव रहे। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों के कई विधायकों ने समय-समय पर संपर्क किया है। हालांकि, किसी दल का टूटना कितना पीड़ादायक होता है, ये वे जानते हैं क्योंकि इसके भुक्तभोगी

रहे हैं। इसलिए वे इसे प्रोत्साहित नहीं करते। अब वे विधायक आते हैं या नहीं आते हैं, यह अलग बात है, लेकिन सच्चाई यह है कि राजद-कांग्रेस के नेताओं-विधायकों में भारी असंतोष है। यह असंतोष इस बात से नहीं कि चुनाव में हार हुई, बल्कि, इस बात से है कि उनके नेता भाग रहे। चिराग ने कहा कि 2020 के चुनाव परिणाम के अगले दिन ही वे प्रेस के सामने आए थे और हार की जिम्मेदारी ली थी। लेकिन तेजस्वी यादव ने ऐसा कुछ नहीं किया। परिवार के साथ छुड़ियां बिताना, कहों जाना गलत नहीं है,लेकिन जब आप जिम्मेदार पद पर हैं तो उसे निभाना होता है। न तो उन्होंने अपने कार्यकालाओं से संवाद किया न प्रेस के सामने आए।हार का विश्लेषण नहीं किया। केवल वोट चोरी और बहानेबाजी करते रहे तो वह दिन दूर नहीं जब राजद का नामोनिशान मिट जाए।

कंटेनर से टकरायी गाड़ियां, दो की मौत

दो लोगों की हालत गंभीर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता पटना। पटना के अथमलगोला थाना क्षेत्र के फुलेलपुर गांव के समीप बख्तियारपुर-मोकामा फोरलेन पर एक कंटेनर से अनियंत्रित दो गाड़ियां टकरा गईं। इस दुर्घटना में पिता-पुत्री की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बोलैरो सवार पिता-पुत्री की पहचान बांका जिले के राजौर निवासी अनुपम कुमार (52 वर्ष) और उनकी पुत्री आस्था (25 वर्ष) के रूप में हुई है। सूचना मिलने पर पुलिस ने घायलों को नजदीकी निजी अस्पताल में भेजा। दुर्घटना के बाद फोरलेन पर एक घंटे तक यातायात बाधित रहा, जिसे पुलिस ने सामान्य किया। जानकारी के अनुसार, मोकामा से बख्तियारपुर की ओर एक कंटेनर ट्रक आ रहा था। कोहरे के कारण दृश्यता कम होने के कारण एक बोलैरो कंटेनर से टकरा गई। इसके बाद बोलैरो के पीछे से एक क्रेटा भी टकरा गई। इस दुर्घटना में बोलैरो सवार पिता-पुत्री की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं, बोलैरो में सवार दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि क्रेटा में सवार दो लोग भी जखमी हुए। सभी घायलों को बख्तियारपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष राहुल कुमार नवनीत ने बताया कि यह दुर्घटना कोहरे के कारण हुई। कंटेनर ट्रक में पीछे



से बोलैरो और उसके पीछे से क्रेटा गाड़ी टकराई। इस घटना में दो लोगों की मौत हो गई और चार लोगों का इलाज चल रहा है। बख्तियारपुर अस्पताल में भर्ती बांका के राजौर निवासी सन्नी कुमार ने पुलिस को बताया कि वे बोलैरो से फरीदाबाद जा रहे थे। उनके साथ पिता अनुपम कुमार, मां श्वेता कुमारी और बहन आस्था थीं। रास्ते में कोहरा अधिक था, जिससे कंटेनर का पता नहीं चल सका और उनकी गाड़ी टकरा गई। उनकी मां की हालत गंभीर है। इलाजरत एसबीआई पटना के डिप्टी मैनेजर अजिता सुनील कुमार ने बताया कि वे और अर्जित कुमार चंदन क्रेटा गाड़ी से भागलपुर जिलाधिकारी से मुलाकात कर पटना लौट रहे थे। रास्ते में कोहरे के कारण उनकी गाड़ी में टक्कर लग गई। सुनील खेल एसोसिएशन से जुड़े हुए हैं, जबकि अर्जित कुमार चंदन बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव हैं। बख्तियारपुर थानाध्यक्ष देवानंद शर्मा ने बताया कि जख्मी चार लोगों का इलाज चल रहा है।

गोपालगंज में मेडिकल कॉलेज का मिला आश्वासन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता गोपालगंज। बरौली विधानसभा क्षेत्र के जदयू विधायक सह विधानसभा सचेतक मंजीत कुमार सिंह ने पटना स्थित मुख्यमंत्री आवास पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान विधायक ने मांझा प्रखंड के धनखड़ में मेडिकल कालेज की स्थापना की मांग को प्रमुखता से उठाया। विधायक ने मुख्यमंत्री को मांग पत्र सौंपते हुए कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करना और प्रत्येक जिले में मेडिकल कालेज की स्थापना करना है। गोपालगंज जैसे सीमावर्ती जिले में मेडिकल कालेज खुलने से न केवल स्वास्थ्य सुविधाएं मजबूत होंगी, बल्कि स्थानीय लोगों को बेहतर इलाज अपने ही क्षेत्र में उपलब्ध हो सकेगा। उन्होंने बताया कि पूर्व में बिहार कैबिनेट द्वारा गोपालगंज जिले में राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय

की स्थापना को स्वीकृति दी जा चुकी है।अब भवन निर्माण के लिए मांझा के धनखड़ में स्थल चयन की आवश्यकता है। विधायक ने यह भी जानकारी दी कि जिला समाहर्ता द्वारा 20 मई 2025 को भूमि उपलब्धता से संबंधित प्रतिवेदन स्वास्थ्य विभाग के अपर सचिव को भेजा जा चुका है। प्रतिवेदन के अनुसार थावे के चुनावे में चयनित 25 एकड़ 20 डेसमिल भूमि कृषि विभाग की है, जिसका अनापत्ति प्रमाणपत्र अब तक प्राप्त नहीं हुआ है। वहीं, मांझा के धनखड़ में अंचलाधिकारी द्वारा कराई गई जांच में कुल 24 एकड़ 37 डेसमिल गैरमजरूआ मालिक भूमि परियोजना के लिए उपयुक्त पाई गई है, जिसका प्रतिवेदन समर्पित किया गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विधायक की बातों को गंभीरता से सुना और मेडिकल कालेज स्थापना की मांग पर सकारात्मक विचार करने का आश्वासन दिया।

झोला छाप डाक्टर यूट्यूब देखकर करते हैं चीड़-फाड़

नवबिहार टाइम्स संवाददाता कहलगांव। प्रखंड क्षेत्र में झोलाछाप डाक्टरों की भरमार है। यह हम नहीं कह रहे विभाग के आकड़ों से इसकी पुष्टि भी हो रही है। शहरी और ग्रामीण इलाकों को मिलाकर वर्तमान में करीब तीन दर्जन से अधिक अवैध अस्पतालों का संचालन कहलगांव में हो रहा है। जबकि महज विभाग में छह अस्पतालों के रिकार्ड रजिस्टर्ड है। अनुमंडल में अवैध तरीके से संचालित इन अस्पतालों पर नकेल कसने को लेकर न तो किसी अधिकारियों के द्वारा कार्रवाई की जाती है न ही जांच होती है। इतना ही नहीं इन अस्पतालों को चलाने वाले फर्जी डाक्टर दलाओं के बल पर न केवल गंभीर गंभीर मरीजों को फंसा कर मोटी रकम की उगाही करते है, बल्कि मरीजों को यूट्यूब पर वीडियो देखकर चौरफाड़ कर जान तक ले ले रहे हैं। मरीजों को जान चली जाने पर स्वजन के द्वारा तत्काल हंगामा मचाया जाता है, फिर जांच के नाम पर महज खानापूति कर मामले को ठंडे बस्ते में डाल देते हैं। बताया जा रहा है कि सालों से ऐसे अस्पतालों का संचालन अनुमंडल के शहरी व ग्रामीण इलाकों में धड़ल्ले से हो रहा है। अब तक करीब ऐसे आधा दर्जन से अधिक मरीजों की मौत भी इन फर्जी डाक्टरों के इलाज व अवैध अस्पतालों में फंसने से हो चुकी है।

लेकिन आज तक किसी भी मामले में कोई ठोस कार्रवाई संभव नहीं हो सकी है। झारखंड के गोड्डा जिला के ठाकुर गंगटी थाना के मोडिया गांव निवासी विक्रम साह की पत्नी स्वाति देवी मायके खड़खड़ा आई थी। गुरुवार रात प्रसव पीड़ा होने पर स्वजन उसे रसलपुर थाना क्षेत्र के एकचारी श्रीमठ में झोलाछाप चिकित्सक अमर कुमार के क्लिनिक ले गए। जहां झोलाछाप चिकित्सक ने अपने मोबाइल पर यूट्यूब देख कर प्रसूता का ऑपरेशन किया। जब महिला की स्थिति बेहद नाजुक हो गई, तब बेहतर इलाज के लिए तुरंत भागलपुर ले जाने की सलाह दी और आनन-फानन में क्लिनिक बंद कर फरार हो गए। मृतका की मां सुभा देवी ने बताया कि डाक्टर ने नार्मल डिलीवरी के बదుले सिजेरियन ऑपरेशन को जरूरी बताया और 30 हजार रुपये वसूल लिया। ऑपरेशन के बाद उसकी बेटी की मौत हो गई। बताया गया कि वह अवैध क्लिनिक रसलपुर के रंजीत मंडल के पुत्र अमर कुमार द्वारा अमोद साह के मकान में महिनों से चलाया जा रहा है। अमर कुमार ही यहां मरीजों का इलाज व ऑपरेशन करता है। इस क्लिनिक में दलाल के तौर पर एक महिला और एक पुरुष को नर्स-कंपाउंडर के नाम पर रखा गया है। हंगामे के बाद पुलिस ने अवैध क्लिनिक को सील कर दिया गया।

घंटों की मशक्कत के बाद पाया गया काबू सीसीटीवी में दिखा संदिग्ध व्यक्ति पुलिस कर रही मामले की जांच

नवबिहार टाइम्स संवाददाता हाजीपुर। महनार थाना क्षेत्र के अंतर्गत नगर परिषद महनार के सिनेमा रोड छोटी चौक स्थित एक तेल गोदाम में आग लगने से लाखों रुपये से अधिक रुपये का तेल आदि जलकर नष्ट हो गया। सीसीटीवी में एक व्यक्ति संदिग्ध व्यक्ति दिखा है। दमकल ने कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया। घटना से व्यापारियों में दहशत है। बताया गया कि छोटी चौक सिनेमा रोड स्थित तेल गोदाम में भीषण आग लग गई। जिससे अफरातफरी मच गई। आग इतनी भीषण थी कि गोदाम में रखा लाखों रुपये से अधिक का सरसों तेल एवं रिफाइन आदि सामान धूँ-धूँ कर जल



गया। आग की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि आगलगी की सूचना पर पहुंची दमकल की पांच गाड़ी को आग पर काबू पाने में दो घण्टे से अधिक का समय लग गया। हालांकि, कड़ी मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। बताया जा रहा है कि यह गोदाम स्टेशन निवासी राजू चौधरी का है। वह सरसों तेल एवं रिफाइन के थोक विक्रेता है। बताया गया कि एक दिन पहले एक

ट्रक सरसों तेल आदि गोदाम में लाकर रखा गया था। राजू चौधरी के अनुसार वह कम्पनियों के तेल आदि को बेचते हैं। उन्होंने बताया कि शनिवार की रात दो बजे उन्हें मोबाइल पर आग लगने की सूचना मिली। जिसके बाद दमकल की टीम को सूचना दिया गया। उन्होंने बताया कि सबकुछ जलकर नष्ट हो चुका है। वहीं, घटनास्थल के पास लगे एेसीसीटीवी में आग लगाने की घटना कैद हुई है। जिसमें साफ साफ देखा जा सकता है कि आधी रात के बाद एक अज्ञात व्यक्ति मोचिस जलाकर गोदाम में फेंक रहा है। जिसके बाद गोदाम में भीषण आग लग गई। बहरहाल गोदाम मालिक की शिकायत पर महनार थाना की पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्ध की पहचान में जुट गई है। उल्लेखनीय है कि महनार बाजार में आगलगी की कई घटनाएं पिछले कुछ महीनों में घट चुकी है। जिनमे एक दर्जन से ज्यादा दुकान जल गई थी। इसके बावजूद भी एक भी मामले का खुलासा नहीं हो सका है जिससे यहां के व्यवसाइयों में डर और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है।

विलुप्त होने के कगार पर मोर, संरक्षण की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता बक्सर। गंगा की लहरों के समानांतर फैला बक्सर-कोईलवर तटबंध आज एक बड़े अंतर्विरोध का गवाह बन रहा है। एक तरफ 52 किलोमीटर लंबी पक्की सड़क दियारा के गांवों को मुख्याधारा से जोड़कर आर्थिक समृद्धि लाने की जहां अपनी तैयारी में है। वहीं दूसरी ओर इस निर्माण ने देश के राष्ट्रीय पक्षी मोर और यहां के समृद्ध वन्यजीव तंत्र के अस्तित्व पर संकट के बादल गहरा दिद हैं। वर्षों से बबूल की घनी झाड़ियों और दलहन-तेलहन के खेतों में सुरक्षित रहने वाले मोरों के बूंद अब मशीनों की कर्कश गुंज और कंक्रीट के बिछावन के बीच बेदखल होने को मजबूर हैं। यह इलाका ऐतिहासिक रूप से गंगा, कर्मनासा और सोन नदियों के बीच का एक ऐसा गलियारा रहा है, जहां मोर, हिरण, कृष्णमृग और नीलगाय त्रसमेत विभिन्न प्रकार के विलुक्ष्ण प्राणी एक साथ विचरण करते हैं। अर्जुनपुर से नैनीजोर तक का हिस्सा मोरों का प्राकृतिक स्वर्ग माना जाता



है। तटबंध की खराब हालत ही अब तक इनके लिए ढाल बनी हुई थी, क्योंकि बाहरी हस्तक्षेप सीमित था। लेकिन अब सड़क चौड़ीकरण के लिए काटी जा रही झाड़ियों की झनझनाहट इनसे सहन नहीं हो रह है। इनके छिपने की जगह खत्म होती जा रही है। गंभीर बात यह है कि जहां पास के गोकुल जलाशय को 2025 में 'यामसर साइट' का दर्जा मिल चुका है और यहां गंगा डॉल्फिन व 50 से अधिक प्रवासी पक्षी प्रजातियां पाई जाती हैं। वहीं इसी इको-सिस्टम का हिस्सा होने के बावजूद सड़क परियोजना के समय इन वन्यजीवों के संरक्षण पर कोई ठोस नीति नहीं बनाई गई।

कांग्रेस नेताओं ने रखा उपवास, केंद्र पर बोला तीखा हमला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता पटना। केंद्र सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को बदले जाने के विरोध में कांग्रेस पार्टी ने बिहार में राज्यव्यापी अभियान चला रखा है। रविवार को कांग्रेस पार्टी ने राज्य के सभी जिला मुख्यालयों में मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत एक दिवसीय उपवास सह धरना कार्यक्रम आयोजित किया। इसी कड़ी में औरंगाबाद में भी जिला कांग्रेस कमिटी के बैनर तले पार्टी कार्यकर्ताओं ने शहर के सत्येंद्र नारायण सिन्हा स्मारक के समक्ष एक दिवसीय उपवास रखते हुए प्रतीकात्मक विरोध प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पार्टी के कार्यकारी जिलाध्यक्ष महेंद्र यादव ने की। उपवास सह धरना में बतौर मुख्य अतिथि औरंगाबाद सदर के पूर्व विधायक आनंद शंकर सिंह शामिल हुए। इस मौके पर पूर्व विधायक ने कहा कि मोदी सरकार महात्मा गांधी के विचारों और उनके नाम को समाप्त करने की साजिश कर रही है। मनरेगा के बदले लाई जा रही नई योजना के तहत बिहार समेत देश के सभी राज्य सरकारों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ दिया जा रहा है ताकि यह योजना

समाप्त हो जाए। मनरेगा के समाप्त होने से बिहार के युवा पुनः पलायन करने को मजबूर होंगे। उन्होंने कहा कि अभी जब मनरेगा के तहत 90 प्रतिशत केंद्रांश दिया जाता था, तब भी इस मद में बिहार सरकार का 20 हजार करोड़ केंद्र पर बकाया है। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी के नाम पर चलने वाली योजना मनरेगा का नाम बदलना गांधी जी के अपमान के समान है। यह योजना महात्मा गांधी की गरिमा और सम्मान से जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि केंद्र यह तर्क दे रहा है कि नई योजना में 100 दिन के बजाय 125 दिन की रोजगार गारंटी दी जा रही है, लेकिन सच्चाई यह है कि नए अधिनियम में राज्य सरकारों के अधिकार लगभग समाप्त कर दिए गए हैं। योजना को मिशन का रूप देकर यह स्पष्ट संकेत दिया गया है कि यह स्थायी अधिकार नहीं, बल्कि अस्थायी अभियान की तरह चलाया जाएगा, जिसे सरकार अपनी सुविधा के अनुसार कभी भी समाप्त कर सकती है। कांग्रेस पार्टी मनरेगा को समाप्त करना किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी। पार्टी मनरेगा को बचाने के लिए लगातार सड़क पर संघर्ष करेगी।

उपवास सह धरना में कांग्रेस के वरीय नेता शैलेंद्र कुमार द्विवेदी उर्फ शैल दुबे, अरविंद शर्मा, शैलेंद्र मिश्र शैल, अरविंद सिंह, राशिद अली खान, जिला पार्षद सुरेंद्र यादव, प्रदीप कुमार सिंह उर्फ लुटुर सिंह, चुलबुल सिंह, जिला पार्षद सह कांग्रेस महिला सेल की जिलाध्यक्ष गायत्री देवी, अल्पसंख्यक सेल के जिलाध्यक्ष जुलिकफार हैदर, युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष धर्मेन्द्र पासवान, जिला उपाध्यक्ष उदय पासवान, सूरज राय, विजय पांडेय, औरंगाबाद सदर प्रखंड अध्यक्ष बृजकिशोर सिंह, देव प्रह्लाद अध्यक्ष रवींद्र कुमार सिंह, रत्नाकर सिंह, सोमनाथ ठाकुर, मदनपुर प्रखंड अध्यक्ष लालदेव यादव, रफीगंज प्रखंड अध्यक्ष सुजोति सिंह, हम्पुरा प्रखंड अध्यक्ष मिथिलेश कुमार सिंह, नवीन कुमार, नागेंद्र सिंह, रवींद्र कुमार सिंह, इरफान अंसारी, अमरेंद्र सिंह, नरेश यादव, मनोज पांडेय, मो. जिन्ना, अजीम खान, वीरेंद्र कुमार सिंह, नीरज सिंह, अशोक कुमार, शिल्पा कुमारी, प्रियंका देवी, सरस्वती देवी, बेबी सिंहा, रिंकु सिंह, सिकंदर सिंह, रामजन्य यादव, धनंजय यादव, भोला राम, रौशन पांडेय एवं विवेक कुमार आदि दर्जनों कांग्रेस नेता-कार्यकर्ता शामिल रहे।

फ्रेंडली क्रिकेट मैच में सरकारी कर्मियों की टीम विजयी



नवबिहार टाइम्स संवाददाता नगरनौसा(नार्लदा)। दाहा बिगहा मैदान में रविवार के दिन सरकारी व गैर सरकारी कर्मों के बीच फ्रेंडली क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। जिसमें गैर सरकारी कर्मों ने 20 ओवर में 156 रन एवं सरकारी कर्मों ने 20 ओवर 178 रन बनाई। 22 रन से सरकारी कर्मों विजय हुए। क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन नगरनौसा प्रखंड प्रमुख रंजू कुमारी ने किया।

सरकारी कर्मों में कप्तान जयप्रकाश कुमार सिंह, पप्पू कुमार, रमेश कुमार, राकेश कुमार भारती, मुकेश कुमार भारती, चंदन कुमार भारती, हरि पंडित,श्रवण कुमार, रवि कुमार रंजन,वरुण कुमार शामिल रहे। जबकि गैर सरकारी कर्मों में अनुज कुमार कप्तान, सुसन कुमार सिंह, ललित कुमार, मनोष कुमार, उपेंद्र कुमार, नीरज कुमार, टुल्लू कुमार, जीतू कुमार, राहुल कुमार, अजय कुमार, संतोष कुमार, संजय कुमार, अमरेंद्र कुमार शामिल थे।

आंगनबाड़ी में नाबालिगों को बुलाकर दिखाई अश्लील फिल्म

पुलिस की त्वरित कार्रवाई से पिता-पुत्र गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता सुंघेर। जमालपुर थाना क्षेत्र के वार्ड संख्या में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र में तीन नाबालिग बच्चियों को बुलाकर अश्लील फिल्म दिखाने का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़ित बच्ची की मां के लिखित आवेदन पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर त्वरित कार्रवाई करते हुए पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया, साथ ही दो नाबालिग को संरक्षण में लिया है। पीड़िता की मां मुन्नी देवी ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया कि उनकी तीन नाबालिग पुत्रियों को आंगनबाड़ी केंद्र में बुलाकर एक युवक अश्लील फिल्म दिखा रहा था। इसकी जानकारी मिलने पर जब उन्होंने अपनेपति और देवर के साथ आरोपित के घर जाकर विरोध किया तो आरोपित के पिता राम बहादुर मंडल, पुत्र बेचन मंडल तथा उसके दो नाबालिग पुत्रों ने जान से मारने की नीयत से कुल्हाड़ी और डंडे से

हमला कर दिया। हमले में पति और देवर गंभीर रूप से घायल हो गए। शेरगुल सुनकर आसपास के लोग जुटे, तब आरोपितों ने जान से मारने की धमकी भी दी और फरार हो गए। पीड़िता की मां ने बताया कि ग्रामीणों की मदद से घायल पति और देवर को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है और लोग आरोपितों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

इधर, थाना अध्यक्ष पंकज कुमार पासवान ने बताया कि पीड़ित पक्ष के आवेदन के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया है साथ ही दो नाबालिग को निरुद्ध किया गया है।

छापेमारी में झोपड़ी से अवैध हथियार फैक्ट्री का उद्भेदन

हथियार बनाने के उपकरण और अर्द्धनिर्मित हथियार बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता बिहारशरीफ। नार्लदा पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त विशेष टीम ने इस्लामपुर थाना क्षेत्र में संचालित एक अवैध मिनी गन फैक्ट्री का पदार्फाश किया है। गुप्त सूचना के आधार पर की गई छापेमारी में पुलिस ने हथियार बनाते हुए तीन धंधेबाजों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया, जबकि फैक्ट्री संचालक अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। हिलसा डीएसपी-2 ऋषिराज ने इस्लामपुर थाना में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि 10 जनवरी को

रंगे हाथ पुलिस ने तीन लोगों को दबोचा, दो हुए फरार

सूचना मिली थी कि आत्मा मठ गांव में अवैध रूप से हथियार बनाए जा रहे हैं। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त टीम ने आत्मा मठ निवासी विमल राम के घर के पीछे स्थित एक झोपड़ी में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान झोपड़ी के अंदर अवैध हथियार बनाने का पूरा कारखाना चलता पाया गया। पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में हथियार बनाने के उपकरण और अर्द्धनिर्मित हथियार बरामद किए हैं। इस कार्रवाई में चिकसौरा बाजार निवासी संतोष विश्वकर्मा,

मराठी गांव निवासी जय वर्मा और मिर्जापुर निवासी मेहन्ने प्रसाद को गिरफ्तार किया गया है। वहीं, आत्मा मठ गांव का रहने वाला विमल राम मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश में छापेमारी जारी है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने दो शशी लोहे के अर्द्धनिर्मित कट्टा, तीन बैरल, ड्रिल मशीन, ग्राइंडर मशीन, हैंड ब्लोअर, 22 रती, हेक्सा ब्लेड, हथौड़ा, छेनी, सरसी और हथियार पिजाने वाला पथर समेत हथियार निर्माण में प्रयुक्त अन्य उपकरण बरामद किए हैं। इसके अलावा कई मोबाइल फोन

भी जब्त किए गए हैं। डीएसपी ऋषिराज ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी संतोष विश्वकर्मा एक आदतन अपराधी है। उसके खिलाफ पहले भी चिकसौरा थाना में आर्म्स एक्ट के तहत कांड संख्या 18/21 दर्ज है, साथ ही हिलसा थाना में भी मामला दर्ज रह चुका है। वहीं, मेहन्ने प्रसाद के विरुद्ध भी चिकसौरा और हिलसा थाने में पूर्व से अपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने इस पूरे मामले में इस्लामपुर थाना में कांड दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

प्रायग नारायण सिंह की पुण्यतिथि पर स्वास्थ्य शिविर 13 को

नवबिहार टाइम्स संवाददाता टिकारी।

गांधीवादी विचारक, चिंतक, धर्मसुधारक एवं प्रख्यात समाजसेवी स्वर्गीय प्रायग नारायण सिंह की 11वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आगामी 13 जनवरी को मां तारा नगरी, केसपा ग्राम स्थित ज्ञान गंगा पब्लिक स्कूल के प्रांगण में स्मृति समारोह सह निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा। स्व. प्रायग नारायण सिंह का जीवन समाजसेवा, नैतिक मूल्यों एवं गांधीवादी विचारधारा को समर्पित रहा। उन्होंने केसपा ग्राम में श्री धरणीधर +2 विद्यालय की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके निधन के उपरांत विद्यालय परिसर में उनकी स्मृति में कॉमन रूम का निर्माण कराया गया, जो आज भी विद्यार्थियों के लिए उपयोगी है।

बलि प्रथा को समाप्त कराने में दिया था ऐतिहासिक योगदान

आ रही बलि प्रथा को समाप्त कराने में ऐतिहासिक योगदान दिया। पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित निःशुल्क चिकित्सा शिविर में शहर के कई प्रख्यात चिकित्सक अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे। इनमें डॉ. नंद किशोर नवल, डॉ. सरोज सिंह, चिकित्सा प्रभारी डॉ. विश्वमूर्ति मिश्रा, डॉ. संजीव कुमार, डॉ. अपराजिता, डॉ. कृतिका अग्रवाल, डॉ. अनुराग कुमार, डॉ. बी. डी. शर्मा, डॉ. गोपाल कृष्ण, डॉ. मृत्युंजय कुमार, डॉ. आनंद राज, डॉ. अमित नारायण रघु एवं डॉ. रिचा कुमारी शामिल हैं। हिमांशु शेखर ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर स्वास्थ्य लाभ लेने एवं समाजसेवी प्रायग नारायण सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करने की अपील की है।

लोगों ने की मिशनरियों के विरुद्ध नारेबाजी

ग्रामीणों का कहना है कि वे किसी भी धर्म के विरोधी नहीं हैं, लेकिन लालच और अंधविश्वास के सहारे कराया जा रहा धर्मांतरण समाज को तोड़ने का काम कर रहा है। इस मामले पर बालाजी वेंकटेश्वर धाम के आचार्य अजय ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि मिशनरियों द्वारा प्रचार, धोखा और अंधविश्वास के सहारे धर्म परिवर्तन कराना हिंदू समाज के लिए गंभीर खतरे की बात है। उन्होंने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर देषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की।

धूप से लोगों को मिली राहत

भागलपुर। लगातार बढ़ रही ठंड से शनिवार को थोड़ी राहत आई। इसका कारण जल्द हुआ और धूप में गरमा हट रही। हालांकि पश्चिमी धुप और सुबह का कोहरा ठंड को बनाए रखा। मौसम विभाग की मानें तो रविवार को भी थोड़ी राहत मिलने के आसार हैं। दोपहर में धूप में गरमाहट होगी जिससे राहत मिलेगी। हालांकि कोहरा और हवा की वजह से ठंड बनी रहेगी। भारत मौसम विज्ञान केंद्र, भागलपुर के मौसम विज्ञानी ने बताया कि शहर का अधिकतम तापमान तीन डिग्री बढ़ते हुए 15.2 से 18.0 डिग्री सेंटीग्रेड तक रहे हैं।

हिन्दुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स के 27वें पुनर्स्थापना दिवस पर सेवा और राष्ट्र निर्माण का संदेश

राष्ट्र के चरित्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं हिन्दुस्तान स्काउट्स गाइड्स : राज्यपाल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। हिन्दुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स द्वारा 27वां पुनर्स्थापना दिवस सह सम्मान समारोह का भव्य आयोजन प्रेमचंद्र रायशाला, पटना में गरिमायय वातावरण में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक एवं मुख्य अतिथि आरिफ मोहम्मद खान, राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि ‘हिन्दुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स युवाओं में अनुशासन, सेवा, नेतृत्व और राष्ट्रभक्ति की भावना विकसित करने वाला एक सशक्त आंदोलन है। ऐसे संगठन समाज और राष्ट्र के चरित्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने स्काउट-गाइड आंदोलन के सतत योगदान की सराहना करते हुए इसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर विशिष्ट



अतिथि के रूप में बिहार विधान परिषद की अनामिका सिंह पटेल (एमएलसी) तथा पटना नगर निगम की महापौर सीता साहू उपस्थित रही। अतिथियों ने संगठन द्वारा युवाओं को सामाजिक सेवा, आपदा प्रबंधन एवं नैतिक मूल्यों से जोड़ने के प्रयासों की प्रशंसा की। कार्यक्रम के दौरान हिन्दुस्तान

स्काउट्स एंड गाइड्स, बिहार के राज्य सचिव बरुण सिंह ने एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए बताया कि 22 फरवरी 2026 को हिन्दुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स का राज्य प्रशिक्षण केंद्र एनी बेसेंट इंटरनेशनल स्कूल परिसर में प्रारंभ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह केंद्र राज्य भर के स्काउट-गाइड

प्रशिक्षकों एवं स्वयंसेवकों के लिए गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक प्रशिक्षण का प्रमुख केंद्र बनेगा। समारोह के सफल आयोजन एवं प्रबंधन में बरुण सिंह, रंजीत चौहान एवं उनकी पूरी टीम की उल्लेखनीय भूमिका रही। कार्यक्रम का सुव्यवस्थित मंच संचालन उपाध्यक्ष डॉ. संतोष कुमार झा द्वारा किया

प्रवास कार्यक्रम में बेगूसराय पहुंचे संजय सरावगी, पुरातन कार्यकर्ता समागम में हुए शामिल

प्रधानमंत्री भारत माता को परम वैभव तक पहुंचाने में लगे हैं : संजय सरावगी



काम किया, काम करने की पद्धति जानी और काम करने के बाद भाजपा के लिए कार्य कर रहा हूं। भाजपा अगर आज बिहार में यहां खड़ी है तो एबीवीपी का सबसे बड़ा योगदान है। एबीवीपी जो कहता था, वह पूरा देश कहता था, आज भी हमें वह याद है। उन्होंने कहा कि एबीवीपी ने जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटाने का जो

सपना देखा था, वह भाजपा की सरकार आते ही पीएम नरेंद्र मोदी ने पूरा किया। अयोध्या में भगवान श्री राम का भव्य मंदिर बन गया तो अब पुनौरा धाम में भव्य माता जानकी के मंदिर बनने का कार्य शुरू हो गया है। भाजपा अध्यक्ष संजय सरावगी ने गंगलराज के दौरान छात्रों पर लाठी चार्ज करने की घटना को याद करते हुए कहा कि

गंगलराज में आंदोलन करने वालों पर जो लाठियां चलाई गई थीं, वह राजद का आज बिहार से सूपड़ा साफ हो गया। उन्होंने कहा आपने जिस विचारधारा को खड़ा करने के लिए अपने जीवन का बहुमूल्य समय दिया था, वह विचारधारा आज वट वृक्ष के रूप में विशाल होते देखा जा रहा है। आज हम आर्थिक शक्ति हो या सैन्य शक्ति, हम अंग्रेजों से आगे हैं। आज भारत माता परम वैभव का जो हम लोगों ने सपना देखा था, वह पूरा करने का काम किया जा रहा है। पीएम मोदी देश को परम वैभव पर पहुंचाने में लगे हैं। भाजपा अध्यक्ष संजय सरावगी इसके बाद बेगूसराय के प्रेक्षागृह पहुंचे जहां उन्होंने भाजपा कार्यकर्ता सम्मान सम्मेलन में सहभागिता की।

नक्षत्र आरोग्यम महोत्सव भारतीय वैदिक और आयुर्वेदिक ज्ञान परंपरा का उत्सव : डॉ. प्रेम कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम परिसर में आयोजित नक्षत्र आरोग्यम 2026 महोत्सव में बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने भाग लिया। इस अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि नक्षत्र 2026 जैसे भव्य और अर्थपूर्ण आयोजन में उपस्थित होना उनके लिए हर्ष और गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि भारत की प्राचीन ज्ञान



परंपरा, वैदिक विज्ञान और आयुर्वेदिक चेतना का सशक्त उत्सव है। डॉ. प्रेम कुमार ने भारत व्यापार संवर्धन संगठन और फ्यूचर

प्वाइंट को बधाई देते हुए कहा कि पिछले 19 वर्षों से इस आयोजन को निरंतर सफलतापूर्वक आयोजित कर भारतीय वैदिक ज्ञान को वैश्विक

मंच प्रदान किया जा रहा है जो साधना और समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि भारत केवल एक भौगोलिक राष्ट्र नहीं, बल्कि ज्ञान, दर्शन और विज्ञान की जीवंत प्रयोगशाला रहा है। ऋषि-मुनियों द्वारा ज्योतिष, अंकशास्त्र, हस्तरेखा, वास्तु, आयुर्वेद और योग जैसे विषयों पर किए गए शोध आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान से प्राचीन वैदिक विज्ञान परंपराओं का पुनर्जीवन हो

रहा है जिसका प्रत्यक्ष परिणाम नक्षत्र जैसी प्रदर्शनी की बढ़ती लोकप्रियता है। आज ज्योतिष और आयुर्वेद को अंधविश्वास नहीं, बल्कि अनुभव आधारित विज्ञान के रूप में समझा जा रहा है और आम जनमानस संतुलित व सकारात्मक जीवन के लिए इन विधाओं की ओर आकर्षित हो रहा है। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि यह आयोजन प्रमाण है कि भारतीय ज्ञान परंपरा समय के साथ और अधिक प्रासंगिक होती जाती है।

शिक्षिका आस्था दीपाली को मिला ‘हिंदी रत्न’ सम्मान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन, पटना के तत्वावधान में आयोजित भव्य समारोह में हिंदी सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए शिक्षिका आस्था दीपाली को प्रतिष्ठित ‘हिंदी रत्न’ सम्मान से सम्मानित किया गया।

यह सम्मान उन्हें बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ. अनिल सुलभ, बिहार विधानसभा के अध्यक्ष प्रेम कुमार, मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति संजय कुमार तथा न्यायमूर्ति राजेन्द्र प्रसाद द्वारा



संयुक्त रूप से शॉल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। आस्था दीपाली राजकीयकृत उच्च माध्यमिक (+2) विशालय कुदनी में शिक्षिका हैं और साहित्य एवं कला के क्षेत्र में लगातार सक्रिय

हैं। उनकी एक पुस्तक ‘जादू की छड़ी’ प्रकाशित हो चुकी है। वे गद्य गुंजन ड पत्रिका की संपादक हैं। उनके कई आलेख निपुण संवाद एवं अन्य पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होते रहते हैं।

इनरहिल डे पर उल्लासपूर्ण पिकनिक का आयोजन, सदस्यों ने मनाया उत्सव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। इनरहिल डे के अवसर पर इनरहिल क्लब द्वारा एक उल्लासपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण पिकनिक आयोजन क्लब की सक्रिय सदस्य पूनम सिंह ने अपने फार्म हाउस पर की जहां बड़ी संख्या में क्लब की सदस्याओं ने गरिमाययी उपस्थिति दर्ज कराई कार्यक्रम के दौरान इनरहिल संगठन की गतिविधियों, इतिहास एवं उद्देश्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने हेतु एक रोचक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके साथ ही अंतराक्षरी, हाउसी तथा विभिन्न मनोरंजक खेलों का माध्यम से सभी सदस्यों ने आपसी सौहार्द, उत्साह और मित्रता के भाव के साथ इस दिवस को यादगार बनाया। इस अवसर पर क्लब की अध्यक्ष शीतू



गांधी ने सभी सदस्यों के साथ मित्रकर केक काटा और इनरहिल के 102 गौरवशाली वर्षों की सभी को हादिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपने संबोधन में इनरहिल के सेवा, मित्रता एवं नेतृत्व जैसे मूलभूत मूल्यों को रेखांकित करते हुए संगठन की निरंतर सामाजिक प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। एमपी जैन ने बताया कि कार्यक्रम में पीडीसी श्वेता सिंह, डॉ एडिटर नीलू अरोड़ा, उपाध्यक्ष

अर्णवां भारती, सचिव नीलांजना, कोषाध्यक्ष रुचिका, आईएसओ सुधा बिदेसरिया, एडिटर रेखा सिंह, कंचन राय, नीतू बिला, सुनीता अग्रवाल, मुदित अग्रवाल, रितु जैन, अनीता, शिल्पी चाचन, रीता सहित अनेक सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता की। सौहार्द, मनोरंजन और संगठनात्मक एकता से परिपूर्ण यह आयोजन इनरहिल की भावना को सशक्त रूप से प्रतिबिंबित करता रहा।

मकर संक्रांति पर ब्रह्मर्षि समाज एकजुट

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राजधानी के यूथ हॉस्टल परिसर में आपन माटी बिहार के तत्वावधान में आयोजित ब्रह्मर्षि मकर संक्रांति मिलन समारोह में ब्रह्मर्षि समाज के हजारों की संख्या में भूमिहार समाज के लोगों ने शिरकत किया। समाज से आए हुए लोगों ने एकजुटता का परिचय देते हुए मकर संक्रांति मनाया तथा एक दूसरे को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं भी दी। मालूम हो कि आपन माटी बिहार द्वारा समय-समय पर कई सामाजिक कार्य किए जाते हैं। जैसे कड़ाके की ठंड के दौरान



गरीबों के बीच मुफ्त कंबल वितरण तथा इस ब्रह्मर्षि समाज के प्रतिभावान लोगों को सम्मानित करने का काम भी प्रत्येक वर्ष आपन माटी बिहार द्वारा किया जाता रहा है। इस मौके पर आपन माटी बिहार के सक्रिय सदस्य अविनाश कुमार ने कहा कि आपन माटी बिहार के

तमाम सदस्यों ने इस समारोह के सफल संचालन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इनके सहयोग तथा समर्पण के कारण समय-समय पर कई सामाजिक कार्य किए जाते हैं। इस अवसर पर स्वामी सहजानंद सरस्वती के चित्र पर पुष्पांजलि भी अर्पित किया गया। इस आयोजन में

डॉ. सी.पी. ठाकुर (पूर्व केंद्रीय मंत्री), विवेक ठाकुर (सांसद, नवादा), देवेश कांत (विधायक, गोरैयाकोठी), दीपक ठाकुर, अनु शुक्ला (पूर्व विधायक), बिना देवी (पूर्व सांसद), दिलमणि देवी (पूर्व विधायक), डॉ. अभिषेक सिंह (डायरेक्टर, ज्योतिपुंज), सायन कुणाल (सदस्य, धार्मिक न्यास बोर्ड), डॉ. सहजानंद प्रसाद सिंह, डॉ. ऋषभ, डॉ. राजेश रंजन, डॉ. रणधीर, पंकज कुमार, प्रभाकर जी (एसडीएम), डॉ. रवेश चौधरी, डॉ. शरद एवं बिरलु बाबू सहित कई गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही।

राज्यों की हकमारी कर रही केंद्र की मोदी सरकार : राजेश राम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पटना महानगर कांग्रेस कमिटी के द्वारा नेशनल हाल कदमकुआ में आयोजित मनरेगा बचाओ संग्राम कार्यक्रम के अंतर्गत उपवास सत्याग्रह कार्यक्रम के तहत एकदिवसीय उपवास का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष राजेश राम और अध्यक्षता पटना महानगर कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष शशि रंजन ने किया। उपवास सत्याग्रह के समापन के बाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि मनरेगा देश के गरीब और



श्रमिक वर्ग का कानूनी अधिकार है। इसके नाम या स्वरूप के साथ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ कांग्रेस किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2005 में कांग्रेस नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने इस योजना

को लागू कर ग्रामीण गरीबों को रोजगार की गारंटी दी जिससे बेरोजगारी, भुखमरी और मजबूरी में होने वाले पलायन पर प्रभावी रोक लगी। प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की नीतियों के कारण यह ऐतिहासिक

योजना कमजोर होती जा रही है और नाम बदलने के साथ इसके मूल आत्मा को बदलने का प्रयास संविधान की धर्मनिरपेक्ष भावना के खिलाफ है। उन्होंने मजदूरों के सवाल उठाते हुए कहा कि मजदूरी समय पर क्यों नहीं मिल रही, काम के अवसर क्यों घटाए जा रहे हैं और बजट में लगातार कटौती क्यों की जा रही है। कार्यक्रम का अध्यक्षता कर रहे पटना महानगर अध्यक्ष शशि रंजन ने कहा कि महात्मा गांधी के नाम के साथ राजनीतिक प्रयोग लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा है और केंद्र सरकार गरीबों के अधिकार छीनने की कोशिश कर रही है।



नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पटेल समाज की ओर से राजधानी के दरोगा राय पथ स्थित पटेल भवन में दही चूड़ा भोज मिलन समारोह का आयोजन किया गया जहां मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पूर्व केंद्रीय मंत्री आरपी सिंह सहित कई लोगों ने हिस्सा लेकर दही चूड़ा भोज का आनंद लिया। इस मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वहां मौजूद सरदार पटेल की मूर्ति पर माल्यार्पण कर लोगों का अर्चवादन स्वीकार किया। इस मौके पर पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री मेरे अभिभावक हैं यदि कोई गलती हुई है तो अभिभावक के नाते मुझे क्षमा करें वे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ

लंबे समय प्रशासनिक और राजनीतिक साथ रहा है हम उनसे अलग कैसे हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि नीतीश बाबू ने 25 साल में बिहार का विकास किया है वह ऐतिहासिक है। श्री सिंह ने कहा कि इस कार्यक्रम का आयोजन पटेल परिवार के द्वारा किया गया है। पटेल परिवार का इतिहास शिवाजी से आरंभ होता है। स्वतंत्रता आंदोलन में सरदार पटेल की भूमिका रहा है। उन्होंने देश का नक्शा बनाया था। उन्होंने कहा कि पटेल समाज की संख्या बिहार के हर जिले में है और यह समाज पूरी तरह से एकजुट है। हमारा समाज एक विकासशील समाज है और इसी समाज से हमारे नीतीश कुमार हैं जिसका हमें गर्व है।

मौके पर कार्यक्रम के संयोजक शंकर पटेल ने कहा कि कार्यक्रम में लगभग पांच हजार से अधिक पटेल समाज के लोगों ने हिस्सा लेकर दही चूड़ा भोज का आनंद लिया। कार्यक्रम में आगत अतिथियों का स्वागत सह संयोजक जितेन्द्र पटेल व जदयू महासचिव रणविजय कुमार ने किया। इस मौके पर राज्य सभा सांसद संजय झा, विधान परिषद सदस्य अनामिका सिंह पटेल, सीमा पटेल, जदयू नेता इशानुल्लाह, रामचरित्र प्रसाद, बाल श्रमिक आयोग के उपाध्यक्ष अरविंद सिंह, इन्द्र जीत पटेल, राधिका पटेल, ललिता पटेल, संजू कुमारी, सतेन्द्र सिंह सहित बड़ी संख्या में पटेल समाज के लोगों ने हिस्सा लिया।

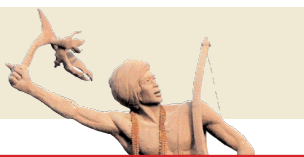
वरिष्ठ पत्रकार हरेन्द्र प्रताप राष्ट्रीय हिन्दू वाहिनी से जुड़े

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। लेखक एवं पत्रकार हेन्रद प्रताप सिंह को राष्ट्रीय हिन्दू वाहिनी संगठन में शामिल किया गया है और राष्ट्रीय मीडिया प्रभावी तथा दिल्ली प्रदेश प्रवक्ता बनाया गया है। यह निर्णय संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश चंद्र द्विवेदी उर्फ राजू शै्या की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया। यह जानकारी राष्ट्रीय हिन्दू वाहिनी संगठन के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं उपाध्यक्ष मिनय शांडिल्य ने आज यहां दी। श्री प्रताप पिछले साल अक्टूबर में भारत सरकार के एम एम एई मंत्रालय से संयुक्त निदेशक पद से रिटायर होने के बाद फिर से फकातिता के प्रोफेशन में शामिल हो गए हैं। इससे पहले भी अस्सी और नब्बे के दशक में वे नवभारत टाइम्स और रंडिओ - टेलीविजन के पत्रकार रह चुके हैं। वे सन 1990 से 1993 तक बिहार श्रमजीवी पत्रकार यूनियन में उपाध्यक्ष और



महासचिव, उसके बाद टाइम्स ऑफ इंडिया एम्प्लॉयज यूनियन के उपाध्यक्ष तथा सन 2024 से अपने भारतीय उद्यम विकास सेवा के सरकारी एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुके हैं। राष्ट्रीय हिन्दू वाहिनी संगठन में नये दायित्व को संभालने तथा संगठन की ओर से भारतीय संस्कृति को मजबूत करने की बड़ी जिम्मेदारी लेने के अवसर पर अनेक बुद्धिजीवियों ने श्री प्रताप को बधाई दी है।



संपादकीय

बांग्लादेश में पिछले कुछ महीनों से जिस तरह की अराजकता बेलगाम होती देखी जा रही है, उससे साफ है कि बदलाव की मांग के साथ वहां जो आंदोलन शुरू हुआ था, वह अब दिशाहीन हो चुका है। अब वहां हो रही लक्षित हिंसा की घटनाएं व्यापक चिंता का कारण बन रही हैं। गौरतलब है कि पिछले दो दिनों में जिन दो लोगों की हत्या कर दी गई, उनकी सामुदायिक पहचान हिंदू थी। सोमवार रात को वहां के नरसिंगदी शहर में

अज्ञात हमलावरों ने एक किराना दुकान के चालीस वर्षीय मालिक की हत्या कर दी। इस घटना से कुछ घंटे पहले ही जेस्सोर जिले में एक अन्य व्यापारी की सिर में गोली मार कर जान ले ली गई, जो एक अखबार के कार्यवाहक संपादक भी थे। इसके अलावा, एक विधवा से सामूहिक बलात्कार, उसका निर्मम उत्पीड़न करने और उसका वीडियो बना कर जारी कर देने की भी खबर आई। इससे पहले भी वहां हिंदू पहचान को

निशाना बना कर हत्या की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं।साफ है कि बांग्लादेश में जायी हिंसा और अफरा-तफरी अब किसी खास एजंडे के तहत हो रही लगती है। वरना क्या कारण है कि एक ही प्रकृति की घटनाएं लगातार सामने आने और इसी वजह से नई जटिलताएं खड़ी होने के बावजूद वहां की अंतरिम सरकार इसे रोकने को लेकर कुछ भी ठोस कदम नहीं उठा रही है। यह बेवजह नहीं है कि लगातार और सरेआम हो रही

हत्या की घटनाओं से स्थानीय अल्पसंख्यक समुदायों के आम लोगों और व्यापारियों के बीच असुरक्षा की भावना बढ़ती जा रही है।अशांति और हिंसा की घटनाओं में तेजी की तात्कालिक वजह जुलाई, 2024 के विद्रोह के एक प्रमुख नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या हो सकती है, जो भारत का कट्टर आलोचक भी था। अगर हादी का मकसद देश को बदलना था, तो क्या उसका रास्ता यह होगा कि वहां के अल्पसंख्यक तबकों और खासतौर पर

चुन कर हिंदू पहचान वाले निंदोष लोगों की हत्या की जाए? फिर अगर अराजकता का यह सिलसिला जारी रहता है और वहां की सरकार तथा कानून-व्यवस्था संभालने वाली एजेंसियां ऐसी घटनाओं को रोक नहीं पाती हैं, तो इसके क्या मायने निकाले जाएंगे? बांग्लादेश में तत्कालीन शेख हसीना सरकार के खिलाफ विद्रोह की घोषित वजहें चाहे जो रही हों, लेकिन आज वहां भीड़तंत्र जिस तरह हावी होता दिख रहा है।

विश्व में हिन्दी की बढ़ती साख: भारत में उपेक्षा क्यों?

(ललित गर्ग)

इस दिवस को मनाने का उद्देश्य दुनियाभर में फैले हिंदी जानकारों, हिन्दीभाषियों को एकजुट करना, हिन्दी की विश्व स्तर पर स्थापित एवं प्रोत्साहित करना और हिंदी की आवश्यकता से अवगत कराना है। अंग्रेजी भाषा भले ही दुनियाभर के कई देशों में बोली है और लिखी जाती है लेकिन हिंदी हृदय की भाषा है। विश्व हिन्दी दिवस विश्व में हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिये जागरूकता पैदा करने तथा हिन्दी को अन्तरराष्ट्रीय भाषा के रूप में मान्यता दिलाने का प्रभावी उपक्रम है। हिंदी मात्र संवाद की भाषा नहीं है, वह भारतीय सभ्यता, संस्कृति, संवेदना और सामूहिक चेतना की वाहक है। यह लोक से उपजी, लोक में पली और लोक के लिए ही जीने वाली भाषा है। हिंदी का सबसे बड़ा गुण उसकी सहजता, सरलता और वैज्ञानिक संरचना है। यह ध्वन्यात्मक भाषा है, जिसमें जैसा लिखा जाता है वैसा ही बोला जाता है, जिससे इसे सीखना और अपनाना अपेक्षाकृत सरल हो जाता है। यही कारण है कि जिन देशों में भारतीय प्रवासी बसे हैं, वहां हिंदी ने सहज ही अपनी जड़ें जमा ली हैं। एशिया, अफ्रीका, यूरोप और अमेरिका तक हिंदी आज केवल भारतीयों की भाषा नहीं, बल्कि सांस्कृतिक संवाद की भाषा बनती जा रही है। योग, आयुर्वेद, भारतीय दर्शन, बॉलीवुड, भक्ति साहित्य और डिजिटल माध्यमों ने हिंदी को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह दुनिया की तीसरी या चौथी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है, अंग्रेजी और मंदारिन चीनी के बाद, और भारत के साथ-साथ नेपाल, मॉरीशस, फिजी जैसे देशों में भी इसका व्यापक उपयोग है और यह विश्व स्तर पर लोकप्रिय हो रही है।

विश्व में लगभग साठ-सत्तर करोड़ से अधिक लोग हिंदी बोलते, समझते या किसी न किसी रूप में उससे जुड़े हैं। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हिंदी की उपस्थिति निरंतर बढ़ रही है। विश्व हिंदी सम्मेलन, जिसकी शुरुआत 1975 में नागपुर में हुई थी, आज एक वैश्विक वैचारिक आंदोलन

विश्व में लगभग साठ-सत्तर करोड़ से अधिक लोग हिंदी बोलते, समझते या किसी न किसी रूप में उससे जुड़े हैं। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हिंदी की उपस्थिति निरंतर बढ़ रही है। विश्व हिंदी सम्मेलन, जिसकी शुरुआत 1975 में नागपुर में हुई थी, आज एक वैश्विक वैचारिक आंदोलन का रूप ले चुका है। हर वर्ष 10 जनवरी को मनाया जाने वाला विश्व हिंदी दिवस केवल एक औपचारिक या प्रतीकात्मक आयोजन नहीं है, बल्कि यह हिंदी भाषा की वैश्विक यात्रा, उसकी बढ़ती प्रतिष्ठा, उसके सामने उपस्थित चुनौतियों और हमारे अपने राष्ट्रीय आचरण की विडंबनाओं पर गहन चिंतन का अवसर है। यह दिन हमें उस ऐतिहासिक क्षण की स्मृति कराता है जब पहली बार संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिंदी बोली गई थी और भारत की सांस्कृतिक आत्मा ने विश्व मंच पर अपनी मौलिक पहचान दर्ज कराई थी। आज स्थिति यह है कि हिंदी विश्व में सम्मान, स्वीकार्यता और लोकप्रियता की नई ऊँचाइयों को छू रही है, लेकिन अपने ही देश में वह अपेक्षा, उपेक्षा और संकोच के बीच झूलती दिखाई देती है। यही विरोधाभास विश्व हिंदी दिवस को और अधिक प्रासंगिक बना देता है।



का रूप ले चुका है। इन सम्मेलनों ने यह सिद्ध किया है कि हिंदी केवल भावनाओं या साहित्य की भाषा नहीं, बल्कि विचार, विज्ञान, कृत्नीति और वैश्विक संवाद की भी सक्षम भाषा है। हिंदी को वैश्विक मंच पर आत्मसम्मान और स्वाभिमान के साथ प्रस्तुत करने का श्रेय यदि किसी भारतीय नेता को जाता है, तो वे पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी हैं। 1977 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिंदी में दिया गया उनका भाषण केवल भाषण नहीं था, बल्कि वह एक सांस्कृतिक उद्घोषणा थी। अटल बिहारी वाजपेयी ने यह सिद्ध कर दिया कि हिंदी में भी अंतरराष्ट्रीय राजनीति, शांति, निरस्त्रीकरण और मानवता जैसे गहन विषयों पर प्रभावी संवाद संभव है। उनके लिए हिंदी भावुक आग्रह नहीं, बल्कि राष्ट्रबंध

की सशक्त अभिव्यक्ति थी। उन्होंने हिंदी को सत्ता की भाषा बनाने का प्रयास नहीं किया, बल्कि उसे संवाद और आत्मगौरव की भाषा के रूप में प्रतिष्ठित किया। वैश्वीकरण और उदारीकरण के दौर में हिंदी की यात्रा कुछ हद तक धीमी अवश्य हुई, विशेष रूप से शासन और उच्च प्रशासनिक स्तर पर। अंग्रेजी को आधुनिकता, सफलता और वैश्विकता का प्रतीक मान लिया गया, जबकि हिंदी को प्रायः भावनात्मक या घरेलू दायरे में सीमित कर दिया गया। शिक्षा, न्यायपालिका, कॉर्पोरेट जगत और उच्च प्रशासन में हिंदी अपेक्षित स्थान नहीं बना सकी। हालांकि हिंदी साहित्य, पत्रकारिता और सिनेमा ने इस दौर में भी अपनी सृजनात्मक ऊर्जा बनाए रखी, लेकिन नीतिगत स्तर पर हिंदी को वह प्राथमिकता

नहीं मिल पाई जिसकी वह हकदार थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में हिंदी ने एक बार फिर वैश्विक मंच पर आत्मविश्वास के साथ उपस्थिति दर्ज कराई है। वे विश्व के किसी भी मंच पर हिंदी में बोलने से संकोच नहीं करते। संयुक्त राष्ट्र महासभा, जी-20 सम्मेलन, शंघाई सहयोग संगठन या प्रवासी भारतीयों के कार्यक्रम, हर जगह उनकी हिंदी यह संदेश देती है कि अपनी भाषा में बोलना कमजोरी नहीं, बल्कि आत्मबल का परिचायक है। नरेंद्र मोदी ने हिंदी को अनुवाद की बैसाखी के सहारे नहीं, बल्कि उसकी मौलिक शक्ति के साथ प्रस्तुत किया। डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया जैसे अभियानों में हिंदी को केंद्र में रखा गया, जिससे आम नागरिक का शासन से

सवाद आंधक सुलभ और प्रभावी हुआ। सरकारी योजनाओं, मोबाइल ऐप्स और डिजिटल प्लेटफॉर्मस पर हिंदी की बढ़ती उपस्थिति ने यह सिद्ध किया कि तकनीक और हिंदी एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हो सकते हैं। इसके बावजूद यह एक कटु सत्य है कि हिंदी आज विश्व में जितनी प्रतिष्ठित हो रही है, उतनी ही अपने ही देश में उपेक्षित होती जा रही है। अंग्रेजी को सामाजिक प्रतिष्ठा और बौद्धिक श्रेष्ठता का पैमाना बना दिया गया है। माता-पिता अपने बच्चों को अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाकर गर्व महसूस करते हैं, जबकि हिंदी माध्यम को हीन दृष्टि से देखा जाता है। यह समस्या भाषा की नहीं, मानसिकता की है। यह मानसिक गुलामी है, जो हमें अपनी ही भाषा से दूर करती जा रही है। राजनीतिक दल हिंदी की बात तो करते हैं, लेकिन उसे शिक्षा, न्याय और प्रशासन की मुख्यधारा में स्थापित करने के लिए ठोस इच्छाशक्ति का अभाव दिखाई देता है। हिंदी एक वैज्ञानिक भाषा भी है, यह तथ्य अक्सर उपेक्षित रह जाता है। इसकी वर्णमाला उच्चारण विज्ञान पर आधारित है। इसमें नए शब्द गढ़ने और विदेशी शब्दों को आत्मसात करने की अद्भुत क्षमता है। संस्कृत से जुड़ी होने के कारण यह तकनीकी, दार्शनिक और वैज्ञानिक शब्दावली के निर्माण में पूरी तरह सक्षम है। हिंदी में भावनाओं की अभिव्यक्ति जितनी सहज है, उतनी ही तार्किक और

बौद्धिक विमर्श का भा क्षमता है। यही कारण है कि हिंदी जनभाषा होते हुए भी वैश्विक संवाद की भाषा बनने की पूरी क्षमता रखती है। सच्चाई तो यह है कि देश में हिंदी अपने उचित सम्मान को लेकर जुझ रही है। राजनीति की दूषित एवं संकीर्ण सोच का परिणाम है कि हिन्दी को जो सम्मान मिलना चाहिए, वह स्थान एवं सम्मान आजादी के अमृत महोत्सव मना चुके राष्ट्र में अंग्रेजी को मिल रहा है। अंग्रेजी और अन्य विदेशी भाषाओं की सहायता जरूर ली जाए लेकिन तकनीकी एवं कानून की पढ़ाई एवं राजकाज की भाषा के माध्यम के तौर पर अंग्रेजी को प्रतिबंधित या नियंत्रित किया जाना चाहिए। आज भी भारतीय न्यायालयों में अंग्रेजी में ही कामकाज होना राष्ट्रीयता को कमजोर कर रहा है। हिन्दी के बहुआयामी एवं बहुतायत उपयोग में ही राष्ट्रीयता की मजबूती है, जीवन है, प्रगति है और शक्ति है किन्तु इसकी उपेक्षा में विनाश है, अगति है और स्थलन है। एथनोलॉग के वर्ल्ड लैंग्वेज डेटाबेस के 22वें संस्करण में बताया गया है कि दुनियाभर की 20 सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषाओं में 6 भारतीय भाषाएं हैं, इनमें हिंदी विश्व में तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा बन गयी है। हिंदी का भविष्य उज्ज्वल है, लेकिन यह भविष्य तभी साकार होगा जब हम स्वयं अपनी

दुनिया के नक्शे में कहां है ग्रीनलैंड? इसके लिए क्यों आक्रामक हैं डोनाल्ड ट्रंप

(यशवीर सिंह)

अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि रूस और चीन आर्कटिक क्षेत्र में अपनी सैन्य और नौसैनिक मौजूदगी बढ़ा रहे हैं। ऐसे में ग्रीनलैंड अमेरिका को इन गतिविधियों पर नजर रखने और संभावित मिसाइल खतरों को समय रहते पहचानने में मदद करता है। डेनमार्क का ग्रीनलैंड इन दिनों सुरिखों में है। वजह है अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का ग्रीनलैंड पर ‘कब्जा’ करने से जुड़ा बयानःड डोनाल्ड ट्रंप के इस बयान से न सिर्फ डेनमार्क बल्कि पूरे यूरोप में हड़कंप मचा हुआ है। डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को बयान के बाद एक इंटरव्यू में कहा कि अमेरिका लंबे समय से चले आ रहे समझौते पर निर्भर रहने के बजाय पूरे ग्रीनलैंड का स्वामित्व चाहते हैं। ट्रंप जिस समझौते की बात कर रहे थे, उसके तहत अमेरिका को डेनमार्क और ग्रीनलैंड की सहमति से वहां सैन्य अड्डे स्थापित करने के व्यापक अधिकार प्राप्त हैं।

कहां है ग्रीनलैंड? ग्रीनलैंड कहां है? इस पर बात करने से पहले बात करते हैं डेनमार्क परःड डेनमार्क यूरोप का एक देश है। डेनमार्क मुख्य रूप से जमीन के तीन टुकड़ों में बंटा हुआ है। पहला, डेनमार्क - जो मुख्य यूरोपीय भूमि है। इसमें जूटलैंड प्रायद्वीप और कई बड़े द्वीप (जैसे जीलैंड, फ्यून, बोर्नहोम) शामिल हैं।

दूसरा ग्रीनलैंड - यह उत्तरी अटलांटिक और आर्कटिक सागर के बीच स्थित दुनिया का सबसे बड़ा द्वीप है। यह डेनमार्क राज्य का स्वायत्त क्षेत्र है। यह भौगोलिक रूप से उत्तरी अमेरिका का हिस्सा माना जाता है, लेकिन राजनीतिक और प्रशासनिक रूप से किंगडम ऑफ डेनमार्क का हिस्सा है। तीसरा फ़ैरो आइलैंड्स -यह द्वीपसमूह उत्तरी अटलांटिक सागर में मौजूद है और डेनमार्क के लिए एक स्वायत्त क्षेत्र है।

ग्रीनलैंड का स्थान आर्कटिक में अत्यंत रणनीतिक और सामरिक रूप से महत्वपूर्ण है। यह कनाडा के एक द्वीप के साथ करीब डेढ़ किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है। रूस, चीन और अमेरिका के बीच चल रही

वर्तमान प्रतिस्पर्धा के दौर में यह स्थान और महत्वपूर्ण हो जाता है। ग्रीनलैंड के पास प्राकृतिक संसाधन और समुद्री मार्ग हैं जिनके कारण भूमि का महत्व और भी बढ़ जाता है। ग्रीनलैंड में करीब 56,000 लोग रहते हैं। इनमें ज्यादातर इनुइट समुदाय से हैं। ग्रीनलैंड की अर्थव्यवस्था ज्यादातर मछली पकड़ने पर निर्भर है। इसके अलावा वहां के लोगों को डेनमार्क सरकार से आर्थिक मदद के रूप में सब्सिडी मिलती है। ग्रीनलैंड की राजधानी नूक और डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन के बीच सीधी दूरी (विमान मार्ग) लगभग 3,540 किलोमीटर है। नूक (ग्रीनलैंड) और कोपेनहेगन (डेनमार्क) के बीच की दूरी तय करने में सीधी फ्लाइट के जरिए लगभग साढ़े चार से पांच घंटे का समय लगता है। वर्तमान हालातों को देखकर लगता है कि अमेरिका इस बार ग्रीनलैंड को लेकर ज्यादा सीरियस है। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने गुरुवार को ही मीडिया से बातचीत में कहा है कि यूरोपीय नेताओं को अमेरिकी राष्ट्रपति को गंभीरता से लेना चाहिए। जेडी वेंस ने कहा, हम अपने यूरोपीय मित्रों से कह रहे हैं कि वे उस भूभाग की सुरक्षा को अधिक गंभीरता से लें, क्योंकि अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो अमेरिका को कुछ कदम उठाने पड़ेंगे। बीबीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, शीत युद्ध के समय अमेरिका ने ग्रीनलैंड में परमाणु मिसाइलें लगाने की योजना बनाई थी, लेकिन तकनीकी दिक्कतों और डेनमार्क के विरोध के कारण यह योजना रद्द कर दी गई। ग्रीनलैंड में स्थित पिटुर्फिक स्पेस बेस (पहले थुले एयर बेस) को अमेरिका द्वितीय विश्व युद्ध से चला रहा है। आज यह बेस मिसाइलों पर नजर रखने का काम करता है। हाल के वर्षों में ग्रीलैंड के खनिज संसाधनों में दुनिया की रुचि बढ़ी है। यहां रेयर अर्थ खनिज, यूरेनियम और लोहा मिल सकता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यहां तेल और गैस भी हो सकते हैं। न्तेबल वॉर्मिंग के कारण बर्फ पिघल रही है, जिससे इन संसाधनों तक पहुंचना आसान हो सकता है।

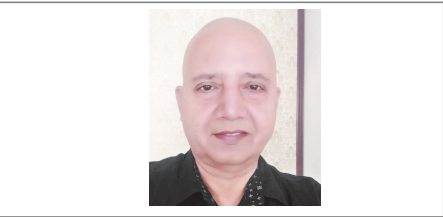
ट्रंप के 500 प्रतिशत टैरिफ हथौड़े का वार बेअसर करेगी मोदी की ढाल

(नीरज कुमार दुबे)

देखा जाये तो अमेरिकी राजनीति में आक्रामक व्यापार नीति की वापसी हो चुकी है । डोनाल्ड ट्रंप के दौर की टैरिफ भाषा जोर पकड़ रही है । इसी कड़ी में अमेरिका ने भारत के नेतृत्व वाले अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन से खुद को अलग कर लिया है जिससे यह संकेत भी मिला है कि वह जलवायु और व्यापार दोनों मोर्चों पर बहुपक्षीय सहयोग से पीछे हट रहा है । अमेरिका की इस रणनीति से सिर्फ भारत या चीन ही नहीं बल्कि यूरोपीय संघ भी असहज है और वहां भी अमेरिकी धमकियों को लेकर बेवैनी बढ़ रही है ।वैसे भारत की स्थिति इस पूरे घटनाक्रम में अलग दिखाई देती है ।हालिया आंकड़ों के अनुसार अमेरिकी टैरिफ के बावजूद भारत का निर्यात तीन वर्षों की सबसे तेज दर से बढ़ा है । घरेलू मांग में मजबूती, उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं, विनिर्माण को बढ़ावा देने और नियमों को सरल बनाने से भारतीय उद्योग को नया आत्मविश्वास मिला है । साथ ही मोदी सरकार ने उपभोक्ताओं को राहत देकर और सुधारों को तेज कर यह संदेश दिया है कि बाहरी दबावों के आगे झुकने की बजाय भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखेगा । हम आपको यह भी बता दें कि अमेरिका की इस आक्रामक नीति से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर भी असर पड़ने की आशंका है । यूरोपीय संघ के लिए यह चेतावनी है कि अमेरिका अपने हितों के लिए किसी को भी निशाना बना सकता है ।वहीं भारत ने साफ कर दिया है कि वह दबाव की कूटनीति से नहीं बल्कि आर्थिक ताकत से जवाब देगा । देखा जाये तो अमेरिका का 500 प्रतिशत टैरिफ का शोर दरअसल डर की राजनीति है ।

विश्व हिन्दी दिवस पर विशेष

संस्कृत नहीं, हिंग्लिश होगी सन् 2047 में विकसित भारत की जनभाषा !



हरेन्द्र प्रताप

आजकल संस्कृत और संस्कृति चर्चा में हैं और देवनागरी लापता हो रही है। विश्व हिन्दी दिवस का आज उत्साह अवश्य है लेकिन देवनागरी लिपि को बचाने और बढ़ाने का प्रयास कहीं नहीं है। विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर भारत में महाराष्ट्र से लेकर दिल्ली तक पिछले कई दिनों से कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। विदेश में व्यापार से लेकर मॉरीशस तक में हिन्दी का गुणगान आज विशेष रूप से किया जा रहा है। आज ही के दिन दिल्ली में विश्व पुस्तक मेला भी आरंभ हो चुका है। मेला में विदेशी भागीदारी भी हो रही है और इस बार कतर तथा स्पेन आकर्षण का केंद्र बन रहे हैं। इसमें भी हिन्दी दिखाई दे रही है। हां, सब कुछ अधिक औपचारिक और वास्तविक सच्चाई को झुल्लाता प्रतीत हो रहा है। मुख्य अतिथि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान भारतीय नेताओं की ख्याति के अनुरूप आज दो घंटे विलम्ब से पहुंचे। जाहिर है कि ठंड, प्रदूषण और सियासी कोहरे का असर इस मौसम में दिल्ली में कुछ ज्यादा ही रहता है। इसलिए माननीय मंत्री जी भी मेले में कुछ परेशान दिखे। उद्घाटन के अवसर पर दिखाई गई

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास की लघु सरकारी फिल्म में लेखक शशि थरूर अधिक चमकते दिखाई दिए। धर्मेन्द्र प्रधान जी ने अपना लिखित भाषण एक सांस में पढ़ दिया। स्पेन और कतर के माननीय अतिथियों ने सक्षिप्त भाषण दिया। पुस्तकों के माध्यम से भारतीय सेना के तीनों अंगों की साहसिक प्रस्तुति इस मेले में सबसे आकर्षक नवाचार है।

दिल्ली के प्रगति मैदान में आज का दिन वैसे तो विश्व पुस्तक मेला के नाम था लेकिन आकर्षण का केंद्र बने भारत के सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ! उन्हें सुनने के लिए भीड़ उमड़ पड़ी थी और वे हिन्दी में अपेक्षाकृत अधिक सारागर्भित एवं सामयिक भाषण दे रहे थे। वे भारत मंडपम में स्वामी विवेकानंद की स्मृति में आयोजित एक अलग कार्यक्रम को गर्मजोशी से संबोधित कर रहे थे। धर्मेन्द्र प्रधान के विलंब से आने का पूरा लाभ अजीत डोभाल के कार्यक्रम को मिला !

सवाल है कि विश्व हिन्दी दिवस पर संस्कृत और संस्कृति की स्मृति अचानक क्यों हुई ?

दरअसल अभी कुछ दिन पहले कुछेक मुस्लिम भाई यह चिंता प्रकट कर रहे थे कि भारत में संस्कृत को राष्ट्र भाषा या राजभाषा बनाने की अफवाह गर्म है। यह आश्चर्यजनक अफवाह है ! सच तो यह है कि भारत में संपूर्ण देवनागरी लिपि ही खतरे में है। सरकार, नागरिक और सोशल मीडिया तीनों मिलकर हिन्दी और विशेषकर देवनागरी लिपि को लगातार खतरा पहुंचा रहे हैं। गौर से देखने पर विश्व पुस्तक मेला भी इसी सच को उद्घाटित करता प्रतीत हो रहा है। हंस प्रकाशन के स्टॉल पर पहले ही दिन जब

गुज़लकार मृत्युंजय गोविन्द की नई-नवेली पुस्तक -+ पत्थरों का शहर - दिखाई पड़ी और उनके कुछेक प्रशंसकों ने व्हाट्सएप पर उन्हें बधाई भेजने का प्रयास किया तो व्हाट्सएप ने अंग्रेजी के काप्रेचुलेशन की तर्ज पर हिन्दी के शब्द बधाई के लिए कोई डिजिटल उपहार या इमोजी स्वतः प्रस्तुत नहीं दिखाए ! विदेशी सोशल मीडिया का यह दोहरा व्यवहार हिन्दी के प्रयोग को हतोत्साहित करता है। व्हाट्सएप ने यह भी ध्यान नहीं रखा कि आज विश्व हिन्दी दिवस है !

विश्व हिन्दी दिवस पर हिन्दी वालों, हिन्दुस्तानियों और विदेश में रह रहे तमाम हिन्दी प्रेमियों को विशेष रूप से सबसे पहले आज यह चिंतन करना चाहिए कि हम हिन्दी को बढ़ाने में योगदान दे रहे हैं या इसकी लिपि को इसकी विवादों के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं और हिंग्लिश के विकसित होने का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं ! विश्व हिन्दी दिवस और विश्व पुस्तक मेला का आयोजन यदि इसी तरह होता रहा और हम अपने देश में भारतीय भाषाओं की आपसी खींचतान तथा कवि गोष्ठियों में ही उलझे रहे तो सन् 2047 में संस्कृत नहीं, हिंग्लिश भारत की जनभाषा के रूप में राज करती नजर आएगी और आने वाले कल में हिन्दी की स्थिति बीते कल की संस्कृत जैसी हो जाएगी जो सिर्फ पूजा - पाठ और काव्य - कथा की भाषा बनकर यदा - कदा प्रयोग में सुनाई देगी। और, इसका नुकसान सिर्फ अकेले हिन्दी की देवनागरी लिपि को नहीं होगा बल्कि उन सभी भारतीय भाषाओं को होगा जो देवनागरी लिपि में प्रयोग में लाई जाती हैं।

यहां यह भी महत्वपूर्ण है कि हिन्दी से अधिक खतरा भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की एक अन्य प्रमुख भारतीय भाषा उर्दू को है। इसलिए सभी हिन्दुस्तानियों को भारतीय भाषाओं और भारतीय संस्कृति को सहजने और उसे नया विस्तार देने का प्रयास मिल कर करना चाहिए और अफवाहों से सचेत रहना चाहिए।

संस्कृति भी इन दिनों खतरे में है और सिर्फ नुमाइशी बनती जा रही है। विश्व पुस्तक मेला भी इसकी गवाही दे रहा है। पुस्तक संस्कृति विलुप्त हो रही है और विभिन्न अपसंस्कृतियों के कारनामों के बीच मुप्तखोरी की संस्कृति बेहिसाब बढ़ती जा रही है। फुरी बस में बैठ कर फ्री टिकट वाले मेले में पहुंच कर भी यदि हम पुस्तक सहित अन्य चीजों को फ्री में लेने के लिए उमड़ पड़ें तो यह देश, संस्कृति और हिन्दी के लिए कहीं से भी लाभकारी नहीं है। मेले में पहले ही दिन फ्री में कई दिलचस्प नजारे देखने को मिले। उद्घाटन मंच से मेहमानों के जाते ही उनके बचे - खुचे मेवों को लेने के लिए अनेक लोग मंच पर चढ़ गये। जब दिल्ली का यह हाल है तो बाकी जगह क्या हो रहा होगा !

संस्कृति के मामले में इसी मेले में हमें मेहमान भागीदार कतर और स्पेन तथा अन्य देशों से सीखना चाहिए। वे अपनी भाषा और संस्कृति के प्रति हमसे अधिक संवेदनशील और सतर्क हैं। क्यों ? इसका उत्तर आप इस मेले में और विश्व हिन्दी दिवस के अब तक के आयोजनों में ढूंढ सकते हैं।

अवैध हथियार व मादक पदार्थ तस्करी गिरोह के चार सदस्य गिरफ्तार: एसपी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। नगर थाना पुलिस ने मादक पदार्थ तस्कर गिरोह का भंडाफोड़ कर चार आरोपी को गिरफ्तार किया है। एसपी शिखर चौधरी ने प्रेस वार्ता कर बताया कि नगर थानाध्यक्ष सुमन कुमार सिंह को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि शहर के डहेरिया लक्ष्मी टोला निवासी रितेश कुमार अपने घर में अवैध हथियार एवं मादक पदार्थ रखा हुआ है।

उक्त सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु थानाध्यक्ष नगर द्वारा अपने पुलिस बल के साथ रितेश कुमार के घर पर छात्रमारी की गई। छापेमारी के क्रम में रितेश कुमार के घर से तीन देशी कट्टा, दो जिंदा कारतूस, 8.07 ग्राम स्मैक, एक इलेक्ट्रॉनिक तराजू, एक मोबाइल

कटिहार पुलिस की बड़ी कार्रवाई, हथियार, नकदी व स्मैक बरामद



फोन, 1,000/- मूल्य का भूमि एग्रीमेंट से संबंधित कागजात तथा नगद 3,55,040/- बरामद किया गया। उसके बाद रितेश कुमार पिता-स्व. रघु राम, साकिन डहेरिया लक्ष्मी

टोला, थाना नगर, जिला कटिहार को विधिवत गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के उपरांत रितेश कुमार के स्वीकारोक्ति बयान के आधार पर यह जानकारी प्राप्त हुई कि सुजीत कुमार

नवगछिया निवासी अवैध मादक पदार्थ तस्करी में संलिप्त है। उक्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए बाटा चौक से मोटरसाइकिल सवार तस्कर सुजीत कुमार (32) पिता

नित्यानंद मंडल हरनाथ चक्र थाना नवगछिया, जिला भागलपुर को 09.167 किलोग्राम गांजा, 101.57 ग्राम स्मैक, दो मोबाइल फोन तथा नगद 410/- के साथ विधिवत गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार दोनों अभियुक्तों की निशानदेही पर तस्करी एवं गिरोह में संलिप्त दो अन्य अभियुक्त उमेश महतो उर्फ बल्लू पिता कपिलदेव महतो और जलज कुमार पिता दीपक कुमार साह दोनों डहेरिया थाना नगर जिला कटिहार निवासी को गिरफ्तार किया गया। उक्त संबंध में कांड दर्ज कर अग्रतर विधिप्रसंगत कार्रवाई की जा रही है। पूर्व से अपराधिक इतिहास रहा है।

मनरेगा पर कांग्रेस का हल्ला बोल

गांधी प्रतिमा के समक्ष एकदिवसीय उपवास

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। पूरे देश में केंद्र सरकार के मनरेगा के नाम बदलने के फैसलों के खिलाफ कांग्रेस के विरोध जारी है। इसी कड़ी में कटिहार में भी जोरदार प्रदर्शन देखने को मिला। कटिहार कांग्रेस अध्यक्ष सुनील कुमार यादव के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने शहीद चौक स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष एकदिवसीय उपवास रखकर मनरेगा योजना के नाम परिवर्तन और केंद्रशासित हिस्सों के प्रतिशत में बदलाव के खिलाफ अपना विरोध दर्ज करवाया।

इस दौरान शहीद चौक पर बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता जुटे और केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कार्यक्रम में कटिहार कांग्रेस के अध्यक्ष सुनील कुमार यादव के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने शहीद चौक स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष एकदिवसीय उपवास रखकर मनरेगा योजना के नाम परिवर्तन और केंद्रशासित हिस्सों के प्रतिशत में बदलाव के खिलाफ अपना विरोध दर्ज करवाया।



बदलकर इसकी मूल भावना पर चोट की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कांग्रेस इस फैसले का हर मंच पर विरोध करेगी और जरूरत पड़ने पर आंदोलन को और तेज किया जाएगा। वहीं कांग्रेस जिला अध्यक्ष सुनील कुमार यादव ने कहा कि मनरेगा के नाम और फंडिंग पैटर्न में बदलाव का सीधा असर गरीब मजदूरों, ग्रामीणों और महिलाओं पर पड़ेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार राज्यों पर हिस्सेदारी का बोझ बढ़ाकर अपनी जिम्मेदारी से बचना चाहती है। जिससे पहले से आर्थिक दबाव झेल रहे राज्यों की स्थिति और खराब होगी।

मनिहारी विधायक मनोहर प्रसाद सिंह ने कहा कि गांधी प्रतिमा के समक्ष उपवास रखकर कांग्रेस ने यह संदेश दिया है कि गरीबों के अधिकारों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि

मनरेगा को कमजोर करने की किसी भी कोशिश का कांग्रेस लोकतांत्रिक तरीके से डटकर मुकाबला करेगी। कार्यक्रम में गुलाम शाहिद, सऊद मुखिया, रामचंद्र सिंह, वेदानंद त्रिवेदी, गोपाल यादव, संजय कुमार सिंह, संजय सिंह, शंकर सिंह, बिमल सिंह बेगानी, विनोद यादव, पंकज तंबाकूवाला, शाहनवाज खान, राज आनंद सिंह, गुलाम मो. शहदुल हक, मो. असलम, सिमरनजीत सिंह, संतोष यादव, अरुण प्यासा, डॉ. बिपिन सिंह, नवीन खंडेलिया, मुकेश साह, धनंजय ठाकुर, पुतल सिंह, रिकू मिश्रा, आदिल, रियाज, सिकंदर मंडल, राजेश उरांव, विनय मंडल, मो. फारूक, अजित झा, निरंजन मंडल, मो. वहाब, प्रीतम चक्रवर्ती, डॉ. तरन्नुम, मौलाना अबुल कलाम आजाद, मुरारी यादव सहित सैकड़ों कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रथम मुख्यमंत्री डॉ. श्रीकृष्ण सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि



पटना/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। डॉ. श्रीकृष्ण सिंह फाउंडेशन द्वारा विश्वेश्वरवारा नगर में मकर संक्रांति मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें कृषि मंत्री रामकृपाल यादव, सदस्य बिहार विधानपरिषद सह जदयू प्रवक्ता नीरज कुमार, पूर्व विधायक अजय कुमार सिंह, चेयरमैन बिहार बार कौंसिल रमाकांत शर्मा, हम महिला प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ. स्मिता शर्मा, डॉ. हरिहर दीक्षित, डॉ.रीदू कुमार शर्मा, डॉ. मूल्यंज, डॉ. सुनील, डॉ. शिवेन्द्र, एवं सैकड़ों शहर के समानित लोग बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री डॉ. श्रीकृष्ण सिंह जी चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किए।

नेकी की दीवार से मिली ठंड में राहत, गरीबों को बांटे गए गर्म कपड़े

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरारी /कटिहार। कड़के की ठंड से जुझ रहे गरीब और असहाय लोगों के लिए प्रतिज्ञा सोशल वेलफेयर फाउंडेशन ने एक बार फिर मानवता की मिसाल पेश की है। फाउंडेशन के तत्वावधान में नगर पंचायत बरारी स्थित श्री भगवती मंदिर, बरारी हाट के मुख्य द्वार की दीवार पर लहने की दीवारह का बैनर लगाकर सैकड़ों जरूरतमंदों के बीच गर्म कपड़े, कंबल व अन्य वस्तुओं का वितरण किया गया।

गर्म कपड़े पाकर गरीब और बुजुर्ग लाभार्थियों के चेहरे पर राहत और मुस्कान नजर आई। लाभार्थियों ने बताया कि इस भीषण ठंड में जहां लोग घरों से निकलने में भी कतराते हैं। वहीं प्रतिज्ञा सोशल वेलफेयर फाउंडेशन के कार्यकर्ताओं ने स्वयं



आगे बढ़कर गरीबों की मदद की। उन्होंने कहा कि यह सेवा कार्य पिछले 7-8 वर्षों से लगावार किया जा रहा है, जिसे वे जीवन भर याद रखेंगे। इस पहल से उन गरीब-असहाय परिवारों को विशेष राहत मिली, जिनके पास ठंड से बचाव के लिए गर्म कपड़े खरीदने की सामर्थ्य नहीं है। कार्यक्रम को सफल बनाने में

फाउंडेशन की सचिव पम्मी चौधरी, गंगा समग्र के जिला संयोजक नवीन चौधरी बाबा, जिला सह संयोजक मनोज साह, छोट्ट चौधरी, बरारी हाट लेसी मुकेश चौधरी, मनीष झा, गौम झा, समाजसेवी गौतम भगत, अभय जायसवाल सहित अन्य समाजसेवियों की अहम भूमिका रही। इस अवसर पर फाउंडेशन की सचिव

पम्मी चौधरी ने आम लोगों से अपील करते हुए कहा कि जिनके घरों में अतिरिक्त या उपयोग में नहीं आने वाले गर्म कपड़े हों, वे उन्हें संस्था को उपलब्ध कराएं। ऐसे कपड़ों को चिन्हित कर जरूरतमंद और असहाय परिवारों तक पहुंचाया जाएगा, ताकि समाजसेवियों की अहम भूमिका रही। ठंड के इस मौसम में कोई भी राहत से वंचित न रहे।

शिक्षाविद सह जदयू नेता के पिता के निधन पर शोक की लहर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। जयमाला शिक्षा निकेतन के निदेशक डॉ. सुशील कुमार सुमन के पिताजी जयचंद्र प्रसाद का असाधारण निधन से शोक की लहर छ गयी। वे एक अत्यंत सरल, संस्कारी, कर्मठ एवं मार्गदर्शक व्यक्तित्व के धनी थे।

समाज और परिवार में उन्हें विशेष सम्मान एवं आदर प्राप्त था। श्री जयचंद्र प्रसाद अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। जिसमें उनकी ज्येष्ठ पुत्री अंजू कुमारी, बड़े पुत्र डॉ. सुशील कुमार सुमन निदेशक, जयमाला शिक्षा निकेतन तथा छोटे पुत्र संतोष कुमार सुमन निदेशक जयमाला शिक्षा निकेतन, जेपी नगर, पूर्णिया शामिल हैं। दोनों पुत्रों से चार पौत्र संकित आनंद, अरिपत आनंद, आर्यन



एवं रायन, दो नाती एवं एक नातिनी भी हैं। उनके नाती-नातिन सभी स्वावलंबी हैं। एक नाती एवं नातिनी

शिक्षक के रूप में कार्यरत हैं, जबकि एक नाती परिवहन विभाग में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उनके निधन से

परिवार सहित संपूर्ण जयमाला शिक्षा निकेतन परिवार, शिक्षा जगत तथा समाज में शोक की लहर है। समाज के गणमान्य लोगों, शिक्षाविदों एवं शुभचिंतकों ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त दूरभाष और शरीक रूप से करने वालों परिवहन मंत्री श्रवण कुमार, बिहार विधान परिषद के उपनेता ललित सराफ, जेडीयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, सदर विधायक सह पूर्व उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद, कदवा विधायक सह पूर्व सांसद दुलाल चन्द्र गोस्वामी जेडीयू मुख्यालय प्रभारी चंदन सिंह, जेडीयू के प्रदेश महासचिव शिवप्रकाश गारोदिया ने दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोक संस परिवार को यह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मनसाही के सेवानिवृत्त प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी का निधन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही/कटिहार। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मनसाही के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. प्रकाश (60) का निधन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कुसेला में हो गया। वे 31 दिसंबर 2025 को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मनसाही से प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी के पद सेवानिवृत्त हुए थे। वह कुसेला में रहते थे।

रविवार की सुबह में अचानक तबीयत खराब हुआ। जहां उनके परिजन तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कुसेला में भर्ती कराया। जहां उनका निधन हो गया। इस मौके पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मनसाही के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर प्रेमराज ने शोक व्यक्त करते हुए कहा



कि लगातार कई वर्षों से इनके देखरेख में कार्य किए काफी मिलनसार व्यक्ति थे हम लोगों को काफी भी किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं हुआ। सभी स्वास्थ्य कर्मी कुसेला आवास पहुंचे उससे पहले ही उनके पार्थिव शरीर को उनके परिजन उनके आवासीय मकान पर जल दिया गया। ताकि वे कठिन परिस्थितियों का सामना आत्मबल

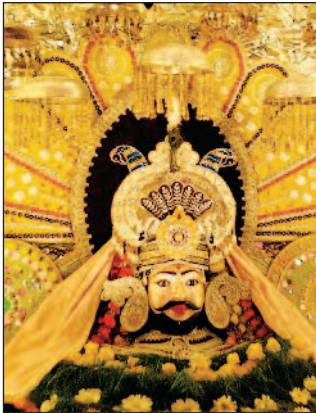
भागवत कथा सप्ताह शांतिपूर्वक सम्पन्न होने पर जिलावासियों का आभार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। श्री श्याम मित्र मंडल अपने संस्था के स्वर्ण जयंती महोत्सव साप्ताहिक श्रीमद् भागवत श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ दिव्य और भव्य कार्यक्रम को सुचारु एवं सुव्यवस्थित रूप से संचालित करने में समस्त कटिहार वासियों के प्रति आभार व्यक्त किया है।

संस्था के मिडिया पंकज तमाखुवाला ने बताया कि यह आयोजन आपके सेवा समर्पण और भक्तिभाव के बगैर अथवा श्री श्याम मित्र मंडल ने अपनी ओर से कटिहार वासियों से कहा कि अगर जाने - अनजाने में कोई त्रुटि के लिए क्षमा भी मांगी है। यह हमारे कटिहार का ऐतिहासिक, धार्मिक, आध्यात्मिक श्रीमद्भागवत महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन समस्त कटिहार वासियों

श्री श्याम मित्र मंडल की ओर से आभार के साथ क्षमा याचना भी



का था। आध्यात्मिक ग्रंथों में श्रेष्ठ श्रीमद्भागवत कथा महापुराण की कथा पाठ बेहद सुंदर, रोचक एवं सारगर्भित ढंग से आचार्य श्री गौरवकृष्ण गोस्वामी



ने किया। इनके प्रति एवं इनकी पूरी टीम के प्रति संस्था आभार व्यक्त करती है, नमन करती है। कथा वाचन के समय उपस्थित श्रद्धालुजन भक्ति, श्रद्धा और

सत्संग के अमृत से अभिभूत भावुक दिखाई दे रहे थे। आप लोगों के वजह से ही संस्था के सदस्यों के अंदर भी एक जलन स्फूर्ति थी। यह भव्य

श्रीमद्भागवत आयोजन यहां आए सभी श्रद्धालुओं के कारण सफल हुआ। इसके लिए श्री श्याम मित्र मंडल की ओर से सभी श्रद्धालुओं, स्वयंसेवी संस्थाओं के पदाधिकारी एवं सदस्यगण, सभी जनप्रतिनिधियों, जिला प्रशासन एवं जिला पुलिस प्रशासन, प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के बंधुओं, नगर निगम, सफाईकर्मी, बिजली विभाग के साथ साथ हमारे संस्था के सभी सदस्यों एवं परोक्ष या अपरोक्ष रूप से दिए गए साथ को कोटि कोटि धन्यवाद दिया। इस दौरान अध्यक्ष अरुण परशुरामपुडिया, उपाध्यक्ष प्रकाश तमाखुवाला, गोपी तमाखुवाला, सचिव कमल शर्मा, सह सचिव श्रवण मोर, विकास खंडासिया, मनोज, अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल पंचांगद वाक्य, मुरारी यादव, बंटी अग्रवाल, गौतम खंडेलिया आदि सक्रिय रहे।

महिला यात्री का खोया सामान रेलकर्मियों ने लौटाया

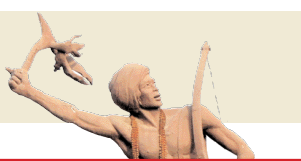
नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। यात्रियों की सुरक्षा एवं उनकी खोई हुई संपत्ति को सुरक्षित लौटाना भारतीय रेल की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसी क्रम में बीती रात को नाइट ड्यूटी के दौरान सीटीआई पूर्णिया में कार्यरत राजेश कुमार ने ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा का सराहनीय उदाहरण प्रस्तुत किया। नाइट ड्यूटी के दौरान प्लेटफार्म संख्या एक पर खड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस की एक महिला यात्री का कीमती पर्स प्लेटफार्म पर छूट गया। उक्त पर्स को तत्परता दिखाते हुए जीआरपी स्टाफ की निगरानी में सुरक्षित रखा गया। इसके उपरांत स्टेशन परिसर में बार-बार उद्घोषणा करवाई गई। जब उद्घोषणा के माध्यम से यात्री से संपर्क नहीं हो सका, तब श्री राजेश कुमार द्वारा स्वयं ट्रेन के प्रत्येक डिब्बे में जाकर आगमन लगाकर



महिला यात्री को खोजा गया। अंततः संबंधित महिला यात्री की पहचान कर पर्स उन्हें सुरक्षित रूप से सौंप दिया गया। पर्स में एक महंगा मोबाइल फोन सहित अन्य महत्वपूर्ण व कीमती सामान मौजूद था। अपना खोया हुआ सामान सुरक्षित पाकर महिला यात्री ने

रेल प्रशासन एवं ड्यूटी पर तैनात कर्मियों के प्रति आभार व्यक्त किया। घटना भारतीय रेल के कर्मचारियों की ईमानदारी, सतर्कता एवं यात्रियों के प्रति संवेदनशीलता को दर्शाती है। रेल प्रशासन श्री राजेश कुमार के इस प्रशंसनीय कार्य को सराहना करता है।



टिम कुक के बाद कौन संभालेगा एपल की कमान रेस में सबसे आगे जॉन र्त्नस

नई दिल्ली, एंजेंसी। दुनिया की सबसे मूल्यवान टेक कंपनी एपल में भविष्य के नेतृत्व को

किया है, जिसमें 2020 में इंटेल चिप्स को हटाकर एपल की अपनी चिप्स का उपयोग



लेकर सुगबुहाट तेज हो गई है। मौजूदा सीईओ टिम कुक (65) के संभावित उत्तराधिकारी के रूप में कंपनी के भीतर एक नाम सबसे मजबूती से उभरा है- जॉन र्त्नस। एपल के हार्डवेयर इंजीनियरिंग के हेड, र्त्नस को टिम कुक की जगह लेने के लिए 'फ्रंट-रनर' (सबसे आगे) माना जा रहा है। 150 वर्षीय जॉन र्त्नस ने 2001 में एपल जॉइन किया था और वे पिछले तीन दशकों में हार्डवेयर पर काम करने वाले पहले ऐसे सीईओ हो सकते हैं। शिक्षा और शुरुआत: पेंसिल्वेनिया यूनिवर्सिटी से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में ग्रेजुएट र्त्नस ने अपने करियर की शुरुआत वर्तुअल रियलिटी स्टार्टअप से की थी। एपल में उन्होंने मैक की स्क्रीन पर काम करने से शुरुआत की और धीरे-धीरे पूरे हार्डवेयर विभाग के प्रमुख बन गए,। बड़ी उपलब्धियाँ: हाल के वर्षों में, र्त्नस ने एपल के कई बड़े बदलावों का नेतृत्व

करना और 'आईफोन एयर' का विकास शामिल है। एपल के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, र्त्नस की कार्यशैली स्टीव जॉब्स के जोखिम भरे 'विजनरी' अंदाज के बजाय टिम कुक के 'स्थिर और प्रबंधकीय' दृष्टिकोण से मिलती है। र्त्नस को कंपनी की बॉटम लाइन (मुनाफ़े) का ध्यान रखने के लिए जाना जाता है। उदाहरण के लिए, जब आईफोन में एक महंगा लेजर कैमरा कंपोनेंट जोड़ने की बात आई, तो र्त्नस ने इसे केवल महंगे 'प्रो' मॉडल्स तक सीमित रखने का सुझाव दिया। उनका तर्क था कि केवल वफादार ग्राहक ही इसके लिए अधिक भुगतान करेंगे, जिससे कंपनी का मुनाफा सुरक्षित रहा। र्त्नस को 'मैन ऑफ द पीपल' कहा जाता है। प्रमोशन मिलने के बाद भी उन्होंने अलग केबिन लेने से इनकार कर दिया और अपनी टीम के साथ ओपन ऑफिस में बैठना पसंद किया।

2030 तक भारत में बिकने वाले आधे से ज्यादा बॉडी लोशन ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से खरीदे जाएंगे

नई दिल्ली, एंजेंसी। भारत में बॉडी लोशन की खरीदारी का

उत्पादों का प्रतिशत बढ़ रहा है। आने वाले समय में भी यह



बड़ा हिस्सा आने वाले वर्षों में ऑनलाइन होने वाला है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2030 तक भारत में बिकने वाले आधे से ज्यादा बॉडी लोशन ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए खरीदे जाएंगे। शनिवार को जारी यह रिपोर्ट रेडसीर स्टूटेजी कंसल्टंट्स ने तैयार की है। रिपोर्ट में बताया गया है कि मध्यम दाम वाले लेकिन गुणवत्ता में बेहतर (जिनकी कीमत लगभग 1.5 से 6 रुपये प्रति मिलीलीटर होती है) ब्रांड आगे चलकर बाजार में बड़ी हिस्सेदारी हासिल करेंगे। ऐसे ब्रांड ऑनलाइन बिक्री के कुल मौकों में 30 प्रतिशत से ज्यादा योगदान देंगे। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि वर्ष 2025 तक ऑनलाइन बिक्री की हिस्सेदारी में पर्सनल केयर

स्थिति बनी रहने की उम्मीद है। भारत में शहरी महिलाओं द्वारा ई-कॉमर्स पर बढ़ते ब्यूटी खर्च का असर बॉडी लोशन सेगमेंट पर भी दिखेगा। इसके अलावा, जो ब्रांड शुरु से ही डिजिटल मंचों पर बने हैं, वे भी ऑनलाइन बिक्री को तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं। रिपोर्ट में ब्रांड्स को सलाह दी गई है कि वे बॉडी लोशन के बाजार में आगे बढ़ने के लिए पारंपरिक तरीकों से हटकर सोवें। इनमें प्लेटफॉर्म-आधारित डिस्ट्रीब्यूशन स्ट्रैटेजी शामिल हैं, सीधे उपभोक्ता तक पहुंचने वाले मॉडल को मजबूत करना, उपभोक्ताओं की पसंद को समझने के लिए गहराई से आंकड़ों का विश्लेषण करना और उसी आधार पर उत्पाद, कीमत और पैक के आकार तय करना जरूरी है।

15 लाख रुपये की सैलरी पर भी नहीं देना होगा इनकम टैक्स, एक ट्रिक बचाएगी पैसा

नई दिल्ली, एंजेंसी। साल 2026 शुरू हो गया है। कुछ समय बाद इनकम टैक्स विभाग आईटीआर फॉर्म जारी करने शुरू कर देगा। नई टैक्स व्यवस्था में अगर आपकी सालाना सैलरी 12 लाख रुपये तक है, तो आपको कोई टैक्स नहीं देना पड़ता। लेकिन अगर आपकी कमाई इससे ज्यादा है, तो इनकम टैक्स डिपार्टमेंट आपको एक खास छूट देता है। इसे 'स्टैंडर्ड डिडक्शन' कहते हैं, जो 75,000 रुपये की होती है। यह छूट इनकम टैक्स एक्ट, 1961 के सेक्शन 115बीएसी(1ए) के तहत मिलती है। वहीं अगर आपकी

कमाई 12 लाख 75 हजार रुपये से ज्यादा हो जाती है, तब आपको



टैक्स भरना पड़ता है। लेकिन एक और तरीका है जिससे आप अपनी कमाई को टैक्स-फ्री रख सकते हैं, जो भी नई टैक्स व्यवस्था में।

आपको एम्प्लॉई प्रोविडेंट फंड (ईपीएफ) और नेशनल पेन सिस्टम (एनपीएस) में योगदान करने की सुविधा देता है, तो आप

अपनी 14.66 लाख रुपये तक की सैलरी को भी टैक्स-फ्री बना सकते हैं। करीब 15 लाख रुपये (14.66 लाख रुपये) की इनकम टैक्स फ्री कराने के लिए जरूरी है कि आपकी कंपनी ईपीएफ और एनपीएस दोनों का हिस्सा हो और आपको इनमें पैसे जमा करने की इजाजत दे। अगर आपकी कंपनी ईपीएफ में टैक्स छूट का फायदा तो देती है, लेकिन एमपीएस में नहीं, तब भी आप अपनी 13.56 लाख रुपये की सैलरी को नई टैक्स व्यवस्था में टैक्स-फ्री कर सकते हैं। मखीजानी गेरा एंड एसोसिएट्स एलएलपी के मैनेजिंग पार्टनर

गौरव मखीजानी बताते हैं कि नई टैक्स व्यवस्था चुनने वाले लोगों के लिए ईपीएफ में कर्मचारी के तौर पर जमा किए गए पैसे पर सेक्शन 80सी के तहत कोई छूट नहीं मिलती। यह पुरानी टैक्स व्यवस्था से अलग है, जहां ईपीएफ के पैसे पर सेक्शन 80ए में छूट मिल जाती थी। मखीजानी कहते हैं, 'यहां, एम्प्लॉयर (कंपनी) का योगदान बेसिक सैलरी और डियरनेस अलाउंस के 12 प्रतिशत तक दोनों ही टैक्स व्यवस्थाओं (पुरानी और नई) में टैक्स-फ्री रहता है। हालांकि, यह कुल 7.5 लाख रुपये की सीमा के अंदर होना चाहिए।

नई दिल्ली, एंजेंसी। केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने ब्रसेल्स की दो दिवसीय यात्रा के साथ भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते की बातचीत को नई गति दी है। 8 और 9 जनवरी को हुई इस यात्रा के दौरान उन्होंने यूरोपीय आयोग के व्यापार आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मारोस सेफकोविक के साथ उच्चस्तरीय वार्ता की, जिसमें लंबित मुद्दों को सुलझाने और समझौते को तेजी से आगे बढ़ाने पर मार्गदर्शन दिया गया। वार्ता के केंद्र में प्रस्तावित भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता

रहा। दोनों पक्षों ने किसानों और सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यमों के हितों की रक्षा पर जोर देते हुए भारतीय उद्योगों को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं से जोड़ने की आवश्यकता को रेखांकित किया। मंत्री गोयल ने कहा कि भारत और ईयू एक नियम-आधारित व्यापार ढांचे और आधुनिक आर्थिक साझेदारी के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो संतुलित और परस्पर लाभकारी हो। वाणिज्य मंत्रालय के बयान के अनुसार, दोनों नेताओं ने बाजार पहुंच, वस्तुओं के निर्यात, सेवाओं सहित विभिन्न वार्ता क्षेत्रों में हुई प्रगति की समीक्षा

की। मंत्रीस्तरीय चर्चा से यह संकेत मिला कि शेष मुद्दों को रचनात्मक संवाद के माध्यम से सुलझाने के लिए दोनों ओर मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति मौजूद है। मंत्रीस्तरीय बैठक से पहले 6-7 जनवरी को वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल और यूरोपीय आयोग की महानिदेशिका (ट्रूड) सबाइन वेयंड के बीच उच्चस्तरीय विचार-विमर्श हुआ। इसमें विभिन्न वार्ता ट्रैकों पर हुई प्रगति का जायजा लिया गया और मतभेदों को कम करने पर सहमति बनी। ब्रसेल्स से पहले मंत्री गोयल ने लिकटेंस्टीन का दौरा किया।

चीन में तीन साल बाद महंगाई दर 0.8 प्रतिशत बढ़ी

● पूरे साल महंगाई शून्य फीसदी रही ● सामान्य तौर पर किसी भी देश के लिए महंगाई का बढ़ना चिंता का विषय होता है

नई दिल्ली, एंजेंसी।

चीन में पिछले महीने (दिसंबर 2025) महंगाई तीन साल के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई। यह जानकारी शुक्रवार को सरकारी आंकड़ों से सामने आई। इससे पहले चीन में कई महीनों से महंगाई कम हो रही थी। सामान्य तौर पर किसी भी देश के लिए महंगाई का बढ़ना चिंता का विषय होता है। लेकिन, चीन के मामले में अभी स्थिति बिल्कुल उलटी है। पिछले लंबे समय से चीन

‘डिफ्लेशन’ यानी कीमतों में गिरावट और मंदी के जाल से जूझ रहा था। ऐसे में चीन में महंगाई के बढ़ने को सरकार और अर्थशास्त्री बिल्कुल अलग तरह से देखते हैं। चीन के राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो के अनुसार, दिसंबर में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित महंगाई दर पिछले साल के मुकाबले 0.8 फीसदी बढ़ गई। यह बढ़ोतरी फरवरी 2023 के बाद सबसे ज्यादा है। तब महंगाई दर 1

फीसदी थी। एनबीएस के सांख्यिकीविद डोंग लियुआन ने



बताया कि नए साल के आने और त्योहारी सीजन की वजह से लोगों

ने खरीदारी बढ़ाई। उन्होंने कहा कि सरकार की घरेलू मांग बढ़ाने और

खपत को बढ़ावा देने वाली नीतियों का असर दिख रहा है।

उन्होंने यह भी बताया कि महंगाई बढ़ने का मुख्य कारण खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़ना है।

पूरे साल 2025 में महंगाई दर शून्य फीसदी रही, जो 2009 के बाद सबसे कम है। चीन सरकार कोशिश कर रही है कि देश की अर्थव्यवस्था सिर्फ निर्यात और उत्पादन पर निर्भर न रहे, बल्कि घरेलू खपत पर भी ज्यादा ध्यान दे। लेकिन, इसमें अभी तक बहुत ज्यादा सफलता नहीं मिली है। कैपिटल इकोनॉमिक्स की

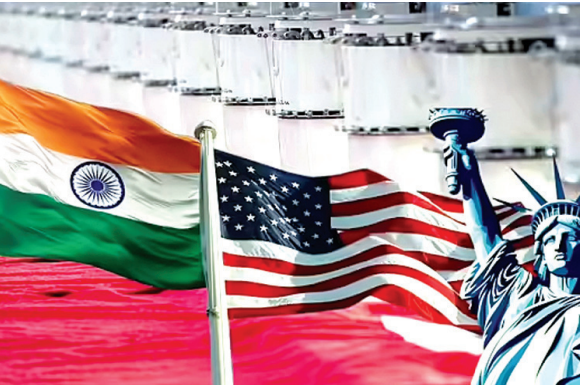
जिचुन हुआंग ने कहा कि चीन के फिर से खुलने के बाद से महंगाई दर सबसे ज्यादा बढ़ी है। लेकिन, उनका मानना है कि यह मौसम की वजह से खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़ने के कारण हुआ है, न कि सरकार की किसी खास नीति के कारण। उन्होंने कहा कि अगर मांग बढ़ाने के लिए मजबूत कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले सालों में भी उत्पादन ज्यादा होने और महंगाई कम रहने की समस्या बनी रहेगी।

बांग्लादेश की लग जाएगी बैठे-बिठाए लॉटरी

● 500 प्रतिशत टैरिफ की तलवार बढ़ रही भारत का सिरदर्द ?

नई दिल्ली, एंजेंसी। भारतीय गारमेंट इंडस्ट्री एक बड़े झटके की तैयारी करने लगी है। अमेरिका की ओर से 500 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी से निर्यात पर खतरा मंडरा रहा है। इससे फैक्ट्रियों का काम भी प्रभावित होने की आशंका है। निर्यातकों का कहना है कि खरीदारों का रख हाल के हफ्तों में तेजी से बदला है। अगर भारत पर इतने भारी-भरकम टैरिफ लगते हैं तो यह उसके लिए बैठे-बैठाए लॉटरी लगने जैसा होगा। बांग्लादेश को कीमत और प्रतिस्पर्धा के मोर्चे पर सीधा फायदा होगा। कॉटन टेक्सटाइल्स एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल के चेयरमैन विजय अग्रवाल ने ईटी को बताया, 'जो खरीदार पहले भारत में कुछ ऑर्डर शिप्ट करने की सोच रहे थे, वे अब आना ही नहीं चाहते। उन्होंने हमें लिखना शुरू कर दिया है, पृष्ठ रहे हैं कि अगर यह 500 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया तो क्या होगा, गारंटी कौन लेगा' यह चिंता ऐसे समय में सामने आई है जब

इंडस्ट्री अभी पिछले अगस्त में अमेरिका की ओर से लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ से पूरी तरह उबर भी नहीं पाई है। 50 प्रतिशत टैरिफ ने पहले ही निर्यातकों को



मुश्किल में डाल दिया था। उन्हें भारी छूट देनी पड़ी, अपनी खाली पड़ी क्षमता का इस्तेमाल घरेलू ब्रांडों के लिए करना पड़ा और विदेशी ऑर्डर को पड़ोसी देशों के रास्ते भेजना पड़ा। बुधवार को यह अनिश्चितता और बढ़ गई जब अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने

उन देशों पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाने के बिल को मंजूरी दे दी है जो रूस के साथ व्यापार जारी रखते हैं। 500 प्रतिशत टैरिफ लगने पर बांग्लादेश की लॉटरी लग जाएगी। अमेरिकी खरीदारों के लिए भारतीय गारमेंट्स अचानक महंगे हो जाएंगे। इससे बांग्लादेश को कीमत और प्रतिस्पर्धा के मोर्चे पर सीधा लाभ मिलेगा। गारमेंट सेक्टर बेहद कम मार्जिन पर काम करता है। ऐसे में अमेरिकी रिटेलर्स भारत के विकल्प के रूप में बांग्लादेश की ओर रुख करेंगे।

वहां लेबर कॉस्ट पहले से ही कम है। टैरिफ का बोझ भी नहीं होगा। यह स्थिति अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स को अपनी सप्लाई चेन भारत से हटाकर बांग्लादेश ट्रांसफर करने के लिए मजबूर करेगी। इससे बांग्लादेशी निर्यातकों को भारत के हिस्से वाला ग्लोबल मार्केट शेयर हथियाने का एक ऐतिहासिक अवसर मिल जाएगा। अमेरिका भारत के लिए कपड़ों और टेक्सटाइल का सबसे बड़ा बाजार है। भारत के कुल निर्यात का 28-30 प्रतिशत हिस्सा अमेरिका को जाता है। 2024-25 में भारत ने 37 अरब डॉलर के कपड़े और टेक्सटाइल का निर्यात किया। 50 प्रतिशत टैरिफ लगने के बाद से इस सेक्टर को स्थिर होने में काफी परेशानी हो रही है। कंफेडरेशन ऑफ इंडियन टेक्सटाइल इंडस्ट्री के आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल से नवंबर 2025 के बीच कपड़ों का निर्यात सिर्फ 2.28 प्रतिशत बढ़ा, जबकि टेक्सटाइल निर्यात में 2.27 प्रतिशत की गिरावट आई।

आरबीआई ने 200 अरब डॉलर से नीचे की अपनी बॉन्ड होल्डिंग

भारतीय अर्थव्यवस्था में बड़ा बदलाव

नई दिल्ली, एंजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक ने अपनी विदेशी मुद्रा प्रबंधन रणनीति में एक बड़ा और रणनीतिक बदलाव किया है।

डॉलर के उतार-चढ़ाव और वैश्विक भू-राजनीतिक जोखिमों से बचने के लिए भारत यह कदम उठा रहा है। एक तरफ जहां डॉलर



वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच भारत अब अपनी निर्भरता अमेरिकी डॉलर और वहां के सरकारी बॉन्ड से कम कर रहा है जबकि सोने पर भरोसा बढ़ा रहा है। अमेरिकी बॉन्ड में भारत का निवेश घटकर 200 अरब डॉलर से भी कम रह गया है आरबीआई ने अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड में अपनी हिस्सेदारी को तेजी से घटाया है। अब अमेरिकी बॉन्ड में भारत का निवेश घटकर 200 अरब डॉलर से भी कम रह गया है। पिछले एक साल के भीतर आरबीआई ने अपनी हिस्सेदारी में 50 अरब डॉलर से अधिक की कमी की है। जानकार मानते हैं कि

आधारित संपत्तियों को बेचा जा रहा है वहीं दूसरी तरफ आरबीआई अपने सोने के भंडार को लगातार मजबूत कर रहा है। भारत का कुल स्वर्ण भंडार अब बढ़कर 880 मीट्रिक टन तक पहुंच गया है। समय सबसे सुरक्षित संपत्ति माना जाता है इसलिए आरबीआई धीरे-धीरे अपनी विदेशी मुद्रा के एक बड़े हिस्से को सोने में बदल रहा है। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 685 अरब डॉलर के स्तर पर स्थिर है। यह विशाल भंडार भारत को आयात बिलों का भुगतान करने और रुपये की वैल्यू को स्थिर रखने में बड़ी मदद करता है।

जिसे लोग समझते थे सिरदर्द उसे बना दिया सोना ऐसे बजी दिमाग की घंटी, जीरो वेस्ट मॉडल वाला बिजनेस

नई दिल्ली, एंजेंसी।

ओडिशा के खोर्धा जिले के एक कपल ने मिसाल पेश की है। काशीनाथ जेना और उनकी पत्नी अनुसूया जेना की सफलता के सफर के तनों को एक लाभदायक व्यवसाय में बदल दिया है। यह वेस्ट-टू-वेल्थ की दिशा में उठाया गया कदम है। जहां कभी किसान इन तनों को हटाने के लिए पैसे खर्च करते थे या उन्हें खेतों में जला देते थे, आज वही कचरा उनके लिए अतिरिक्त कमाई का जरिया बन गया है। 'जयदेव बनाना फार्मर्स एंड आर्टिस्नस एसोसिएशन' के जरिये यह कपल कचरे को सोना बनाने का काम कर रहा है। यह स्टार्टअप फर्म हर महीने करीब 300 टन केले के कचरे को प्रोसेस करती है। उससे खाने-पीने, रोजमर्रा के इस्तेमाल और खेती से जुड़े 100 तरह के उत्पाद बनाती है। पति-पत्नी ने एक ऐसा बिजनेस खड़ा किया है जिसमें कोई कचरा नहीं होता। इस बिजनेस ने 2024-25 में 1 करोड़ रुपये का टर्नओवर हासिल किया। यह दंपति न केवल पर्यावरण को बचा रहा है, बल्कि 1,000 से अधिक किसानों के जीवन में समृद्धि ला

रहा है। आइए, यहां काशीनाथ जेना और उनकी पत्नी अनुसूया जेना की सफलता के सफर के



बारे में जानते हैं।

काशीनाथ जेना ने अपने गांव की यात्रा के दौरान देखा कि उपजाऊ जलोढ़ मिट्टी के कारण केले की खेती तो भरपूर हो रही है। लेकिन, फसल कटाई के बाद किसान उसके भारी-भरकम तनों के निपटान से परेशान हैं। केले का पौधा केवल एक बार फल देता है। इसके बाद उसका तना किसानों के लिए सिरदर्द बन जाता था क्योंकि इसे साफ करने के लिए उन्हें मजदूरों को पैसे देने पड़ते थे। काशीनाथ ने इस चुनौती को अवसर में बदलने की ठानी और विभिन्न राज्यों का दौरा कर केले के रेशे (फाइबर)

और उसके खाद्य उपयोगों का गहन अध्ययन किया। साल 2021 में इस दंपति ने अपनी

स्टार्टअप फर्म शुरू की। आज वे हर महीने लगभग 300 टन केले के कचरे को प्रोसेस कर रहे हैं। उन्होंने तकनीक और इनोवेशन के मेल से 100 से अधिक उत्पाद तैयार किए हैं। इन्हें खाद्य, उपयोगिता और कृषि श्रेणियों में बांटा गया है। तने के सबसे भीतरी कोमल हिस्से से अचार, जूस और मुरब्बा बनाया जाता है, जबकि बाहरी परतों से रेशा निकालकर उससे 'बनाना सिल्क' जैसी चमक वाली हाथ की कलाकृतियां, बैग और मैट तैयार किए जाते हैं। जो अवशेष बच जाता है, उससे जैविक खाद और कीटनाशक बनाए जाते हैं। इससे यह पूरी तरह 'जीरो-वेस्ट'

मॉडल बन गया है। इस पहल ने स्थानीय किसानों की किस्मत बदल दी है। अब किसानों को अपने खेत साफ करने के लिए खर्च नहीं करना पड़ता, बल्कि उन्हें प्रति पेड़ 10 रुपये की अतिरिक्त आय भी हो रही है। प्लास्टिक गुप्त के जरिये वेस्ट कलेक्शन की एक मजबूत सप्लाई चेन बनाई गई है, जहां किसान सूचना देते हैं और संस्था के वाहन खेत से खुद कचरा उठा लेते हैं। इस मॉडल से न केवल वायु प्रदूषण (जलाने से होने वाला) कम हुआ है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिली है। व्यापारिक नजरिये से यह स्टार्टअप एक बड़ी सफलता साबित हुआ है। वित्त वर्ष 2024-25 में इस वेंचर ने 1 करोड़ का टर्नओवर हासिल किया है। इसका टारगेट 2030 तक इसे 10 करोड़ तक पहुंचाना है। 1,000 किसानों के साथ शुरू हुआ यह सफर अब 3,000 किसानों को जोड़ने की ओर प्रयुक्त है। अपनी मेहनत और नवाचार के लिए जेना दंपति को कई पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है, जो यह साबित करता है कि सही सोच और तकनीक से कचरा भी बेशकीमती हो सकता है।

भारत-ईयू एफटीए के केंद्र में रहेंगे किसान और एमएसएमई

नई दिल्ली, एंजेंसी। केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने ब्रसेल्स की दो दिवसीय यात्रा के साथ भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते की बातचीत को नई गति दी है। 8 और 9 जनवरी को हुई इस यात्रा के दौरान उन्होंने यूरोपीय आयोग के व्यापार आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मारोस सेफकोविक के साथ उच्चस्तरीय वार्ता की, जिसमें लंबित मुद्दों को सुलझाने और समझौते को तेजी से आगे बढ़ाने पर मार्गदर्शन दिया गया। वार्ता के केंद्र में प्रस्तावित भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता

रहा। दोनों पक्षों ने किसानों और सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यमों के हितों की रक्षा पर जोर देते हुए भारतीय उद्योगों को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं से जोड़ने की आवश्यकता को रेखांकित किया। मंत्री गोयल ने कहा कि भारत और ईयू एक नियम-आधारित व्यापार ढांचे और आधुनिक आर्थिक साझेदारी के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो संतुलित और परस्पर लाभकारी हो। वाणिज्य मंत्रालय के बयान के अनुसार, दोनों नेताओं ने बाजार पहुंच, वस्तुओं के निर्यात, सेवाओं सहित विभिन्न वार्ता क्षेत्रों में हुई प्रगति की समीक्षा

की। मंत्रीस्तरीय चर्चा से यह संकेत मिला कि शेष मुद्दों को रचनात्मक संवाद के माध्यम से सुलझाने के लिए दोनों ओर मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति मौजूद है। मंत्रीस्तरीय बैठक से पहले 6-7 जनवरी को वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल और यूरोपीय आयोग की महानिदेशिका (ट्रूड) सबाइन वेयंड के बीच उच्चस्तरीय विचार-विमर्श हुआ। इसमें विभिन्न वार्ता ट्रैकों पर हुई प्रगति का जायजा लिया गया और मतभेदों को कम करने पर सहमति बनी। ब्रसेल्स से पहले मंत्री गोयल ने लिकटेंस्टीन का दौरा किया।

लापता बच्चे की बरामदगी को ले सड़क पर उतरे लोग

दो जनवरी को लापता हुए थे दोनों बच्चे, अपहृतों की मां की स्थिति गंभीर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
रांची। धुर्वा के मल्हार कोचा इलाके से दो जनवरी को लापता हुए मासूम अंश और अंशिका की अब तक सकुशल बरामदगी नहीं होने से पूरे धुर्वा क्षेत्र में गहरा आक्रोश और बेचैनी का माहौल है। बच्चों की तलाश में पुलिस की तमाम कोशिशों के बावजूद कोई ठोस सफलता नहीं मिलने के कारण स्थानीय लोगों का सन्न जवाब देने लगा है।

इसी आक्रोश के तहत रविवार को धुर्वा क्षेत्र पूरी तरह बंद रहा। इस बंदी का असर इतना व्यापक था कि धुर्वा औद्योगिक क्षेत्र का हदयस्थल कहे जाने वाले जाननाथपुर चौक से लेकर सेक्टर-2 मार्केट, सेक्टर-3 मार्केट, धुर्वा बस स्टैंड, शर्मा मार्केट, जेपी मार्केट और साप्ताहिक रूप से लगने वाला सेक्टर-2 का रविवार बाजार भी पूरी तरह ठप रहा।

बंदी के दौरान छोटी-बड़ी सभी दुकानें, ठेले, चाय-पान की गुमटियां तक बंद रही। अधिकांश दुकानदारों ने स्वेच्छ से अपनी दुकानें बंद रखीं, जबकि कुछ दुकानों के खुलने पर आंदोलनकारी लोगों ने उन्हें बंद रखने की अपील की। कुछ स्थानों पर जबरन दुकान बंद कराने की कोशिशें हुई, जिस पर पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा। पुलिस द्वारा खदेड़े जाने पर ऐसे लोग वहां से भाग गए। पूरे क्षेत्र में दिन भर सन्नाटा पसरा रहा और सड़कों पर आम दिनों की तुलना में काफी कम आवाजाही देखने को मिली।

बच्चों की गुमशुदगी को लेकर पुलिस भी पूरी तरह अलर्ट मोड में नजर आया। रांची जिले के सिटी एसपी, ग्रामीण एसपी और ट्रैफिक एसपी के साथ-साथ शहर के सभी थानों के इंस्पेक्टर और

थाना प्रभारी धुर्वा थाना में कैप किए हुए हैं। बच्चों की सकुशल वापसी को लेकर पुलिस की गतिविधियां लगातार जारी हैं। ग्रामीण एसपी स्वयं मोबाइल ट्रैकिंग से जुड़े सभी नंबरों की जांच कर रहे हैं और जो पुलिस टीमें बाहर भेजी गई हैं, उनकी भी लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं। पल-पल की जानकारी लेकर वे सभी टीमों को बारी-बारी से आवश्यक निर्देश दे रहे हैं। पुलिस जांच की व्यापकता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि अब तक करीब पांच हजार मोबाइल नंबरों और लगभग दो हजार सीसीटीवी कैमरों के फुटेज की जांच की जा रही है। जिस दिन दोनों बच्चे लापता हुए थे, उस दिन इलाके में साप्ताहिक बाजार लगा था। बाजार के कारण क्षेत्र में लोगों की आवाजाही अधिक थी और बड़ी संख्या में मोबाइल फोन सक्रिय थे। काल डंप निकालने पर हजारों मोबाइल नंबर एक्टिव पाए गए, जिसके चलते पुलिस को बड़े पैमाने पर मोबाइल नंबरों की छानबीन करनी पड़ रही है। तकनीकी जांच के साथ-साथ मानवीय सूचनाओं की भी गंभीरता से खंगाला जा रहा है।

इस मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस की विशेष टीमें राज्य से बाहर भी भेजी गई हैं। तीन टीमें भुवनेश्वर, जयपुर और दिल्ली के लिए रवाना हुई हैं, जहां संभावित ठिकानों और संदिग्ध गतिविधियों की जांच की जाएगी।

वहीं, बिहार और पश्चिम बंगाल भेजी गई दो टीमें जांच के बाद खाली हाथ लौट आई हैं। इसके बावजूद पुलिस का दावा है कि जांच सही दिशा में आगे बढ़ रही है और जल्द ही कोई अहम सुराग हाथ लग सकता है।

इस घटना का सबसे दर्दनाक पहलू बच्चों के परिवार की हालत है। दोनों बच्चों की मां नीतू की स्थिति बेहद चिंताजनक बताई जा रही है। वह अपने छोटे बच्चे के साथ सुबह से रात तक पलंग पर ही पड़ी रहती है और अब बोल पाने की स्थिति में भी नहीं है। घर में जो भी उनसे मिलने जाता है, उसे देखकर वह फूट-फूट कर रोने लगती है। मां का यह हाल देखकर परिवार के अन्य सदस्यों और मोहल्ले वालों की आंखें भी मन हो जाती हैं।

बच्चों की दादी की भी स्थिति ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि जिसने भी उनके पोते-पोतियों को ले गया है, अगर पैसे की जरूरत है तो वह अपना घर तक बेचकर दे देंगी। उनका कहना है कि बच्चों के वापस आने के बाद वह पूरे परिवार के साथ मनेर चली जाएंगी और फिर कभी रांची में नहीं रहेंगी। उनका यह बयान परिवार की टूट चुकी मानसिक स्थिति और गहरे सदमे को साफ तौर पर दर्शाता है।

बच्चों की तलाश और परिवार को ढांडस बंधाने के लिए कई सामाजिक और राजनीतिक लोग भी आगे आ रहे हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय भी बच्चों के घर पहुंचे और घरवालों से मुलाकात की। उन्होंने फोन पर एसएसपी से बातचीत कर बच्चों को जल्द से जल्द बरामद करने की मांग की। एसएसपी ने उन्हें आश्वासन दिया कि पुलिस का कई टीमें इस मामले पर लगातार काम कर रही हैं और जल्द ही कोई ठोस नतीजा सामने आएगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि दो जनवरी से अब तक कई दिन बीत चुके हैं, लेकिन बच्चों का कोई पता नहीं चलना बेहद चिंता का विषय है।

गौशाला से 30 बैलों को चुराकर ले गये नकाबपोश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
चाकुलिया। पूर्वी सिंहभूम जिले के चाकुलिया एरोड्रम परिसर में संचालित 'गोलोक धाम' गौशाला (ध्यान फाउंडेशन) में अपराधियों के बढ़ते मनोबल की एक बड़ी तस्वीर सामने आई है। 10 जनवरी की देर रात अज्ञात अपराधियों ने गौशाला की ईंट से बनी चारदीवारी को तोड़ दिया और वहां से 30 बैलों की चोरी कर ली। सर्राह हुई इस घटना के बाद गौशाला प्रबंधन और स्थानीय लोगों में आक्रोश और डर का माहौल है। गौशाला की संचालिका डॉ. शालिनी मिश्रा के अनुसार, घटना रात करीब 1:30 बजे की है। रात्रि प्रहरी हीरालाल ने गश्त के दौरान देखा कि वाई नंबर पांच की चारदीवारी टूटी हुई है और अंदर पांच नकाबपोश घुसे हुए हैं। शोर मचाने पर संस्था के कार्यकर्ता कौशिक मौके पर पहुंचे, लेकिन बदमाश तब तक अंधेरे का फायदा उठाकर भागने लगे। गौशाला प्रबंधन ने तुरंत चाकुलिया

थाना पुलिस को सूचित किया। पुलिस रात 2 बजे मौके पर पहुंची और तलाशी अभियान शुरू किया। तलाशी के दौरान चार गोवंश चारदीवारी के बाहर पाए गए, जिन्हें बदमाश शायद हड़बड़ी में छोड़ गए थे। रविवार को जब वाई के गोवंश की औपचारिक गिनती की गई, तो चौकाने वाले आंकड़े सामने आए। वाई में कुल 1960 बैल थे, जिनमें से अब केवल 1930 ही बचे हैं। इस संबंध में 30 बैलों की चोरी का लिखित आवेदन चाकुलिया थाने में दिया गया है। डॉ. शालिनी मिश्रा ने बताया कि गौशाला में चोरी का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी कई बार गोवंश चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं। अपराधियों का साहस इतना बढ़ गया है कि वे अब पक्की दीवारों को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा, अगर स्थिति यह है कि हमें गो-सेवा से अधिक गोवंश को चोरों से बचाने के लिए ऊर्जा लगानी पड़ रही है।

हाजत से फरारी का अब तक सुराग नहीं

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
पाकुड़। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश-वन कुमार क्रांति प्रसाद की अदालत ने बुधवार को जमीन विवाद में हुई हत्या के मामले में चार आरोपितों को दोषी करार दिया। दोषी ठहराए जाने के बाद चारों आरोपितों को कोर्ट हाजत के एएसआइ हिरेंद्र नाथ मंडल की सुरक्षा में सौंप दिया गया था। हालांकि, सजा की तिथि घोषित होने से पहले ही बड़ी लापरवाही सामने आई और चार में से दो दोषी न्यायालय परिसर से फरार हो

गए थे। जानकारी के अनुसार दोषी करार दिए गए आरोपितों में शिवधन मोहाली, कादू मोहाली उर्फ वकील मोहाली, सुनीलाल मोहाली और नरेन मोहाली शामिल हैं। इसी दौरान कोर्ट हाजत के एएसआइ हिरेंद्र नाथ मंडल बिना किसी को सूचना दिए पुलिस बुलाने के लिए हाजत की ओर चले गए थे। जब वे वापस लौटे तो पाया कि शिवधन मोहाली और नरेन मोहाली लुग शका जाने के बहाने फरार हो चुके हैं। फरार आरोपित अब भी पुलिस पकड़ से दूर हैं।

16 जनवरी तक ज्यादा ठंड रहने के आसार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता धनबाद। धनबाद सहित झारखंड के अधिकांश हिस्सों में अगले कुछ दिनों तक ठंड का असर बना रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार 10 से 16 जनवरी तक राज्य में सुबह के समय कोहरा छाए रहने और रात के बाद व सुबह के शुरूआती घंटों में बादल रहने की संभावना है। दिन में मौसम मुख्य रूप से शुष्क रहेगा, जबकि ठंडी हवाओं के कारण तापमान में हल्की गिरावट देखी जा सकती है।

धनबाद जिले में अब जहां दिन की धूप थोड़ी कड़ी है, वहीं शाम और रात में कनकनी लगा रही है। स्थिति यह है कि पश्चिमी हवाओं के कारण रातें सर्द हैं। मौसम विभाग के अनुसार धनबाद समेत राज्य के मध्य भाग के जिलों रांची, गुमला, हजारीबाग, खुंटी, रामगढ़, लोहरदगा व कोडरमा में शीतलहर की संभावना है।

न्यूनतम तापमान में गिरावट नहीं होगी, बल्कि दो से तीन डिग्री तक न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी हो सकती है। मौसम विभाग ने साफ किया है कि आगामी 16 जनवरी तक सुबह में कोहरा और धुंध रहेगा और बाद में आसमान साफ हो जाएगा। मौसम पूरी तरह से शुष्क रहेगा।

इस दिन अधिकतम तापमान करीब 21 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस के

आसपास रह सकता है। 11 और 12 जनवरी को भी यही स्थिति बनी रहेगी। सुबह के समय कोहरा छाने के बाद दिन में धूप निकलेगी, जिससे लोगों को ठंड से थोड़ी राहत मिलेगी। इस दौरान अधिकतम तापमान 22 डिग्री और न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। 13 और 14 जनवरी को सुबह-शाम ठंड और कोहरा का असर कुछ ज्यादा रह सकता है।

हत्यारे हाथी की खोज में जुटी वन विभाग की टीम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
चाईबासा। ओडिशा के सिमलीपाल वन्यजीव अभ्यारण्य से निकलकर अपने पारंपरिक कॉरिडोर के तहत हर वर्ष हाथियों का दल झारखंड व ओडिशा के विभिन्न क्षेत्रों में विचरण करता है लेकिन इस बार पश्चिमी सिंहभूम जिले में 20 लोगों की मौत का जिम्मेदार एक नर हाथी अपने साथी से मिलन (मैटिंग) के प्रयास में 25 हाथियों के झुंड से बिछड़कर इधर-उधर भटक रहा है। शुक्रवार की रात उक्त हाथी बेनीसागर के रास्ते सिमलीपाल वन्यजीव अभ्यारण्य के रूट पर आगे बढ़ा था। बेनीसागर से सिमलीपाल की दूरी महज 16 किलोमीटर है, लेकिन ओडिशा वन विभाग व पुलिस की टीम ने दो बार हाथी को खदेड़कर झारखंड की सीमा में वापस भेज दिया। इससे नर हाथी अपने साथी तक नहीं पहुंच पा रहा है, जिससे वह ओर अधिक उग्र होता जा रहा है। इस बीच, पश्चिमी सिंहभूम जिले में 20 लोगों को मौत के घाट उतारने वाले हमलावर हाथी का अंतिम लोकेशन शनिवार को मझगांव प्रखंड के हल्लिया जंगल क्षेत्र में मिलने की जानकारी वन विभाग को मिली है। इसकी पुष्टि करते हुए चाईबासा वन प्रमंडल पदाधिकारी आदित्य नारायण ने बताया कि हाथी की तलाश में वन विभाग की पूरी टीम लगी हुई है। उन्होंने बताया कि झारखंडझाओडिशा सीमा क्षेत्र बेनीसागर में वन विभाग की टीम पहले से तैनात थी।



ग्रामीणों से लगातार सूचना मिल रही थी कि हाथी विभिन्न गांवों में देखा गया है, लेकिन मौके पर पहुंचने पर स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पा रही थी। इसके बाद आधा दर्जन से अधिक गांवों और जंगलों में सर्च ऑपरेशन चलाया गया। अंततः अनुमान के आधार पर हाथी के हल्लिया जंगल की ओर जाने की सूचना मिली है, हालांकि इसकी पूरी तरह पुष्टि अभी नहीं हो सकी है। फिलहाल वन विभाग की टीम ने हल्लिया जंगल अंतर्गत पोंडुवाबुर गांव में कैप स्थापित किया है। वन विभाग का दावा है कि इस बार पूरी तैयारी के साथ अभियान चलाया जा रहा है और जल्द ही हाथी को काबू में कर लिया जाएगा।

40 दिनों बाद स्वदेश लौटे तेजस्वी यादव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
पटना। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव 40 दिन बाद आखिरकार पटना लौट ही गए। पटना आते ही उन्होंने जो कहा, वह चौकाने वाला है। तेजस्वी यादव ने कहा कि अभी 100 दिन तक वह कुछ नहीं बोलेंगे। उन्होंने रविवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि नीतीश सरकार के गठन के बाद पहले 100 दिनों के दौरान उनकी नीतियों और फसलों पर वह कोई टिप्पणी नहीं करेंगे यह समय नीति सरकार को कम करने और अपने इरादों को दिखाने का है इसलिए अब वह संयम बरतेंगे। 100 दिनों के बाद ही वह कुछ कहेंगे।

तेजस्वी यादव ने नीतीश सरकार को चुनाव से पहले किए वादों की भी याद दिलाई। उन्होंने कहा कि वह अपने घोषणा पत्र में किए वादों को हर हाल में पूरा करें। तेजस्वी यादव ने कहा कि उन्हें पता है कि किस तरह की साजिश करी गई थी और चुनाव में धोखे व कथित फ्राँड के जरिए जीत हासिल की गई। उन्होंने यह भी कहा कि नई

सरकार कैसे बनी, यह सभी जानते हैं, लेकिन इसके बावजूद वे इस मुद्दे पर आगे कोई टिप्पणी नहीं कर रहे हैं। इधर तेजस्वी यादव के इस बयान के बाद बिहार में सियासत तेज हो गई है भारतीय जनता पार्टी और जनता दल यूनाइटेड ने उन पर जमकर हमला बोल़ा। दोनों पार्टियों ने स्पष्ट कहा कि तेजस्वी यादव के पास बोलने के लिए अब कुछ नहीं बचा है इसलिए वह चुप रहेंगे। चूंकि लालू परिवार को कोर्ट में आरोप तय हो गए हैं। तेजस्वी यादव अपने परिवार के साथ जल्द ही जेल जाने वाले हैं तेजस्वी जनता से नजर नहीं मिल पा रहे हैं। इसलिए अब 100 दिन तक चुप रहने की बात कह रहे हैं।

जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने रविवार को नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि चुनावी जनादेश पर सवाल उठाकर वे न केवल लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति अविश्वास जता रहे हैं, बल्कि बिहार की जनता का भी अपमान कर रहे हैं।

झारखण्ड में जदयू का सदस्यता अभियान शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
धनबाद। झारखंड जनता दल (यूनाइटेड) ने राज्य में संगठन को सशक्त करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए सदस्यता अभियान की औपचारिक शुरुआत कर दी है। इस क्रम में झारखंड प्रदेश जदयू अध्यक्ष खीरू महतो और धनबाद जिला जदयू अध्यक्ष पिंटू कुमार सिंह ने रविवार को पटना स्थित मुख्यमंत्री आवास, एक अन्ने मार्ग में बिहार के मुख्यमंत्री और जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष जदयू अध्यक्ष पिंटू कुमार सिंह ने रविवार को पटना स्थित मुख्यमंत्री आवास, एक अन्ने मार्ग में बिहार के मुख्यमंत्री और जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष पिंटू कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को झारखंड आने का औपचारिक आमंत्रण दिया।

राजधानी रांची में कर दी गई है, जिसे चरणबद्ध तरीके से पूरे राज्य में चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस अभियान के जरिए पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत किया जाएगा और आम लोगों को संगठन से जोड़ा जाएगा। अभियान से जुड़ी विस्तृत रूपरेखा और आगे की जानकारी फरवरी माह में साझा की जाएगी खीरू महतो ने यह भी जानकारी दी कि 10 जनवरी को सदस्यता अभियान के पहले दिन संगठनात्मक दृष्टि से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। विधायक सरयू राय, पूर्व मंत्री राजा पीटर और सुधा चौधरी को पार्टी संगठन में अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि इन अनुभवी नेताओं के जुड़ने से संगठन को नई दिशा और मजबूती मिलेगी। इसी क्रम में धनबाद जिला जदयू अध्यक्ष पिंटू कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को झारखंड आने का औपचारिक आमंत्रण दिया।

अपहरण के बाद शराब पिला सामूहिक दुष्कर्म

मौके से एक आरोपित धराया, पांच फरार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
पूर्णिया। जिले से रूह कंथा देने वाली एक वारदात सामने आई है, जहां एक युवती से सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया है। करीब छह युवकों ने न केवल युवती को अपहरण किया, बल्कि उसे जबरन शराब पिलाकर पूरी रात दरिंदगी की। फिलहाल पीड़िता की स्थिति बेहद नाजुक बनी हुई है और वह पूर्णिया जौएमसीएच में जंजगी और मौत के बीच जंग लड़ रही है। घटना डगरऊआ थाना क्षेत्र स्थित बरियार चौक स्थित जया ट्रेडर्स में हुई है। पुलिस ने घटनास्थल से जया ट्रेडर्स के संचालक मो. जुनैद को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, लड़की नेवललाल चौक से पैदल ही अपने घर की ओर जा रही थी। इसी दौरान एक चार पहिया वाहन पर सवार छह युवकों ने उसे रास्ते में ही रोक लिया। विरोध करने पर युवकों ने जबरन उसे गाड़ी में खींच लिया और शोर मचाने से रोकने के लिए उसका मुंह बंद कर

पीड़िता की चतुराई से धराया आरोपित पीड़िता की हालत काफी गंभीर

दिया। आरोपी उसे लेकर बरियार चौक स्थित जया ट्रेडर्स के एक सुनसान कमरे में पहुंचे, जहां उसे बंधक बना लिया गया। दरिंदगी की हदें तब पार हो गई जब आरोपियों ने युवती को जबरदस्ती शराब पिलाई। फिर नशे और ताकत के जोर पर सभी 6 आरोपियों ने युवती से बारी-बारी से सामूहिक दुष्कर्म किया। हेवानियत के बाद पांच आरोपी मौके से फरार हो गए, जबकि एक आरोपी मो जुनैद वहीं रुक गया। गंभीर स्थिति में होने के बावजूद पीड़िता ने हिम्मत नहीं हारी। वारदात के बाद जब मुख्य आरोपी मो. जुनैद नशे की हालत में सो गया, तब पीड़िता ने बड़ी चतुराई से उसी का मोबाइल उठाया और डायल 112 पर

पुलिस को फोन कर अपनी लोकेशन और आपबीती बताई। सूचना मिलते ही पुलिस गश्ती टीम तुरंत सक्रिय हुई और लोकेशन ट्रैक कर जया ट्रेडर्स पहुंची। कमरे के बाहर ताला लटका देख पुलिस ने लोहे की रॉड और इटों की मदद से दरवाजा तोड़ा। जब पुलिस अंदर प्रवेश किया तो अंदर का मंजर भयावह था। पीड़िता बदरवास और लहलुहान हालत में रो रही थी, जबकि आरोपी बगल में ही सो रहा था। पुलिस ने तत्काल मोहम्मद जुनैद को गिरफ्तार कर लिया। डगरऊआ थाना की एसआइ पूर्णिमा कुमारी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया 6 युवकों ने मिलकर इस जघन्य अपराध को अंजाम दिया है। एक आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया है। पीड़िता की हालत काफी गंभीर है, जिसे बेहतर इलाज के लिए पूर्णिया ऋउरुल में भर्ती कराया गया है। फरार पांच अन्य आरोपियों की पहचान की जा रही है और उनकी गिरफ्तारी के लिए विशेष छापामारी दल गठित कर दिया गया है।

गढ़वा में यूरैनियम खोज रही केंद्र की एजेंसी



नवबिहार टाइम्स संवाददाता
गढ़वा। झारखंड के गढ़वा जिले में बहुमूल्य परमाणु खनिज यूरैनियम का भंडार होने की संभावना है। इसके बाद प्रारंभिक अन्वेषण (जी-थ्री) चरण में ड्रिलिंग कर यूरैनियम की मौजूदगी की पुष्टि की जाती है। सामान्य अन्वेषण (जी-टू) एक उन्नत चरण है, जिसमें अधिक गहन ड्रिलिंग के जरिए खनिज भंडार के आकार और ग्रेड का प्रारंभिक अनुमान लगाया जाता है।

यह कार्य जिले के रमना और डंडई प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में चल रहा है। इस बहुमूल्य खनिज मिलने से भविष्य में बड़े खनन प्रोजेक्ट की संभावनाएं जताई जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रमना प्रखंड के चुंदी, भागोडीह, जिरुआ तथा डंडई प्रखंड के करके क्षेत्र में यूरैनियम की उपस्थिति का पता लगाने के लिए जी-फोर से जी-टू चरण तक का कार्य प्रगति पर है। विशेषज्ञों की टीम भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, नमूनाकरण और ड्रिलिंग के माध्यम से संभावित भंडारों का आकलन कर रही है। यह अन्वेषण कार्य एमएमडी की 5-वर्षीय कार्य योजना (2024-25 से 2028-29) के तहत किया जा रहा है। योजना का उद्देश्य इन क्षेत्रों में यूरैनियम के संभावित भंडारों की पहचान करना और उनकी मात्रा एवं गुणवत्ता का वैज्ञानिक मूल्यांकन करना है। यह कार्य पूरी तरह तकनीकी मानकों और सुरक्षा नियमों के तहत संचालित किया जा रहा है।

यूरैनियम अन्वेषण की प्रक्रिया कई चरणों में पूरी होती है। टोही सर्वेक्षण (जी-फोर) प्रारंभिक चरण है, जिसमें बड़े पैमाने पर भू-मानचित्रण और नमूनों के अध्ययन से संभावित क्षेत्रों की पहचान की जाती है। इसके बाद प्रारंभिक अन्वेषण (जी-थ्री) चरण में ड्रिलिंग कर यूरैनियम की मौजूदगी की पुष्टि की जाती है। सामान्य अन्वेषण (जी-टू) एक उन्नत चरण है, जिसमें अधिक गहन ड्रिलिंग के जरिए खनिज भंडार के आकार और ग्रेड का प्रारंभिक अनुमान लगाया जाता है।

फिलहाल गढ़वा जिले में यूरैनियम खदान की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन चल रहा अन्वेषण कार्य भविष्य की बड़ी परियोजनाओं की ओर संकेत करता है। यदि जी-टू चरण के परिणाम उत्साहजनक रहते हैं और संसाधन आर्थिक रूप से व्यवहार्य पाए जाते हैं, तो एमएमडी अपनी विस्तृत रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंपेगा। इसके बाद खनन पट्टे के लिए वैधानिक प्रक्रिया शुरू की जा सकती है।

वर्तमान में झारखंड में यूरैनियम खनन गतिविधियां मुख्य रूप से पूर्वी सिंहभूम जिले के जादूगोड़ा, नरवापहाड़ और बादुहरांग क्षेत्रों में केंद्रित हैं। यदि गढ़वा में अन्वेषण सफल रहता है, तो इससे राज्य के परमाणु खनिज मानचित्र का विस्तार होगा और भारत के बढ़ते परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के लिए स्वदेशी यूरैनियम आपूर्ति को मजबूती मिलेगी।

पुलिस ने किया एटीएम से ठगी मामले का खुलासा

नवादा का मुख्य आरोपित गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
चाईबासा। चाईबासा में एक सनसनीखेज एटीएम ठगी का मामला सामने आया है, जिसमें मात्र 5 रुपये कीमत के फेबिक्विक (सुपर ग्लू) का इस्तेमाल करके एक व्यक्ति से 1 लाख 54 हजार 390 रुपये की अवैध निकासी की गई। पुलिस ने इस संगठित अपराध का पदाफाश करते हुए बिहार से एक मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि उसका एक साथी अभी फरार है। जानकारी के मुताबिक, 14 दिसंबर 2025 को पश्चिमी सिंहभूम जिले के चिरची निवासी मुकु बारी जैन मार्केट स्थित केनरा बैंक के एटीएम में पैसे निकालते पहुंचे थे। आरोपियों ने पहले से ही एटीएम मशीन के कार्ड स्लॉट में फेबिक्विक लगा दिया था, जिसके कारण पीड़ित का कार्ड अंदर फंस गया। जैसे ही मुकु बारी घबरा गए और कार्ड निकालने की कोशिश करने लगे, अज्ञात युवकों ने मौके पर हाजिर होकर तकनीकी खराबी का बहाना बनाया। उन्होंने पीड़ित को भ्रमित कर मौके से फरार हो गए। इसके

एटीएम में फेबिक्विक लगाकर की थी ठगी

बाद पीड़ित के खाते से अलग-अलग समय पर कुल 1 लाख 54 हजार 390 रुपये की अवैध निकासी कर ली गई। पीड़ित की शिकायत मिलने पर सदर थाना में कांड संख्या 107/25 दर्ज की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। पुलिस ने एटीएम परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का बारीकी से विश्लेषण किया, जिसके आधार पर आरोपी की पहचान हुई। जांच के दौरान बिहार के नवादा जिले के नेमदरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत बलेया भनैल गांव निवासी 26 वर्षीय प्रिंस कुमार (पिता सत्येंद्र कुमार) को गिरफ्तार किया गया। प्रिंस कुमार ने पूछताछ के दौरान स्वीकार किया कि उसने अपने एक साथी के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है, जबकि उसके फरार साथी की तलाश जारी है। यह मामला एटीएम ठगी के बढ़ते खतरों को दर्शाता है, जहां साधारण घरेलू ग्लू जैसे फेबिक्विक का इस्तेमाल करके लोगों को आसानी से ठगा जा रहा है।

बर्थडे पार्टी में हर्ष फायरिंग, नौ धराये

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
हाजीपुर। जुड़ावनपुर थाने की पुलिस ने थाना से महज 100 मीटर दूरी पर राधोपुर पूर्वी में एक युवक के बर्थडे पार्टी में हर्ष फायरिंग की सूचना पर पहुंचकर एक कट्टा, छह कारतूस एवं एक मिस फायर गोली के साथ 09 युवकों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार युवकों से थाने पर लाकर पूछताछ के बाद प्राथमिकी करते हुए सभी को न्यायिक हिरासत में लेा भेज दिया गया है। प्राथमिकी में अवैध हथियार के साथ हर्ष फायरिंग करने एवं शांति भंग करने के आरोप में मंगल राय, पिता कारतूस और अजय राय के विरुद्ध कारतूस और एक मिस फायर कारतूस बरामद की गई। इसके बाद सभी को गिरफ्तार कर प्राथमिकी अंकित करते हुए न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

कुमार कुछ लड़कों के साथ बर्थडे पार्टी कर रहे हैं। जिसमें अवैध हथियार से फायरिंग किया जा रहा है। इसके बाद पुलिस पदाधिकारी एवं बल के साथ मंगल राय के घर पहुंचकर घेराबंदी की गई। जिसमें घर के पहले मंजिल पर पहुंचकर नौ लड़कों को घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि पकड़े गए युवकों में विकास कुमार, दिलीप कुमार, अजय राय, नरेश पोद्दार, रिंटू कुमार, अनिल कुमार, राजगीर कुमार, सजित कुमार और धर्मेन्द्र कुमार शामिल हैं। इस दौरान तलाशी में विकास कुमार के पास से एक कट्टा, पाकेट से छह जिंदा कारतूस और एक मिस फायर कारतूस बरामद की गई। इसके बाद सभी को गिरफ्तार कर प्राथमिकी अंकित करते हुए न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

यूनाइटेड कप 2026

बेलिंडा बेनसिक का शानदार प्रदर्शन, पहली बार फाइनल में रिवट्जरलैंड

सिडनी, एंजेंसी। यूनाइटेड कप मिक्सड-जेंडर टेनिस टूर्नामेंट के सिंगल्स और मिक्सड डबल्स में शनिवार को बेलिंडा बेनसिक ने शानदार प्रदर्शन किया, जिसकी बदौलत रिवट्जरलैंड पहली बार फाइनल में पहुंच गया है। बेलिंडा बेनसिक ने सेमीफाइनल में बेल्लियम को हराया और शनिवार को अपनी टीम को एक ऐतिहासिक खिताब के करीब पहुंचा दिया। अब फाइनल में रिवट्जरलैंड का सामना संयुक्त राज्य अमेरिका और पोलैंड के



बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। सिडनी में तापमान 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने के पूर्वानुमान के चलते टूर्नामेंट के आयोजकों ने 30 मिनट पहले ही खेल को शुरुआत कर दी थी। स्विस् टीम की शुरुआत काफी अच्छी रही। बेनसिक ने इलिस मर्टेंस को 6-3, 4-6, 7-6(0) से हराकर सीजन की अपनी शानदार शुरुआत जारी रखी और रिवट्जरलैंड को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद बेल्लियम के केन रोजर्वॉल एरिना में जिजू बर्ग्स ने स्टैन वावरिका को 6-3, 6-7(4), 6-3 से मात देकर मुकाबले को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया। स्तानिस्लास वावरिका फाइनल सेट के आठवें गेम में अपनी सर्विस गंवा बैठे, जिससे उनके प्रतिद्वंद्वी को मैच खत्म करने का मौका मिला। बेनसिक ने अपने पहले तीन यूनाइटेड कप मुकाबलों में एक भी सेट नहीं गंवाया था। ऐसा लग रहा था कि वह एक और सीधे सेटों में जीत हासिल करेंगी, लेकिन मर्टेंस ने जोरदार वापसी की। बेल्लियम की खिलाड़ी ने निर्णायक सेट में 3-1 से पिछड़ने के बाद वापसी की और 6-5 पर सर्विस करते हुए जीत से सिर्फ दो अंक दूर रह गई। हालांकि, बेनसिक ने नया रैकेट लिया और दो घंटे 37 मिनट के बाद मैच के आखिरी नौ अंक जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

मोलेइरो के शानदार प्रदर्शन की बदौलत विलारियल ने ला लिगा में एलवेस को हराया

बार्सिलोना, एंजेंसी। अल्बर्टो मोलेइरो के शानदार खेल से विलारियल ने ला लिगा (स्पेन की शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग) मैच में एलवेस को 3-1 से हराकर लीग तालिका में तीसरे स्थान पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। कैनरी द्वीप समूह के इस 22 वर्षीय खिलाड़ी ने मध्यांतर के बाद मैच का पहला और मौजूदा सत्र का अपना आठवां गोल दागा। अनुभवी स्ट्राइकर गेराई मोरेनो ने 55वें मिनट में घरेलू टीम की बढ़त दोगुनी कर दी।



मोलेइरो ने इसके बाद टीम के तीसरे गोल की नींव रखी, जब उन्होंने दो डिफेंडर्स के बीच से सटीक पास निकालकर जॉर्जिया के स्ट्राइकर जॉर्जेस मिकाउतादजे के लिए मौका बनाया। मिकाउतादजे ने गोल कर टीम को 3-0 से आगे कर दिया। एलवेस की ओर से टोनी मार्टिनेज ने 85वें मिनट में गोल कर हार के अंतर कम किया। इस जीत के बाद विलारियल में तालिका पर शीर्ष पर काबिज बार्सिलोना से आठ अंक और दूसरे स्थान पर मौजूद रियल मैड्रिड से चार अंक कम हैं। वहीं, वह चौथे स्थान पर काबिज एट्लेटिको की मैड्रिड से तीन अंक आगे है। अन्य मैचों में गिरोना ने शनिवार को ओसासुना को 1-0 से हराया। तालिका में निचले स्थान पर काबिज रियल ओविएदो ने रियल बेटिस को 1-1 की बराबरी पर रोक दिया।

रस्साकशी:

योद्धाओं के प्रशिक्षण से जुड़ा खेल

● जोलगातार 5 ओलंपिक गेम्स का हिस्सा रहा



सदी के बीच यह नाविकों के बीच प्रचलित हुआ।

रस्साकशी का यह खेल 1900, 1904, 1908, 1912 और 1920 के ग्रीष्मकालीन ओलंपिक का हिस्सा रहा। शुरुआती दो ओलंपिक में इस खेल के दौरान सिर्फ 5-6 सदस्य ही होते थे, जिनमें कोई भारवर्ग नहीं होता था।

शुरुआती ओलंपिक खेलों में कई टीमों

विमेंस एचआईएल

श्राची बंगाल टाइगर्स को हराकर एसजी पाइपर्स ने जीता खिताब



रांची, एंजेंसी। एसजी पाइपर्स ने शनिवार को फाइनल में रोमांचक 1-1 डॉ के बाद शूटआउट में श्राची बंगाल टाइगर्स को 3-2 से मात देकर विमेंस हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) का खिताब अपने नाम किया। एसजी पाइपर्स ने फाइनल की शुरुआत पूरे जोश और इरादे के साथ की, शुरुआती क्वार्टर में हाई प्रेसिंग करते हुए जल्दी ही सर्कल में एंट्री की। इशिका और जुआना कैस्टेलारो अटैक में काफी एक्टिव थीं, जबकि पाइपर्स के मिडफील्ड ने टाइगर्स को समय और जगह देने से रोकने के लिए आक्रामक तरीके से काम किया। लगातार दबाव और कई अटैकिंग प्रयासों के बावजूद, पहला क्वार्टर गोल रहित

समाप्त हुआ। श्राची बंगाल टाइगर्स ने दूसरे क्वार्टर में लालरेमसियामी के गोल से बढ़त बनाई, जिन्होंने एक शानदार मूव को गोल में बदलकर टीम को बढ़त दिला दी। एसजी पाइपर्स ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी, धैर्य बनाए रखा और प्लेक से हमले जारी रखे। कप्तान नवनीत कौर ने मोर्चा संभाला, सर्कल में हार्ड प्रेसिंग करते हुए जल्दी ही सर्कल, जिससे पाइपर्स ने पेनाल्टी कॉर्नर हासिल किए और हाफटाइम से पहले दबाव बनाया, हालांकि बराबरी का गोल नहीं हो सका। तीसरे क्वार्टर में कड़ी टक्कर देखने को मिली, जिसमें दोनों टीमों ने एक-दूसरे पर दबाव बनाया। टाइगर्स ने पेनाल्टी कॉर्नर से मौके बनाए, लेकिन

पाइपर्स डिफेंस में अनुशासित रहे। दूसरी ओर, एसजी पाइपर्स ने तेज बॉल मूवमेंट और सर्कल में तेज घुसपैठ से टाइगर्स के डिफेंस को लगातार परखा, जिससे मुकाबला अंतिम क्वार्टर में भी बराबरी पर बना रहा। एसजी पाइपर्स को चौथे क्वार्टर में आखिरकार सफलता मिली। मोमेंटम बनने के साथ, भारतीय ओलंपियन प्रीति दुबे ने 53वें मिनट में करीब से गोल करके अपनी टीम को बराबरी पर ला दिया और एक रोमांचक फिनिश की शुरुआत की। दोनों टीमों ने अंतिम क्षणों में निर्णायक गोल के लिए कड़ी मेहनत की, लेकिन रेगुलेशन टाइम 1-1 के स्कोर पर समाप्त हुआ, जिससे फाइनल शूटआउट में चला गया। शूटआउट में, एसजी पाइपर्स ने मजबूत इरादे दिखाए।

गोलकीपर बंसरी सोलंकी ने दबाव में महत्वपूर्ण बचाव किए, जबकि पाइपर्स ने धैर्य बनाए रखते हुए 3-2 से जीत हासिल की। पाइपर्स के कैप्टन का एक खास पहलू भारतीय टैलेंट पर उनका भरोसा था। टीम ने लगातार मुकाबलों में स्टार्टिंग इलेवन में 9 भारतीय खिलाड़ियों को शामिल किया, जो लीग नियमों के तहत ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ियों की संख्या है।

बिग बैश लीग

टीम को जिताकर बना हीरो

इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायर होने के 48 घंटे बाद 48 गेंदों पर किया धमाका

नई दिल्ली, एंजेंसी। 8 जनवरी को उस्मान ख्वाजा इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायर हुए और 10 जनवरी को उन्होंने बिग बैश की पिच पर आग लगा दी. इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायर होने के 48 घंटे के बाद उन्होंने धमाका भी सिर्फ 48 गेंदों वाला ही किया. ऐसा करते हुए ख्वाजा ने अपनी टीम को तो जीत दिलाई ही, साथ ही प्लेयर ऑफ द मैच भी बने. उस्मान ख्वाजा ने सिडनी में अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच खेला. इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज का आखिरी टेस्ट उनके इंटरनेशनल करियर का आखिरी मैच रहा. अपने उस रिटायरमेंट की घोषणा ख्वाजा टेस्ट मैच के पहले ही कर चुके थे.



उस्मान ख्वाजा ने 48 गेंदों पर क्या किया?

उस्मान ख्वाजा ने 48 गेंदों पर 78 रन बनाए. 162.50 की स्ट्राइक रेट से खेली ब्रिसबेन हीट्स के कप्तान की पारी में 7 चौके और 3 छक्के शामिल रहे. ख्वाजा की इस तेज तर्रार पारी की बदौलत ब्रिसबेन हीट्स ने 181 रन के लक्ष्य को 16.2 ओवर में ही चेज कर लिया. उस्मान ख्वाजा को उनकी धमाकेदार इनिंग के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया. ना सिर्फ इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायर होने के बाद बल्कि बिग बैश लीग के मौजूदा सीजन में भी ये उस्मान ख्वाजा का पहला मैच था और अपने पहले ही मैच में वो जिस तरह से छाप, उसने ब्रिसबेन हीट्स के लिए आगे की उम्मीदें भी जगा दी हैं.

टी20 वर्ल्ड कप में भारत के लिए अहम होगा ये स्पिनर, गांगुली ने किया खुलासा



नई दिल्ली, एंजेंसी। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का मानना है कि घर पर टी20 वर्ल्ड कप का खिताब बचाने की भारत की उम्मीदें काफी हद तक इस बात पर निर्भर करेंगी कि वरुण चक्रवर्ती टूर्नामेंट में कैसा प्रदर्शन करते हैं, जो टीम के स्पिन-हैवी बॉलिंग अटैक के महत्व को बताता है।

गांगुली ने बातचीत में भारत की तैयारियों के बारे में संक्षेप में बात करते हुए इस पर जोर दिया कि घरेलू परिस्थितियां अच्छी स्पिन बॉलिंग को और भी ज्यादा महत्वपूर्ण बनाती हैं और उन्हें लगता है कि भारत इस ग्लोबल इवेंट में इसके लिए अच्छी तरह से तैयार है। गांगुली ने कहा, 'हां, इससे बड़ा कुछ नहीं हो सकता (घरेलू वर्ल्ड कप) और भारत हमेशा मेरी पसंदीदा टीम है। उनके पास एक मजबूत स्पिन अटैक है और अगर चक्रवर्ती फिट हैं तो यह भारत के लिए अच्छा है।'

कोच यान जेलेज्नी से अलग हुए नीरज चोपड़ा

90 मीटर के ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद विदाई



नई दिल्ली, एंजेंसी। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने चेक गणराज्य के दिग्गज कोच यान जेलेज्नी के साथ अपनी साझेदारी एक सीजन बाद समाप्त करने की घोषणा



की। नीरज ने इसे सीख, प्रगति और आपसी सम्मान से भरा सफर बताया, हालांकि अलग होने की वजह स्पष्ट नहीं की।

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता और भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने शनिवार को चेक गणराज्य के दिग्गज कोच यान जेलेज्नी के साथ अपनी साझेदारी समाप्त करने की घोषणा की। यह साझेदारी सिर्फ एक सीजन तक चली, जिसे नीरज ने प्रगति,

आपसी सम्मान और खेल के प्रति साझा जुनून से भरा बताया। हालांकि, नीरज ने इस करार के खत्म होने की कोई ठोस वजह नहीं बताई।

नीरज ने की जेलेज्नी की तारीफ

यान जेलेज्नी भाला फेंक के इतिहास के सबसे महान खिलाड़ियों में से एक हैं और विश्व रिकॉर्ड धारक भी हैं। उन्हीं के मार्गदर्शन में नीरज चोपड़ा ने पिछले साल पहली बार 90 मीटर का आंकड़ा पार किया था। अपने अनुभव को साझा करते हुए नीरज ने कहा कि जिस खिलाड़ी को वह बचपन से अपना आदर्श मानते आए हैं, उससे सीधे सीखा उनके लिए सपने के सच होने जैसा था। उन्हींने कहा, 'यान के साथ काम करने से मुझे एक नया टूलबॉक्स मिला, नई एक्सरसाइज, तकनीकी विचार और खेल को देखने के नए नजरिए। तकनीक, रिब और मूवमेंट को लेकर उनकी सोच अद्भुत है। हर सेशन से मैंने कुछ नया सीखा।' उन्हींने आगे कहा, 'मुझे सबसे ज्यादा गर्व इस बात का है कि मैंने अपने जीवन के आदर्श के साथ एक गहरी दोस्ती बनाई। जान न केवल अब तक के सबसे महान भाला फेंक खिलाड़ी हैं, बल्कि सबसे बेहतरीन इंसानों में से भी एक हैं।'

इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायर हुए ख्वाजा का धमाका

इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट लेने के बाद उन्होंने 10 जनवरी को अपना पहला मैच खेला, जो कि बिग बैश में ब्रिसबेन हीट्स और सिडनी थंडर के बीच खेला मैच रहा. ये मुकाबला ब्रिसबेन में हुआ, जिसमें उस्मान ख्वाजा ने सिर्फ 48 गेंदों पर तूफानी पारी खेली. इस मुकाबले में सिडनी थंडर ने पहले बल्लेबाजी की और 20 ओवर में 6 विकेट पर 180 रन बनाए.

ख्वाजा ने खेली कप्तानी पारी, टीम की कराई जीत से यारी

जवाब में 181 रन के लक्ष्य का पीछा करने ब्रिसबेन हीट्स की टीम जब उतरी, तो उसमें उसके कप्तान उस्मान ख्वाजा ने लीड रोल प्ले किया. ओपनिंग करने उतरे उस्मान ख्वाजा ने ओपनिंग में टीम को फ्रंट से लीड किया. इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट लेने के 48 घंटे बाद सिर्फ 48 गेंदों पर उन्होंने ऐसी पारी खेली, जिसने टीम को जीत दिला दी.

24 छक्के, 24 चौके ठोके, 70 बल्लेबाजों के बीच बना नंबर 1

टी20 वर्ल्ड कप टीम से बाहर होने वाले ने...

नई दिल्ली, एंजेंसी। साउथ अफ्रीका टी20 लीग में एक खिलाड़ी ऐसा है, जिसकी धूम मची है- नाम है- रायन रिकल्टन, जिन्होंने 70 बल्लेबाजों के बीच खुद को नंबर 1 साबित किया है. अब आप सोच रहे होंगे कि रायन रिकल्टन ने कैसे 70 बल्लेबाजों को पीछे छोड़ दिया और नंबर 1 बन गए? इसका जवाब ₹20 में किसी भी

बल्लेबाज के जमाए छक्के, चौके, शतक और रन से है. रायन रिकल्टन इन चारों मामले में सबसे बढ़कर हैं. सीधे शब्दों में कहें तो ₹20 के मौजूदा सीजन में बल्लेबाजी कर चुके 70 बल्लेबाजों के बीच रायन रिकल्टन सबसे ज्यादा रन, सबसे ज्यादा छक्के-चौके और सबसे ज्यादा शतक जमाने वाले बल्लेबाज हैं.

70 बल्लेबाजों के बीच अपनी धाक जमाने के दौरान ही रायन रिकल्टन ने एस20 में इतिहास भी रचा है. वो अब इस टी20 लीग के इतिहास में 2 शतक जमाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं. मतलब ये कि वो टी20 में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी हैं. कमाल की बात ये है कि रायन रिकल्टन ने टी20 में अपने दोनों शतक मौजूदा सीजन में ही लगाए हैं.

रायन रिकल्टन ने कौन सा इतिहास रचा?

टी20 में रिकल्टन ने कब-कब शतक जड़े?

रायन रिकल्टन ने अपना पहला शतक 26 दिसंबर 2025 को डर्बन सुपर जायंट्स के खिलाफ खेले मुकाबले में बनाया था. केप टाउन के बल्लेबाज ने तब 63 गेंदों पर 11 छक्कों की मदद से 113 रन बनाए थे. हालांकि, इस मैच में 233 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए वो अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाए थे. केप टाउन के ओपनर ने अपना दूसरा सैंकड़ा टी20 में जोहानिसबर्ग सुपर किंग्स के खिलाफ जड़ा. 10 जनवरी 2026 को खेले इस मैच में उन्होंने 60 गेंदों पर नाबाद 113 रन बनाए, जिसमें 9 छक्के शामिल रहे. रिकल्टन के शतक का असर ये हुआ कि मैच में पहले बल्लेबाजी कर रही केप टाउन ने 20 ओवर में 234 रन का बड़ा स्कोर बनाया, जिसके आगे जोहानिसबर्ग सुपर किंग्स ने दम तोड़ दिया.





संक्षिप्त समाचार

एबीवीपी के 8 सदस्यों पर जेएनयू प्रशासन ने लगाया जुर्माना

नई दिल्ली, एंजेंसी। जेएनयू ने कथित तौर पर हिंसा में शामिल एबीवीपी के आठ सदस्यों पर करीब डेढ़ लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। हर सदस्य को 19 हजार रुपये का जुर्माना भरना होगा। एबीवीपी के सदस्यों पर ये जुर्माना साल 2024 में कथित तौर पर हिंसा में शामिल होने और अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने के वजह से लगाया गया है। यूनिवर्सिटी प्रशासन द्वारा 9 जनवरी को जारी एक आदेश के अनुसार, 2024 में स्कूल ऑफ लैंग्वेज में छात्र संघ चुनावों के संबंध में आयोजित गर्वनिंग बॉडी मीटिंग के दौरान छात्र अनुशासनहीनता करते पाए गए थे। आदेश में कहा गया है कि छात्रों का आचरण यूनिवर्सिटी के मानदंडों का उल्लंघन था। आदेश में कहा गया है कि छात्रों के खिलाफ कार्रवाई यूनिवर्सिटी के नियमों के मुताबिक की गई है। छात्रों को आदेश जारी होने के 10 दिनों के अंदर जुर्माना भरने को कहा गया है। एबीवीपी ने इसे भेदभावपूर्ण करार दिया है और कहा है कि यूनिवर्सिटी प्रशासन एबीवीपी के सदस्यों को टारगेट कर रहा है जबकि लेफ्ट समर्थित छात्रों को इस तरह के मामलों में किसी कार्रवाई का सामना नहीं करना पड़ता। आपको बता दें कि साल 2024 में छात्र संघ चुनावों के संबंध में आयोजित गर्वनिंग बॉडी मीटिंग की बैठक में एबीवीपी और लेफ्ट समर्थित छात्रों के बीच हिंसक झड़प हो गई थी। झड़प के वीडियो तब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल भी हुए थे। वायरल वीडियो में छात्र एक-दूसरे पर डंडे बरसाते नजर आए तो कुछ छात्र लात-घूंसे बरसाते नजर आ रहे थे। इस झड़प के बाद एबीवीपी और लेफ्ट समर्थित छात्रों ने एक-दूसरे पर हिंसा के आरोप लगाए थे। इस दौरान कई छात्र घायल भी हुए थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए तब यूनिवर्सिटी प्रशासन ने तय किया था कि मामले की जांच होगी और जो भी हिंसा में शामिल होंगे उनके खिलाफ एक्शन लिया जाएगा।

दिल्ली की तंग सड़कों पर चलेंगी 'मिनी बसें'

नई दिल्ली, एंजेंसी। दिल्ली सरकार ने राजधानी की परिवहन व्यवस्था को पूरी तरह



‘ग्रीन’ बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। दिल्ली परिवहन विभाग ने 3,330 अतिरिक्त ई-बसों की तत्काल खरीद के लिए केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा है। इनमें 7 मीटर की ई-बसें भी हैं, जिन्हें संकरी सड़कों पर चलाया जाएगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा दिल्ली की हवा को स्वच्छ बनाना और नागरिकों को एक आधुनिक, सुगम और सरती सार्वजनिक परिवहन सेवा देना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि हाल ही में केंद्र सरकार की एंजेंसी कन्वर्जेंस एनर्जी सर्विसेज लिमिटेड (सीईएसएल) के साथ हुई उच्च स्तरीय बैठक के बाद यह निर्णय लिया गया कि पीएमई-झाड़व योजना (फेज-2) के तहत दिल्ली के लिए बसों का कोटा बढ़ाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार ने केंद्र सरकार और भारी उद्योग मंत्रालय से अनुरोध किया है कि दिल्ली की इस अतिरिक्त मांग (जो कि पहले से आर्वाटिड 2,800 बसों के कोटे से अलग है) को सब्सिडी मॉडल में शामिल किया जाए। यदि सब्सिडी में कोई तकनीकी अड़चन आती है तो दिल्ली सरकार स्वयं इस लागत का भार उठाएगी। सीएम ने कहा कि ये 3,330 नई बसें सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था मजबूत करने के साथ ‘ग्रीन ट्रांजिशन’ का आधार भी बनेंगी। इन बसों के आने से लोगों की निजी वाहनों पर निर्भरता कम होगी। साथ ही, हवा में घुलने वाले हानिकारक धुएं में कमी आएगी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष मार्च तक दिल्ली की सड़कों पर 5,000 से ज्यादा ईवी बसें संचालित हो जाएंगी। वहीं, वर्ष के अंत तक 7000 ई-बसें दिल्लीवासियों को उपलब्ध करा दी जाएंगी। पीएमई-झाड़व (चरण 1) की 2800 बसें आने के बाद दिल्ली में बसों की संख्या 10,430 हो जाएगी तथा पीएमई-झाड़व (चरण 2) की 3330 बसें आने के बाद दिल्ली में बसों की संख्या 13,760 हो जाएगी।

आईएस के ठिकानों पर अमेरिका ने फिर बरसाए बम, कहा- हमारे सैनिकों पर हमला किया तो ढूढ़-ढूढ़कर मारेंगे

वॉशिंगटन, एंजेंसी।

अमेरिका ने शनिवार को एक बार फिर से सीरिया में हवाई हमला किया। अमेरिका के निशाने पर आतंकी संगठन आईएस के ठिकाने रहे। पिछले महीने एक हमले में अमेरिका के दो सैनिक और एक एक सीरियाई नागरिक की मौत हो गई थी। जिसके बाद जवाबी कार्रवाई में अमेरिका ने आईएस के ठिकानों पर भारी बमबारी की थी।

अब शनिवार को एक बार फिर अमेरिका ने अपने सहयोगी देशों की सेनाओं के साथ मिलकर सीरिया में हवाई हमले किए। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने एक बयान जारी किया, जिसमें कहा गया कि अमेरिका ने सहयोगी बलों के साथ मिलकर बड़े पैमाने पर हमले किए, जो लगभग दैर रात 12.30 बजे किए गए। इन हमलों में सीरिया भर में इस्लामिक स्टेट के कई ठिकानों को निशाना बनाया गया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने शनिवार को एक बयान में कहा, ‘हमारा

दिल्ली मेट्रो एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर सिग्नलिंग केबल हुई चोरी

मेट्रो की एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर ट्रेनों की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया



नई दिल्ली, एंजेंसी। राजधानी दिल्ली में बेखोफ चोरों का आतंक चरम पर है। आमतौर पर घरों और दुकानों के साथ ही चोर अब मेट्रो की संपत्तियों को भी निशाना बनाने से नहीं चूक रहे हैं। ऐसे ही चोरों ने आज अपनी हरकत से अतिसुरक्षित मानी जाने वाली दिल्ली मेट्रो की एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर ट्रेनों की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) की तरफ से रविवार सुबह अपने सोशल मीडिया हैंडल ‘एक्स’ पर बताया गया, ‘एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन अपडेट - धौला कुआं मेट्रो स्टेशन के पास सिग्नलिंग केबलों की चोरी और क्षतिग्रस्त के कारण आज सुबह से धौला कुआं से शिवाजी स्टैंडियम स्टेशनों के बीच एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर ट्रेन सेवाओं को नियंत्रित/प्रतिबंधित गति से चलाया जा रहा है। हालांकि अन्य सभी लाइनों पर सेवाएं

सामान्य हैं।’’

दिल्ली मेट्रो की करीब 22.7 किलोमीटर लंबी एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन नई दिल्ली अब मेट्रो की संपत्तियों को भी निशाना बनाने से नहीं चूक रहे हैं। ऐसे ही चोरों ने आज अपनी हरकत से अतिसुरक्षित मानी जाने वाली दिल्ली मेट्रो की एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर ट्रेनों की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया।

दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) की तरफ से रविवार सुबह अपने सोशल मीडिया हैंडल ‘एक्स’ पर बताया गया, ‘एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन अपडेट - धौला कुआं मेट्रो स्टेशन के पास सिग्नलिंग केबलों की चोरी और क्षतिग्रस्त के कारण आज सुबह से धौला कुआं से शिवाजी स्टैंडियम स्टेशनों के बीच एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर ट्रेन सेवाओं को

नियंत्रित/प्रतिबंधित गति से चलाया जा रहा है। हालांकि अन्य सभी लाइनों पर सेवाएं सामान्य हैं।’’

धौला कुआं मेट्रो स्टेशन (पिंक लाइन) :- मजलिस पार्क / शिव बिहार यहां टैक्लेटर की सुविधा है जो आपको ‘दुर्गाबाई देशमुख साउथ कैम्पस’ स्टेशन से जोड़ती है।

असली स्वरूप में लौटा दिल्ली का पुराना बारापुला ब्रिज

● संरक्षण कार्य के बाद अब यह ब्रिज पर्यटकों को आकर्षित करने लगा है

नई दिल्ली, एंजेंसी।

राजधानी दिल्ली के निजामुद्दीन इलाके में स्थित मुगल काल की ऐतिहासिक संरचना बारापुला ब्रिज को उसका पुराना स्वरूप वापस लौटाय़ा गया है। संरक्षण कार्य के बाद अब यह ब्रिज पर्यटकों को आकर्षित करने लगा है। ऐसा माना जा रहा है कि यह ब्रिज दिल्लीवालों के लिए एक नया पिकनिक स्पॉट बन सकता है।

लंबे समय से गुमनामी का दर्श झेल रहे 400 साल पुराने बारापुला को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) उसकी पहचान लौटाने में जुटा है। ब्रिज की मरम्मत का काम लगभग पूरा हो गया है। अब अगले चरण में सौंदर्यीकरण के लिए हॉर्टिकल्चर विभाग यहां कार्य करेगा। यहां पर लोगों के बैठने और रोशनी की व्यवस्था भी की जाएगी।

ब्रिज पर सूचना बोर्ड लगेगे, जिससे पर्यटक पुल के इतिहास से रूबरू होंगे। इसमें दिल्ली के इतिहास और आस-पास के स्मारकों के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। एएसआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इसके ऊपर एक मीटर तक मलबा था, उसे हटाया गया है। साथ ही, अतिक्रमण के साथ यहां

बाजार भी लगता था जिसे बंद किया गया। इस ब्रिज के दोनों ओर लगे कई बुर्ज टूट चुके थे, उन्हें फिर से



स्थापित किया गया है। ब्रिज में आ चुकीं दरारों को लाइम कंक्रीट से भरा गया है। अब पहले से सुंदर लग रहा है। यह पुल पथर से बनी एक विशाल संरचना है। इसमें 11 मेहराब हैं, जो 12 स्तंभ पर टिके हुए हैं।

इसकी लंबाई लगभग 195 मीटर है। इसमें 12 खंभों के कारण इसे बारापुला नाम दिया गया था। बारापुला



निजामुद्दीन इलाके के पास है। ऐतिहासिक तथ्यों के अनुसार इस पुल का निर्माण 1617 से 22 के मध्य में मिर्ह बानो आगा ने करवाया था। इस पुल को 1916 में राष्ट्रीय महत्व का स्मारक घोषित किया था।

लश्कर का नंबर 2 आतंकी स्कूल में भाषण दे रहा, भारत के खिलाफ जहर उगला

इस्लामाबाद, एंजेंसी।

लश्कर-ए-तैयबा के उप प्रमुख और पहलगाम आतंकी हमले के मास्टरमाइंड सैफुल्लाह कसूरी का वीडियो सामने आया है। इसमें वह पाकिस्तानी सेना के साथ अपने संगठन के गहरे संबंधों को खुलासा कर रहा है। कसूरी ने कहा कि पाकिस्तानी सेना उसे अपने सैनिकों की अंतिम यात्रा में जनाजे की नमाज पढ़ाने के लिए आमंत्रित करती है। यह वीडियो किस समय का है, तारीख अभी मालूम नहीं चली। इसमें वह स्कूल के बच्चों को भाषण देता नजर आ रहा है। हालांकि, खुफिया स्रोतों ने इस वीडियो की सत्यता की पुष्टि कर दी है।

सैफुल्लाह कसूरी ने दावा किया, ‘पाकिस्तान की सेना मुझे जनाजे की नमाज पढ़ाने के लिए बुलाती है। क्या तुन्हें पता है कि भारत भी मुझसे डरता है?’ यह खुलासा पाकिस्तान की ओर से राज्य प्रायोजित आतंकवाद के भारत के लंबे समय से चले आ रहे आरोपों को मजबूती देता है। यह घटना किसी सभ्य समाज में अकल्पनीय है कि एक आतंकी संगठन का दूसरा सबसे बड़ा नेता बच्चों के स्कूल में जाकर युवा दिमागों को

प्रभावित करे। पहलगाम हमले में 26 पर्यटकों की हत्या के लिए जिम्मेदार लश्कर ने पाकिस्तानी सेना के साथ मिलकर काम किया, जैसा कि 1999 के कारगिल युद्ध में भी देखा गया था।

आतंक कारिन्यात करने में जुटा पाकिस्तान

ऑपरेशन सिंदूर के छह महीने बाद पाकिस्तान समर्थित लश्कर और जैश-ए-मोहम्मद ने जम्मू-कश्मीर में नए हमलों की तैयारी की थी, जिसे नई दिल्ली ने गंभीर चेतावनी करार दिया। एनडीटीवी की रिपोर्ट में यह बताया गया है। ऑपरेशन सिंदूर अप्रैल 2025 के पहलगाम हमले के जवाब में शुरू हुआ था, जो आतंकी ढांचे को नष्ट करने का भारतीय अभियान था। अगर इसी तरह पाकिस्तान की ओर से आतंक का निर्यात जारी रहा तो इसकी नई फेज शुरू हो सकती है। यह भारत ही नहीं, दुनिया भर के लिए चिंता की बात है। ताजा वीडियो से पाकिस्तान की धू-धू हो रही है, लेकिन वैश्विक स्तर पर उसके खिलाफ सख्त ऐक्शन लेना होगा।

वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति ने कहा- मादुरो और पत्नी की वापसी तक चैन से नहीं बैठेंगे

काराकास, एंजेंसी।

वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिज़ ने अमेरिकी सेना की तरफ से हिरासत में लिए गए निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिल्विया फ्लोरेस की देश वापसी का संकल्प लिया है। रोड्रिज़ ने कहा कि मादुरो और फ्लोरेस की वेनेजुएला वापसी तक वह एक मिनट के लिए भी आराम नहीं करेंगी। शिन्हुआ समाचार एंजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को मिरांडा राज्य में एक कार्यक्रम में बोलते हुए रोड्रिज़ ने कहा कि वेनेजुएला के नेतृत्व या शासन कार्यक्रम के बारे में कोई अनिश्चितता नहीं है। उन्होंने कहा, ‘यहां

कोई अनिश्चितता नहीं है। वेनेजुएला के लोग प्रभारी हैं और एक सरकार है, जो



राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की है।’ उन्होंने शांति, स्थिरता और देश के भविष्य की गारंटी के लिए एकता का आह्वान किया। रोड्रिज़ ने यह भी कहा कि एक साल पहले उन्होंने मादुरो के साथ उनके तीसरे

कार्यकाल की शुरुआत में शपथ ली थी। आज एक साल बाद हम उनकी आजादी के लिए शपथ ले रहे हैं। प्रयास में निर्णायक होगी। इसी बीच, कार्यवाहक राष्ट्रपति ने पुष्टि की कि उनकी सरकार मादुरो की ओर से निर्धारित सात कार्य योजनाओं को जारी रखे हुए है। बता दें कि अमेरिकी सेना ने 3 जनवरी को काराकास और वेनेजुएला के तीन अन्य शहरों में सैन्य हमले किए थे। इस ऑपरेशन के दौरान अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो को उनकी पत्नी समेत हिरासत में ले लिया था। अमेरिका की इस कार्रवाई की दुनियाभर में निंदा की गई और कई देशों ने अपनी चिंताएं

भी जाहिर कीं। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वेनेजुएला ने राजनीतिक कैदियों को रिहा करना शुरू कर दिया है। उन्होंने इसे प्रत्यक्ष अमेरिकी कार्रवाई का परिणाम बताया। ट्रंप ने कहा कि वेनेजुएला ने अपने राजनीतिक कैदियों को रिहा करने की प्रक्रिया बड़े पैमाने पर शुरू कर दी है। राष्ट्रपति ने इस कदम को सीधे तौर पर अमेरिकी भूमिका से जोड़ा और संकेत दिया कि अमेरिकी दबाव के बिना यह संभव नहीं होता। उन्होंने कहा, ‘मुझे उम्मीद है कि वे कैदी याद रखेंगे कि वे कितने भाग्यशाली हैं कि अमेरिका आया और उसने वह किया जो करना जरूरी था।

दिल्ली की पुरानी झील की बदलेगी तस्वीर 2 महीने में खर्च होंगे 14.75 लाख रुपये

● काम शुरू होने के बाद इसे दो महीने के भीतर पूरा कर लिया जाएगा

नई दिल्ली, एंजेंसी।

दिल्ली पर्यटन और परिवहन विकास निगम ने उत्तरी दिल्ली के मॉडल टाउन में स्थित नैनी झील के कायाकल्प के लिए ठेकेदारों से बिडिंग आमंत्रित की हैं। अधिकारियों की मानें तो काम शुरू होने के बाद इसे दो महीने के भीतर पूरा कर लिया जाएगा। इसके कायाकल्प में कुल 14.75 लाख रुपये लगेेंगे। यह कदम स्थानीय निवासियों की शिकायतों के बाद उठाया गया है, जिन्होंने पुरानी हो चुकी सुविधाओं, खराब रोशनी और बैठने की जगह की कमी को लेकर चिंता जताई थी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस प्रोजेक्ट का मुख्य उद्देश्य झील परिसर को सुरक्षित, चमकदार और पर्यटकों खासकर परिवारों और बुजुर्गों के लिए बेहतर बनाना है। दिन और रात, दोनों समय लोगों की सुविधा के लिए निर्माण कार्य और बिजली के काम एक साथ किए जाएंगे। कुल बजट में से लगभग 8.88 लाख मरम्मत और निर्माण के लिए रखे गए हैं, जबकि 5.86 लाख बिजली और रोशनी की व्यवस्था के लिए तय किए गए हैं। अधिकारियों के अनुसार, इस कायाकल्प योजना में झील के चारों ओर पैदल चलने के लिए नए रास्ते, टूटे हुए फर्श की मरम्मत, बैठने के लिए नई बेंचें, बाउंड्री को सजावट और रास्तों व भीड़भाड़ वाली जगहों पर नई लाइटिंग लगाना शामिल है। यह झील स्थानीय लोगों के लिए मॉनिंग वॉक और आपस में मिलने-जुलने की एक मुख्य जगह है। अधिकारियों ने बताया कि यहां कोई बड़ा या भारी निर्माण नहीं किया जाएगा,

बल्कि जनता की सुविधाओं को बेहतर बनाने पर ध्यान दिया जाएगा। अधिकारी के अनुसार,

सुधारने के लिए डीटीटीडीसी द्वारा चलाए जा रहे प्रोजेक्ट्स में यह झील भी शामिल है।



‘हमारा उद्देश्य झील के प्राकृतिक वातावरण को छेड़े बिना पुरानी सुविधाओं को सुधारना है। लोग यहां रोज आते हैं, इसलिए बेहतर रोशनी और सुरक्षित रास्तों जैसी व्यावहारिक चीजों पर जोर दिया जा रहा है। ’ अधिकारियों का कहना है कि सुधार कार्य पूरा होने के बाद, यहां छोटे सांस्कृतिक और सामुदायिक कार्यक्रमों को भी बढ़ावा दिया जाएगा ताकि झील का परिसर और जीवंत हो सके। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली के विभिन्न इलाकों में स्थित सार्वजनिक स्थलों को

निर्माण कार्य का समय जानबूझकर कम रखा गया है ताकि यहां आने वाले लोगों और मॉनिंग वॉक करने वालों को ज्यादा परेशानी न हो। अधिकारियों के अनुसार, काम के दौरान कुछ हिस्सों में अस्थायी रास्ते बनाए जा सकते हैं ताकि मरम्मत के समय भी लोग झील परिसर का इस्तेमाल कर सकें। डीटीटीडीसी के एक अन्य अधिकारी ने बताया कि, ‘एक बार जब कायाकल्प का काम पूरा हो जाएगा, तो इसके निर्मित रखरखाव की जिम्मेदारी संबंधित नागरिक निकायों के पास रहेगी। ’

ब्रिटिश कंपनी के सीईओ से पौने 8 करोड़ रुपये ठगे, निवेश के नाम पर लगाई चपत

नई दिल्ली, एंजेंसी। शेयर बाजार में निवेश के नाम पर गुरुग्राम-सोहना रोड पर सेक्टर-47 स्थित मालिबू टाउन कॉलोनो निवासी एक ब्रिटिश कंपनी के सीईओ से करीब पौने 8 करोड़ रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। निवेश के नाम पर हुए साइबर फ्रॉड में यह अब तक की सबसे बड़ी धोखाधड़ी है। साइबर क्राइम पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मालिबू टाउन कॉलोनी की केडार झाड़व ब्लॉक निवासी 54 वर्षीय अश्वनी अवस्थी ने बताया कि वह शेयर बाजार में निवेश करने के लिए उन्होंने पिछले साल सितंबर में गुगल पर निवेश सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनियों को खोजना शुरू किया। उन्हें एक कंपनी का विज्ञापन मिला। कंपनी ने खुद को निवेश में सहायता करने वाला एक विश्वसनीय मंच बताया। इस कंपनी के बारे में जब अवस्थी ने जानकारी निकाली तो उसे पता चला कि देश के प्रख्यात उद्योगपतियों ने इस ऐप के माध्यम से निवेश किया हुआ है। इससे उनकी संगठन के प्रति विश्वसनीयता बन गई और उन्होंने इसके जरिये शेयर बाजार में निवेश करने का फैसला लिया। अश्वनी अवस्थी को इस ऐप के माध्यम से एक लिंक मिला। इस लिंक पर क्लिक करने के बाद वह इस कंपनी की ऐप के समूह में शामिल हो गए। उसने ऐप पर बताया कि वह निवेश में नौसिखिए हैं। ऐसे में उसे पहले छोटी राशि निवेश करने की सलाह दी गई। उन्हें आश्वासन दिया कि निवेश के बारे में जानकारी हासिल होने के बाद वह धीरे-धीरे राशि को बढ़ा सकते हैं। 29 सितंबर को उन्होंने इस ऐप के माध्यम से ओटीसीओ आईपीओ में निवेश करना शुरू किया और एक जनपरीक तब निवेश किया।

न्यायाधीश ने ट्रंप पर क्या टिप्पणी की ट्रंप को झटका : कोर्ट ने वाशिंगटन और ओरेगन में मतदान संबंधी आदेश रोका

वॉशिंगटन, एंजेंसी।

अमेरिका में चुनावी प्रक्रिया को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एक बड़ा कानूनी झटका लगा है। एक संघीय अदालत ने वाशिंगटन और ओरेगन में डाक द्वारा मतदान से जुड़े ट्रंप प्रशासन के कार्यकारी आदेश के अधिकांश प्रावधानों पर रोक लगा दी है। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब ट्रंप प्रशासन मतदान नियमों को सख्त करने की कोशिशों में जुटा हुआ था।

सिप्टल स्थित अमेरिकी जिला न्यायाधीश जॉन एच. चुन ने साफ कहा कि राष्ट्रपति को चुनावों को नियंत्रित करने का अधिकार नहीं है। ट्रंप प्रशासन नागरिकता का दस्तावेजी प्रमाण अनिवार्य करना चाहता था। सभी मतपत्रों को चुनाव दिवस तक प्राप्त करने की शर्त रखी गई थी। अदालत ने माना कि ये प्रावधान राष्ट्रपति के अधिकार क्षेत्र से बाहर हैं। जज ने अपने आदेश में



मुख्यमंत्री ने बोकारो जिला पुस्तकालय व वृद्ध आश्रम में गुरुजी वाटिका का ऑन लाइन किया उद्घाटन



बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। दिशोम गुरु शिबू सोरेन का 82 वां जन्म दिवस मना रहे हैं। झारखंड और यहां रहने वाले गरीबों, मजदूरों, मजबूरों, किसानों, दलितों, आदिवासियों- मूल वासियों के लिए आज का यह दिन काफी महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा, यह पहला मौका है, जब बाबा के बिना उनकी जयंती मना रहे रहे हैं। दिशोम गुरु भले ही हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके आदर्श, विचार, संघर्ष, त्याग और बलिदान हमेशा जीवंत रहेंगे।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी की 82 वीं जयंती के अवसर पर टाना भगत इनडोर स्टेडियम, खेलगांव, रांची में गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के सफल क्रियान्वयन को लेकर आयोजित संवाद कार्यक्रम में नौजवानों से कहा कि आप एक कदम आगे बढ़ें, सरकार आपको 10 कदम आगे ले जाएगी। आपको अपनी मंजिल तक पहुंचाएंगे, यह हमारा वादा है, क्योंकि हम गुरुजी के सिपाही हैं। मुख्यमंत्री ने आज



ऑन लाइन उद्घाटन कर बोकारो के जिला रामरूद्र मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय परिसर में मास्टर सोबरेन मांझी जिला पुस्तकालय का उद्घाटन एवं मानव शास्त्र विशेषकर विश्वस्तर पर आदिवासी जनजीवन के अध्ययन पर केंद्रित गुरुजी रात्रि पाठशाला की शुरूआत की। पहले चरण में प्रतिदिन रात्रि 8 बजे तक यह पुस्तकालय संचालित रहेगा। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने बोकारो के चास नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत सोलगडीह स्थित बाबा वैद्यनाथ वृद्ध

सेवा आश्रम के समीप ह्यगुरुजी वाटिकाह्क का ऑनलाइन शुभारंभ कर इसे बुजुर्गों को समर्पित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने यहां रहने वाले बुजुर्गों के साथ ऑनलाइन संवाद भी किया। मुख्यमंत्री द्वारा ऑन लाइन उद्घाटन के दौरान बोकारो में उपस्थित मंत्री, पेयजल एवं स्वच्छता तथा उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग, योगेन्द्र प्रसाद ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन की स्मृति में मास्टर सोबरन मांझी जिला पुस्तकालय एवं गुरुजी रात्रि



पाठशाला का शुभारंभ बोकारो जिले के लिए एक ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने कहा कि बच्चों के प्रति उनके माता-पिता ने जो सपने देखे हैं, यह पहल उन्हें साकार करने की दिशा में एक मजबूत कदम है। यह पुस्तकालय एवं पाठशाला शिक्षा के क्षेत्र में जिले के लिए मील का पथर साबित होगा। मौके पर उपायुक्त बोकारो की पहचान शिक्षा एवं अकादमिक गतिविधियों में और अधिक सशक्त हो, इसके लिए जिला प्रशासन पूरी तरह कृत संकल्पित एवं



प्रतिबद्ध है। यह विद्यार्थियों में पढ़ने की रुचि विकसित करने, शोध परक ज्ञान के प्रति जिज्ञासा बढ़ाने एवं व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। जानकारी हो कि, इसकी लागत दो करोड़ तीन लाख रुपए है तथा कुल 250 छात्र-छात्रा एक साथ पढ़ सकेंगे। 02 तल्लो में निर्मित इस पुस्तकालय में कॉफ़ेस हॉल कि उपलब्ध है । वहीं,आज से बोकारो जिला में गुरुजी वाद विवाद प्रतियोगिता सभी सरकारी एवं निजी विद्यालयों में शुरू किया गया। जिसका विषय

नशामुक्ति है।विजेताओं को आगामी 26 जनवरी को सम्मानित किया जाएगा । मुख्यमंत्री द्वारा चास नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत सोलगडीह स्थित बाबा वैद्यनाथ वृद्ध सेवा आश्रम के समीप ह्यगुरुजी वाटिकाह्कका भी उद्घाटन किया गया। यह वाटिका सम्मानित वृद्धजनों को समर्पित एक शांत, सुरक्षित और हरित स्थल है, जहां वे प्राकृतिक वातावरण में समय व्यतीत कर सकेंगे तथा प्रातः एवं संध्या भ्रमण कर अपने स्वास्थ्य और मन को सशक्त बना सकेंगे।

संक्षिप्त समाचार

बोकारो स्टील राष्ट्रीय मजदूर संघ ने लिया वन भोज का निर्णय
बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भारतीय मजदूर संघ को बैठक स्टील राष्ट्रीय मजदूर संघ की बैठक यूनियन कार्यालय 3डी में हुई। जिसकी अध्यक्षता यूनियन के अध्यक्ष विशेषरवर महतो ने की। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बोकारो स्टील राष्ट्रीय मजदूर संघ द्वारा वन भोज का आयोजन किया जाएगा। वन भोज सिटी पार्क में 22 फरवरी को मनाने का निर्णय लिया गया है। ज्ञात हो कि वनभोज में प्लांट के लगभग सभी विभागों के मजदूरों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। सभी उपस्थित सदस्यों ने अपने अपने विचार एवं बहुमुख्य सुझाव दिए '। यूनियन के महासचिव विनोद कुमार ने कहा कि वनभोज में भारतीय मजदूर संघ के विभिन्न अनुपगौ इकाई के कार्यकर्ता एवं प्लांट स्तर के उच्च अधिकारियों को भी आमंत्रित किया जाएगा। वन भोज के सफल आयोजन के लिए प्लांट के सभी विभागों के प्रतिनिधियों की विशेष सहभागिता रहे ऐसा प्रयास हम सभी को करना पड़ेगा ' बैठक में मुख्य रूप से यूनियन के कोषाध्यक्ष कृष्णा प्रसाद केवट, मंत्री हसनेन बाबू, आशीष कुमार, शाखा सचिव अरविंद कुमार, अशोक कुमार सिंह, हरगहन सिंह दिलीप कुमार शर्मा आदि उपस्थित रहे।

जैन पब्लिक स्कूल के छात्रों एवं शिक्षकों ने किया कंबल वितरण

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जैन मिलन एवं जैन पब्लिक स्कूल के छात्रों एवं शिक्षकों द्वारा मारफारी स्थित आजाद नगर सहित बोकारो की विभिन्न जगहों पर सामाजिक सरोकार के तहत 165 गरीब,असहाय एवं जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण किया गया। जैन मिलन के अध्यक्ष संजय बैद ने कहा कि कंबल वितरण केवल सहायता नहीं है बल्कि मानवता के प्रति कर्तव्य भी है।सचिव आलोक जैन और सुभाष जैन ने संयुक्त रूप से कहा कि कड़कड़ाती ठंड में जरूरतमंदों की सहायता करना हम सब का कर्तव्य एवं सामाजिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि आगे भी इस प्रकार की जन कल्याणकारी कार्य लगातार जारी रहेंगे। समकित गुप्त मुर्बई, चास बोकारो जैन संघ, सेठ परिवार ने जैन मिलन को कंबल उपलब्ध कराये। उल्लमित मध्य विद्यालय आजाद नगर के प्रभारी प्राचार्य वीरेंद्र प्रसाद ने कहा कि इस कड़कड़ाती ठंड में जरूरतमंदों की मदद कर जैन पब्लिक स्कूल के छात्रों एवं शिक्षकों ने मानवता का बेहद अनुकरणीय काम किया है। लाभाधिक्यों ने कंबल पाकर जैन पब्लिक स्कूल के छात्रों की मानवीय पहल की प्रशंसा की। इस अवसर पर अंकित चौधड़ा, उपेंद्र पाठक, शिशिर कुमार, परमेश्वर कुमार,स्कूल केप्टन अविनाश कुमार, अंकित कुमार, मौसम कुमार, त्रिशा चौधरी, काजल कुमारी,श्रुति कुमार, खुशी कुमारी, जयंती कुमारी, संजय कुमार शर्मा, हरेंद्र कुमार सिंह,अशोक कुमार, गुड्डिया देवी, नोमिता कच्छप, विनय कुमार पांडे,द्वेनंदन साव, परमेश्वर गोस्वामी, विद्यासागर सिंह, विनोद पासवान, अरुण कुमार सिंह आदि उपस्थित रहे।

अंडर-17 जूडो नेशनल में बोकारो के 10 खिलाड़ी झारखंड का करेंगे प्रतिनिधित्व

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) के तत्वावधान में 17 से 22 जनवरी तक इफाल (मणिपुर) में आयोजित होने वाली अंडर-17 जूडो प्रतियोगिता में बोकारो के 10 खिलाड़ी झारखंड टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। ने खिलाड़ी अपने-अपने वेट कैटेगरी में देशभर के खिलाड़ियों से मुकाबला करेंगे। झारखंड टीम में एमजीएम स्कूल बोकारो से राजवीर सिंह, ममंक सोनी, सुरभि कुमार और प्रदर्शनी सिंह शामिल हैं। वहीं जीपीएस सेक्टर-5 से चंदन कुमार, आर्यन गुप्ता, जय श्री कुमारी, दीपशिखा कुमारी, अनुष्का कुमारी और प्रिशा सिंह का चयन हुआ है। टीम के साथ कोच के रूप में रामगढ़ के चंदन कुमार तथा झारखंड सरकार की ओर से टीम मैनेजर अनीश कुमार खिलाड़ियों के साथ इफाल जाएंगे। प्रतियोगिता से पहले खिलाड़ियों का प्रशिक्षण शिविर रांची स्थित खेल गांव के गणपत राय स्टेडियम में लगाया गया, जहां झारखंड के जूडो प्रशिककों द्वारा प्रतिदिन दो सत्रों में कड़ी ट्रेनिंग दी जा रही है। झारखंड जूडो संघ के अध्यक्ष केप्टन त्रिपाठी और सचिव परीक्षित तिवारी ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। वहीं बोकारो जूडो संघ के अध्यक्ष विनय आनंद सहित सभी पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों के उज्ज्वल प्रदर्शन की कामना करते हुए भरोसा जताया कि ये खिलाड़ी नेशनल स्कूल गेम्स में झारखंड का नाम रोशन करेंगे।

धनबाद में आयोजित हुआ क्षत्रिय महा समागम

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। रविवार को श्री राजपूत करणी सेना के बैनर तले आज टाउन हॉल, धनबाद में क्षत्रिय महा समागम का सफल आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक आयोजन में धनबाद जिला सहित आसपास के राज्यों और क्षेत्रों से बड़ी संख्या में क्षत्रिय समाज के लोग उपस्थित हुए और कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाया। इस महा समागम के मुख्य अतिथि श्री राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महिपाल सिंह मकराना रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में बिहार के पूर्व सांसद आनंद मोहन सिंह ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।अपने संबोधन में महिपाल सिंह मकराना ने कहा कि क्षत्रिय समाज सदैव राष्ट्र, संस्कृति और स्वाभिमान की रक्षा में अग्रणी रहा है। उन्होंने समाज को संघटित रहने, युवाओं को जागरूक करने और अपने अधिकारों के लिए संवैधानिक एवं संघटित तरीके से संघर्ष करने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि आनंद मोहन सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि क्षत्रिय समाज की भूमिका देश के इतिहास से लेकर वर्तमान तक अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। उन्होंने सामाजिक एकता, आत्मसम्मान और संगठन की



समाज की एकता और सम्मान का दिया संदेश

प्रकोष्ठ की अध्यक्ष बबिता सिंह राजपूत सहित अन्य पदाधिकारियों एवम करणी सेना से जुड़ी सैकड़ों क्षत्राणिणों एवम सदस्यों की मौजूदगी में समाज के विभिन्न मुद्दों, युवाओं की भूमिका, सामाजिक सम्मान, और भविष्य की रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही समाज में एकता और भाईचारे को मजबूत करने का संकल्प लिया गया। श्री राजपूत करणी सेना धनबाद जिला के संरक्षक डॉ. उमा शंकर सिंह जी ने कार्यक्रम स्थल पर मौजूद सभी अतिथियों को तलवार भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम के अंत में आयोजन कर्ता श्री राजपूत करणी सेना धनबाद के द्वारा महा समागम में पहुंचे सभी विशिष्ट अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया।

मजबूती पर विशेष जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान राजपूत करणी सेना झारखण्ड प्रदेश के मुख्य संरक्षक अरुण कुमार सिंह की अध्यक्षता और श्री राजपूत करणी सेना झारखण्ड प्रदेश के महामंत्री संजीव सिंह राठौर, धनबाद जिला अध्यक्ष नीरज सिंह भटौरिया, जिला प्रभारी नीरज सिंह सिकरवार, राजपूत करणी सेना झारखण्ड प्रदेश महिला संजीव सिंह राठौर, धनबाद जिला अध्यक्ष नीरज सिंह भटौरिया, जिला प्रभारी नीरज सिंह सिकरवार, राजपूत करणी सेना झारखण्ड प्रदेश महिला

सहकार भारती ने मनाया स्थापना दिवस

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। विद्या मंदिर सेक्टर 3 में सहकार भारती की प्रकल्प इकाई गंगा क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड की विशेष आमसभा तथा सहकार भारती का स्थापना दिवस कार्यक्रम दो सत्रों में सम्पन्न हुआ। प्रथम सत्र में गंगा क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड के निदेशक मंडल का चुनाव सर्वसम्मति से चुनाव अधिकारी राजकुमार सिंह के द्वारा सम्पन्न कराया गया। निदेशक मंडल में डॉ भगवान पाठक, हरिश्चंद्र प्रसाद वर्णवाल, रामानुज प्रसाद, उषा श्रीवास्तव जवाहर प्रसाद ,संतोष चौधरी ,सहदेव चंद्र मेहता रेणु देवी, कंचन देवी, चिंता देवी ,अष्टमी बाउरी और शशि उराव सर्वसम्मति से चुने गए। द्वितीय सत्र में सहकार भारती का स्थापना दिवस मनाया गया।

सहकार भारती ने मनाया स्थापना दिवस कार्यक्रम दो सत्रों में सम्पन्न हुआ। प्रथम सत्र में गंगा क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड के निदेशक मंडल का चुनाव सर्वसम्मति से चुनाव अधिकारी राजकुमार सिंह के द्वारा सम्पन्न कराया गया। निदेशक मंडल में डॉ भगवान पाठक, हरिश्चंद्र प्रसाद वर्णवाल, रामानुज प्रसाद, उषा श्रीवास्तव जवाहर प्रसाद ,संतोष चौधरी ,सहदेव चंद्र मेहता रेणु देवी, कंचन देवी, चिंता देवी ,अष्टमी बाउरी और शशि उराव सर्वसम्मति से चुने गए। द्वितीय सत्र में सहकार भारती का स्थापना दिवस मनाया गया।



इसके मुख्य वक्ता विश्व हिंदू परिषद के निर्वर्तमान उपाध्यक्ष जगन्नाथ शाही तथा सहकार भारती के जिला अध्यक्ष प्रोफेसर परमेश्वर लाल बरणवाल थे। मंचासीन अतिथियों के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन एवं भारती के भूलकर समावेशी वातावरण बनाने की अवश्यता है। अनेकता में एकता, सहकर का आधार है, और यही सहकार आज

कहा कि सहकार सनातन संस्कृति की मौलिक चेतना है। यही चेतना मानवता की प्रेरिका है जब कभी भी सहकर का अभाव हुआ तो देव और संस्कृति को पराजय का मुह देखना पड़ा है, इसलिए आज सब प्रकार के विविधता को भूलकर समावेशी वातावरण बनाने की अवश्यता है। अनेकता में एकता, सहकर का आधार है, और यही सहकार आज

पुनः भारत को विश्व पटल पर गौरव दिला रहा है। कार्यक्रम को डॉ नरेंद्र कुमार राय, विकास ठाकुर, आदि ने भी संबोधित किया, अध्यक्षीय संबोधन डॉ भगवान पाठक ने किया। समस्त कार्यक्रम का संचालन देवनारायण सुधांशु ने किया तथा धन्यवाद जापन गंगा क्रेडिट कोऑपरेटिव के संस्थापक अध्यक्ष हरिश्चंद्र प्रसाद बरनवाल ने किया कार्यक्रम की समाप्ति शांति मंत्र से हुई। इस अवसर पर मुख्य रूप से डॉक्टर सत्यदेव तिवारी ,हरिश्चंद्र प्रसाद बरनवाल अधिवक्ता दीपक पाठक परिनव कुमार, सर्वेश चौधरी ,सोनु कुमार, डॉ विजय प्रकाश, शोभा देवी डॉ आनंद मोहन डॉ वीरेंद्र पांडे डॉ अजय कुमार सिंह नीरज कुमार लव कुमार जवाहर प्रसाद नाग नारायण प्रसाद शाही नरेंद्र कुमार उमेश प्रसाद, चौहान जैनैन्द्र कुमार सहित लगभग 200 सदस्य उपस्थित थे।

स्वाधिकाारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.जी. कॉर्पो. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर-31, कॉर्पोरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज सिंहाल फोन नंबर- 9431145865 8210783623 आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655 E-mail- nbntimesbihar@gmail.com

